खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम :32°C
न्यूनतम: 24°C

देहरादून, मंगलवार 9 सितम्बर 2025 देहरादून संस्करण: वर्ष 25 अंक 32 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com भाद्रपद शुक्ल पक्ष 15 विक्रमी सम्वत् 2082 16 रबी उल अव्वल 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

एकेटीयू दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि होंगे शुभांशु शुक्ला पेज 2

अनन्या व दिव्यांशी ने अंडर-15 युगल वर्ग में स्वर्ण पदक जीता खेल टाइम्स

रिश्तों की गरिमा की पुनः स्थापना! सम्पादकीय

गाजा में इजरायली सेना का हमला 50 लोगों की मौत पेज 12

नेताओं को मोटी चमड़ी वाला होना चाहिए: सुप्रीम कोर्ट

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि नेताओं को मोटी चमड़ी का होना चाहिए।

राजनीतिक लड़ाइयों के लिए सुप्रीम कोर्ट का उपयोग नहीं करना चाहिए। कोर्ट ने ये टिप्पणी भाजपा नेता द्वारा तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी के खिलाफ लगाई गई याचिका की सुनवाई के दौरान कही। 2024 लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान सीएम रेड्डी ने कहा था कि अगर बीजेपी 400 सीट जीती, तो आरक्षण समाप्त कर देगी। तेलंगाना भाजपा के महासचिव वेंकटेश्वरलू ने दावा किया था कि इससे पार्टी को नुकसान हुआ और उसने रेड्डी के खिलाफ मानहानि की याचिका दायर की गई थी। तेलंगाना हाईकोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया था, जिसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन, अतुल एस. चंदुरकर की पीठ ने भी याचिका खारिज कर दी।

ऑनलाइन गेमिंग की अगली चाल अब सुप्रीम कोर्ट पर निर्भर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम, 2025 को लेकर केंद्र की एक बड़ी मांग मान ली है। जिसके बाद अब ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम, 2025 को लेकर देश के अलग-अलग उच्च न्यायालयों में लंबित मामलों की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में होगी। केंद्र ने इस अधिनियम को लेकर हाईकोर्ट्स में लंबित मामलों को सुप्रीम कोर्ट में स्थानांतरित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

आधार मतदाता सूची के लिए वैध पहचान पत्र, नागरिकता के लिए नहीं

नई दिल्ली। बिहार मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण मामले में सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि आधार, मतदाता सूची के लिए वैध पहचान पत्र है, लेकिन इसे नागरिकता का सबूत नहीं माना जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वे आधार कार्ड को 12वां दस्तावेज मानें ताकि मतदाता वोटर लिस्ट में नाम शामिल कराने के लिए आधार कार्ड को भी पेश कर सकें।

■ मुख्यमंत्री रेड्डी के खिलाफ भाजपा की याचिका खारिज

योगी ने पंजाब समेत 3 राज्यों को राहत सामग्री भेजी

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ सामग्री वाहनों को हरी झंडी दिखाई

लखनऊ/सहारनपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पंजाब, हिमाचल और उत्तराखंड के आपदा प्रभावितों के लिए राहत सामग्री वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और उप्र सरकार की ओर से हिमाचल और उत्तराखंड को पांच-पांच करोड़ की धनराशि भेजी।

योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारत श्रेष्ठ भारत के आह्वान के साथ खड़ी है, उत्तर प्रदेश के बाढ़ पीड़ितों और किसानों को भी तत्काल सहायता दी जा रही है। मुख्यमंत्री सोमवार को 12 घंटे के शोर्ट नोटिस पर सहारनपुर पहुंचे और उन्होंने यहां जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई गई राहत सामग्री के वाहनों को बाढ़ एवं आपदा -शेष पृष्ठ दो पर

एएमयू की पहली महिला कुलपति नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट की मुहर

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) की पहली महिला कुलपति के रूप में प्रोफेसर नईमा खातून की नियुक्ति के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखने का सोमवार को फैसला सुनाया। न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली प्रोफेसर मुजफ्फर उरुज रब्बानी और प्रोफेसर फैजान मुस्तफा की याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने याचिकाकर्ताओं का पक्ष रखा। उन्होंने उच्च न्यायालय द्वारा की गई टिप्पणियों का हवाला देते हुए तर्क दिया कि कुलपति पद के लिए नामों चुनाव करने कार्यकारिणी परिषद में तत्कालीन एएमयू कार्यवाहक कुलपति प्रोफेसर मोहम्मद गुलरेज़ की अध्यक्षता और भागीदारी अनुचित थी।

प्रख्यात पत्रकार व संपादक संकर्षण ठाकुर नहीं रहे

नई दिल्ली। प्रख्यात पत्रकार और संपादक संकर्षण ठाकुर का सोमवार को यहां निधन हो गया। वह 63 वर्ष के थे। उनके परिवार ने यह जानकारी दी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राष्ट्रीय जनता दल अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव पर 'द ब्रदर्स बिहारी' के नाम से पुस्तक लिखने वाले दिवंगत ठाकुर अपनी तीक्ष्ण राजनीतिक अंतर्दृष्टि और विचारोत्तेजक लेखन के लिए जाने जाने जाते थे। उन्होंने 'द टेलीग्राफ' में राष्ट्रीय मामलों के संपादक के रूप में कार्य किया और 2023 में इसके संपादक नियुक्त किए गए।

एनआईए ने पांच राज्यों के 22 स्थानों पर की छापेमारी

श्रीनगर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जम्मू-कश्मीर और अन्य पांच राज्यों में आतंकवाद के वित्तपोषण मामले की चल रही जांच के तहत छापेमारी की है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। एनआईए ने कहा कि पांच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में 22 ठिकानों पर तलाशी चल रही है। उन्होंने बताया कि बिहार में आठ, जम्मू कश्मीर में नौ, उत्तर प्रदेश में दो और कर्नाटक, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में एक-एक ठिकाने पर छापेमारी चल रही है।

भारत बनाएगा अमेरिका- रूस व इजरायल जैसी स्पेशल फोर्स

नई दिल्ली। सैन्य बलों की एलीट कमांडो फोर्स का संयुक्त युद्ध सिद्धांत बनाया गया है। यह साझा दस्तावेज सेना की स्पेशल फोर्स, वायुसेना की गरुड़ कमांडो फोर्स और नौसेना के मार्कोस कमांडो के लिए बनाया गया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद हुई इस कवायद में तीनों सेनाओं की एलीट फोर्स की तैयारी का हर पहलू स्पष्ट किया गया है। अगर किसी देश या उसकी शह में पलने वाले आतंकी, भारत विरोधी कार्रवाई करते हैं, तो उनके खिलाफ क्या होगा?

नेपाल में लोकतंत्र धराशायी

हिंसक विरोध प्रदर्शन के दौरान सेना ने की फायरिंग, 20 की मौत

काठमांडू, पोखरा सहित कई शहरों में कर्फ्यू

सोशल मीडिया फिर शुरू, बैन-भ्रष्टाचार के खिलाफ 12 हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी युवा सुबह संसद में घुसे थे, सेना की फायरिंग में करीब 200 लोग घायल भी हुए

संसद, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति व पीएम आवास के पास के इलाकों में भी कर्फ्यू, तोड़फोड़ करने वालों को देखते ही गोली मारने के आदेश जारी

काठमांडू। नेपाल में सुबह से जारी विरोध प्रदर्शन के बाद सोशल मीडिया फिर से शुरू कर दिया गया। इस प्रदर्शन में अब तक 20 लोगों की मौत हुई, जबकि 200 से ज्यादा घायल हो गए। इस प्रदर्शन की अगुआई 18 से 30 साल के युवाओं ने की।

सोशल मीडिया पर बैन और सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ सोमवार सुबह 12 हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी युवा संसद भवन परिसर में घुस गए, जिसके बाद सेना ने कई राउंड फायरिंग की। नेपाल के इतिहास में संसद में घुसपैठ का यह पहला मामला है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने संसद के गेट नंबर 1 और 2 पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद संसद भवन, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, पीएम आवास के पास के इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया। काठमांडू प्रशासन ने तोड़फोड़ करने वालों को देखते ही गोली मारने के आदेश दे दिए हैं। सोमवार को नेपाल के संसद भवन के बाहर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। नेपाल सरकार ने 3 सितम्बर को फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब समेत 26 सोशल मीडिया साइट्स पर बैन लगाने का फैसला किया था। इन प्लेटफॉर्म ने नेपाल के संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में रजिस्ट्रेशन नहीं कराया था। इसके लिए मंत्रालय ने 28 अगस्त को आदेश जारी कर 7 दिन का समय दिया था, यह समय सीमा 2 सितम्बर को खत्म हो गई। युवाओं ने अन्य लोगों से भी आंदोलन में जुड़ने की अपील की है। इसके लिए क्यूआर कोड वाले बैनर भी बनाए गए हैं। युवाओं का कहना है कि उनका बोलना भी सरकार के लिए अपराध है। बढ़ते विरोध प्रदर्शन के बीच नेपाल ने भारत से लगी कई सीमा पर कर्फ्यू लगा दिया है। तराई क्षेत्र के कई शहरों में प्रदर्शन फैल गए हैं और प्रदर्शनकारी बदलाव की मांग को लेकर सड़कों पर उतर आए हैं। नेपाल में जारी विरोध प्रदर्शनों में अब तक मरने वालों की संख्या 20 पहुंच गई है। जबकि 200 से ज्यादा घायल हैं। कई जगह पर प्रदर्शनकारियों ने सेना पर पथराव किया है। नेपाल में सोशल मीडिया फिर से शुरू हो गया है। नेपाल में दोपहर 3:15 बजे के बाद बिना वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) इस्तेमाल किए सारे सोशल मीडिया -शेष पृष्ठ दो पर

उप्र के सीमावर्ती जिलों में सुरक्षा और सतर्कता बढ़ी

पड़ोसी देश नेपाल में शुरू हुए युवाओं के हिंसक प्रदर्शन को देखते हुए उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जिलों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है और विशेष सतर्कता बरती जा रही है। उत्तर प्रदेश के महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी और पीलीभीत जिलों की सीमा नेपाल सीमा से लगती है, जहां सशस्त्र सीमा बल और स्थानीय पुलिस सुरक्षा निगरानी करती है। बलरामपुर जिले में नेपाल में चल रहे आंदोलन को देखते हुए सीमा की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और उधर से आने-जाने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

उपराष्ट्रपति पद के लिए मतदान आज

लोकसभा के 542 मौजूदा सदस्य व राज्यसभा के 239 मौजूदा सदस्य ही डाल सकेंगे वोट

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ किसी भी उम्मीदवार को जीतने के लिए कम से कम 391 वोटों की आवश्यकता होगी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति पद के लिए मंगलवार को मतदान होगा, जिसमें लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य हिस्सा लेंगे। मंगलवार को शाम तक नतीजे घोषित होंगे। इसके साथ ही देश को 50 दिन बाद जगदीप धनखड़ की जगह नया उपराष्ट्रपति मिलेगा। 21 जुलाई को धनखड़ के अचानक इस्तीफा देने के चलते चुनाव हो रहा है।

आंकड़ों में एनडीए को स्पष्ट बढ़त है। हालांकि संसद में विपक्ष की मजबूती से पिछले दो दशक में पहली बार मुकाबला करीबी हो सकता है। इस चुनाव में लोकसभा के 542 मौजूदा सदस्य और राज्य सभा के 239 मौजूदा सदस्य ही वोट कर सकेंगे। इस तरह निर्वाचन मंडल में इस समय 781 सदस्य हैं और किसी भी उम्मीदवार को जीतने के लिए कम से कम 391 वोटों की आवश्यकता होगी। मतदान नए संसद भवन में सुबह दस बजे से शाम पांच बजे तक होगा और मतों की गिनती शाम छह बजे से होगी।

बीआरएस व बीजू जनता दल उपराष्ट्रपति चुनाव के मतदान में हिस्सा नहीं लेंगी

नई दिल्ली। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) उपराष्ट्रपति पद के लिए मंगलवार को होने वाले मतदान में हिस्सा नहीं लेगी। बीआरएस सांसद केआर सुरेश रेड्डी ने कहा कि बीआरएस ने मतदान में हिस्सा लेने और नहीं लेने को लेकर सभी विकल्पों पर विचार करने के बाद निर्णय लिया है कि पार्टी के सांसद मतदान में हिस्सा नहीं लेंगे। उधर बीजू जनता दल ने उपराष्ट्रपति पद के लिए मतदान में हिस्सा नहीं लेने का निर्णय लिया है। बीजद सांसद सस्मित पात्रा ने यहां पत्रकारों से कहा कि बीजू जनता दल ने उपराष्ट्रपति पद के लिए मंगलवार को होने वाले चुनाव में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है।

हरिद्वार-ऋषिकेश रेल रूट पर लैंडस्लाइड, लोहे का ढांचा क्षतिग्रस्त

■ पंजाब में 296.4 एमएम ज्यादा बारिश, हिमाचल में 824 सड़कें बंद

नई दिल्ली। उत्तराखंड में हरिद्वार-ऋषिकेश रेल रूट पर सोमवार सुबह काली मंदिर के पास लैंडस्लाइड हुई। पहाड़ी से बड़े-बड़े पत्थर ट्रैक पर बने लोहे के स्ट्रक्चर पर गिरे। इसके कारण स्ट्रक्चर क्षतिग्रस्त हो गया। मलबा ट्रैक पर आ गिरा। अब रूट बाधित है। कई ट्रेनों को रोक गया है। ट्रैक से मलबा हटाया जा रहा है।

इधर, राजस्थान में तेज बारिश के बाद कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति है। नदी-नाले ओवरफ्लो होने से सोमवार को 8 जिलों, उदयपुर, सलूंबर, जालोर, डूंगरपुर, सिरोही, बाड़मेर, जैसलमेर और बालोतरा में स्कूल बंद हैं। पंजाब के 23 जिलों के करीब 2 हजार गांव बाढ़ की चपेट में हैं। इनकी 3 लाख 84 हजार की आबादी प्रभावित है। 12 जिलों के 46 लोगों की बाढ़-बारिश में जान गई। 12 दिन बाद आज राज्य के सभी जिलों में स्कूल-कॉलेज खुले हैं। हथिनी कुंड बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद उत्तर प्रदेश के मथुरा के वृंदावन में हालात बिगड़े हैं।

कुलगाम में मुठभेड़ जारी, दो आतंकी ढेर एक जवान बलिदान

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच जारी मुठभेड़ में अब तक दो आतंकियों को मार गिराया गया है, जबकि भारतीय सेना का एक जवान बलिदान हो गया है। इस मुठभेड़ में दो अन्य जवान घायल भी हुए हैं। ऑपरेशन अब भी जारी है। तलाशी अभियान के दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग की। इसके बाद सुरक्षाबलों ने भी जवाब दिया। फायरिंग में एक अफसर के घायल होने की खबर है। दोनों तरफ से तेज गोलीबारी हुई। खबर मिली है कि एक अफसर घायल हो गया है।

मेहुल चोकसी को जेल में मिलेंगी सभी जरूरी सुविधाएं

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ गृह मंत्रालय ने दिया भारत की ओर से बेल्जियम सरकार को मानवीय व्यवहार का आश्वासन

नई दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक में 13 हजार करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी से जुड़े मामले में वांछित भगोड़े आरोपी मेहुल चोकसी के भारत प्रत्यर्पण की कवायद के बीच गृह मंत्रालय ने उसके साथ जेल में मानवीय व्यवहार का आश्वासन दिया है और बेल्जियम सरकार को जेल की व्यवस्था के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए इस संबंध में व्यक्त की गई सभी चिंताओं का जवाब दिया है।

हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी सात वर्ष पहले देश से फरार हो गया था लेकिन इससे एक वर्ष पहले ही उसने 2017 में ही एंटीगुआ-बारबूडा की नागरिकता ले ली थी। चोकसी खराब सेहत का हवाला देकर भारत में पेशी पर आने से इन्कार करता रहा है। मामले की सुनवाई के दौरान उसकी कभी-कभार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये ही पेशी हो सकी है। इस मामले में सरकार ने उसकी कई संपत्तियां भी जब्त की हैं। चोकसी को भारतीय जांच एजेंसियों के प्रत्यर्पण की अपील पर 12 अप्रैल को बेल्जियम में गिरफ्तार किया गया था। चोकसी के साथ उसका भतीजा नीरव मोदी भी इस मामले में आरोपी है। सूत्रों के अनुसार गृह मंत्रालय ने बेल्जियम के न्याय मंत्रालय को पत्र लिखकर आश्वासन दिया है कि यदि मेहुअल चोकसी का भारत प्रत्यर्पण किया जाता है, तो उसे मुंबई की आर्थर रोड़ जेल में रखे जाने की योजना है। इस जेल में उसके साथ मानवीय व्यवहार किया जाएगा और वहां सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। गृह मंत्रालय की ओर से यह भी आश्वासन दिया गया है कि चोकसी को कानूनी सहायता भी दी जाएगी। पत्र में बताया गया है कि चोकसी को मुंबई की आर्थर रोड जेल की बैरक नंबर 12 में रखा जाएगा। इस बैरक में छह लोगों के रहने की क्षमता है और सोने के लिए साफ, कॉटन की मोटी चटाई (गद्दा), तकिया, चादर और कंबल शामिल हैं। उसे पीने का साफ पानी और मेडिकल सुविधाएं भी दी जाएंगी। जरूरत पड़ने पर डाक्टरों की सलाह अथवा न्यायालय के आदेश पर उसे लकड़ी का बेड भी उपलब्ध कराया जा सकता है। चोकसी के वकील ने इस मामले को राजनीति से प्रेरित बताते हुए और चोकसी के खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए उनके प्रत्यर्पण का विरोध किया है। चोकसी की पत्नी बेल्जियम की नागरिक हैं और उसने अपनी पत्नी की मदद से 15 नवम्बर 2023 को बेल्जियम का 'एफ रेजिडेंसी कार्ड' ले लिया था। रिपोर्टों में कहा गया है कि यह कार्ड फर्जी दस्तावेजों के आधार पर लिया गया था। उसने अपनी भारतीय और एंटीगुआ की नागरिकता के बारे में भी बेल्जियम के अधिकारियों से जानकारी साझा नहीं की थी। चोकसी मई 2021 में एंटीगुआ से पड़ोसी देश डोमिनिका पहुंच गया था। वहां उसकी गिरफ्तारी की खबर मिलते ही केन्द्रीय जांच ब्यूरो की टीम उसके प्रत्यर्पण के लिए डोमिनिका पहुंच गई, लेकिन इसके पहले ही उसे एक बार फिर एंटीगुआ के हवाले कर दिया गया।

ग्रेट निकोबार मेगा प्रोजेक्ट पर सोनिया गांधी ने जताया विरोध

■ कहा: आदिवासी समुदाय और वहां की विशिष्ट प्रकृति को भारी नुकसान पहुंचेगा

नई दिल्ली। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने ग्रेट निकोबार मेगा प्रोजेक्ट के फैसले का विरोध करते हुए कहा है कि इससे द्वीप पर रहने वाले आदिवासी समुदाय और वहां की विशिष्ट प्रकृति को भारी नुकसान पहुंचेगा।

श्रीमती गांधी ने एक समाचार पत्र में एक लेख के जरिये केन्द्र सरकार पर निशाना साधा है कि इस मेगा प्रोजेक्ट की मंजूरी से लेकर इसके निर्माण के फ़ैसले तक में द्वीप पर रह रहे आदिवासियों के हितों की अनदेखी की गई है। श्रीमती गांधी ने ग्रेट निकोबार मेगा प्रोजेक्ट पर गंभीर सवाल उठाए हुए लिखा कि इस प्रोजेक्ट पर हजारों करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिससे इससे द्वीप पर रहने वाले आदिवासी समुदाय और वहां की अनोखी प्रकृति को भारी नुकसान पहुंचेगा। उन्होंने लिखा कि पिछले 11 वर्षों में अधूरे नीति-निर्माण किए गए हैं। इस सुनियोजित श्रृंखला में नवीनतम है -ग्रेट निकोबार मेगा-इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना, जिस पर होने वाला 72,000 करोड़ रुपये का बेतहाशा और गलत खर्च द्वीप के मूल आदिवासी समुदायों के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा करता है।

संक्षिप्त समाचार

हजरतबल में राष्ट्रीय प्रतीक के दुरुपयोग पर जांच की मांग की

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने यहां हजरत बल दरगाह की उद्घाटन पट्टिका पर राष्ट्रीय प्रतीक के इस्तेमाल को कानून का गंभीर उल्लंघन बताते हुए इसके दुरुपयोग की जांच की मांग की है। नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रवक्ता एवं विधायक तनवीर सादिक ने पार्टी के संस्थापक शेख अब्दुला की 43वीं पुण्यतिथि के मौके पर यहां संवाददाताओं से कहा कि हमने पहले ही हजरतबल में हुए हिसा की आलोचना की है। हिंसा किसी भी सवाल का जवाब नहीं हो सकता, मुद्दों को बातचित से सुलझाया जा सकता है। उन्होंने इस विवाद में पुलिस की ओर से दर्ज प्राथमिकी और लोगों को हिरासत में लिए जाने को गलत कदम बताते हुए अधिकारियों से आग्रह किया कि मामले को बल प्रयोग के बजाय संवे. दनशीलता के साथ संभाला जाना चाहिए।

भाजपा सांसद की बहन से मारपीट ससुरालीजन गिरफ्तार

कासगंज। फर्रुखाबाद के भारतीय जनता पार्टी सांसद मुक.श राजपूत की बहन के साथ कासगंज मे मारपीट करने वाले उसके ससुर लक्ष्मण और देवर राजेश को सहावर थाना पुलिस ने घर से गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक अन्य देवर की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे है। राजपूत की बहन रीना के साथ उसके ससुर लक्ष्मण व देवर राजेश व गिरीश का लाठी डंडों से पीटते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। पीड़ित बहू ने नहाते वक्त ससुर लक्ष्मण और देवर गिरीश पर वीडियो बनाने का आरोप लगाया था। इसी बात को लेकर मारपीट कर गई थी। पीड़ित का विवाह 17 वर्ष पूर्व सहावर के रानीअवन्ती बाई नगर में रविन्द्र से हुआ था।

निष्पक्ष एवं पारदर्शी चयन की प्रक्रिया आज नए उप्र की नई तस्वीर: योगी

पहले एक ही परिवार पैसा लेकर करता था नियुक्तियां

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि निष्पक्ष एवं पारदर्शी चयन की प्रक्रिया आज 'नए उप्र' की नई तस्वीर है। पहले एक परिवार के लोग पैसा लेकर भर्ती करते थे।

उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएससी) द्वारा नवचयनित 1,112 कनिष्ठ सहायकों एवं 22 एक्स-रे टेक्नीशियनों के नियुक्ति-पत्र वितरण के लिए आज लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने यह बातें कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उप्र की जनता को लूटते थे। जांच की जाएगी, तो बहुत सारे ऐसे 'महाभारत के रिश्ते' बाकी का

■ मुख्यमंत्री ने यूपीएसएससी द्वारा नवचयनित 1,112 कनिष्ठ सहायकों एवं 22 एक्स-रे टेक्नीशियनों के नियुक्ति-पत्र वितरित किए

जीवन जेल में ही बिताने के लिए मजबूर होंगे। उन्होंने कहा कि नौजवानों को आज प्रदेश के अंदर नौकरी की गारंटी मिली है। हर योग्य व्यक्ति को आगे बढ़ाने के लिए सरकार तेजी के साथ कार्य कर रही है। योगी ने कहा कि सभी नवचयनित युवाओं को हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देता हूं। इतनी बड़ी संख्या में नियुक्ति की प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से संपन्न हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता का ही परिणाम है कि आज उप्र आगे बढ़ रहा है। अब तक लगभग 80 लाख से अधिक लोगों ने 'आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' की सुविधा का लाभ लिया है। कार्यक्रम के दौरान नियुक्ति पत्र पाने वाली श्रद्धा शुक्ला ने कहा कि पहले की सरकारों में नियुक्ति के लिए रिश्वत देनी पड़ती थी, लेकिन आज नियुक्ति सिर्फ काबिलियत के दम पर मिलती है। सरकारी नौकरी के लिए रिश्वत गुजरे जमाने की बात हो गई। मुख्यमंत्री ने पारदर्शी प्रक्रिया से नियुक्ति देकर उत्तम प्रदेश का नया मार्ग बनाया है। इस नौकरी के लिए सिफारिश या एक रुपए रिश्वत भी नहीं देनी पड़ी। इसके लिए मुख्यमंत्री का दिल से आभार व्यक्त करती हूं। अयोध्या के आदित्य पाठक ने कहा कि मुख्यमंत्री की वजह से हम सभी निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया का हिस्सा बन पा रहे हैं।

योगी ने दिए विवि व महाविद्यालयों के जांच का आदेश

लखनऊ। बीते दिनों बाराबंकी में छात्रों के साथ हुई घटना के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों व महाविद्यालय में संचालित कोर्सों की मान्यता के जांच के आदेश दिए हैं। जांच के दौरान मान्यता व प्रवेश को शामिल किया जाएगा।

इसके लिए प्रत्येक जिले में एक विशेष जांच टीम गठित करने के निर्देश सभी मंडलायुक्तों को दिए गए हैं। सोमवार को मुख्यमंत्री स्तर पर जारी आदेश में कहा गया है कि विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों की मान्यता और प्रवेश प्रक्रिया की सघन जांच के लिए मण्डलायुक्तों को प्रत्येक जिले के लिए अलग-अलग जांच टीम गठित करनी होगी। जिसकी मॉनिटरिंग स्वयं मंडलायुक्त करेंगे। जांच टीम में एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एक पुलिस अधिकारी वह एक शिक्षा विभाग के अधिकारी शामिल होंगे।

एकेटीयू दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि होंगे शुभांशु

लखनऊ, वार्ता

डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के मंगलवार को होने वाले दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला शामिल होंगे।

समारोह के दौरान सुभांशु को डी लिट की मानद उपाधि से भी सम्मानित किया जाएगा। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल करेंगी। सोमवार को विवि के रज्जू भैया सभागार में दीक्षांत समारोह को लेकर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान विश्व. विद्यालय के कुलपति प्रोफेसर जेपी पांडे ने बताया कि समारोह के विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश के प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल शामिल होंगे। इस बार समझ के दौरान कुल 88 पदक दिए जाएंगे। जिसमें 37 स्वर्ण पदक 26 रजत पदक एवं 25 कांस्य पदक मेधावियों को दिए जाएंगे। इसके अलावा 53943 छात्रों को विभिन्न पाठ्यक्रमों में डिग्री प्रदान की जाएगी। जबकि 86 छात्रों को पीएचडी अवार्ड होगी। प्रोफेसर जेपी पांडेय ने बताया कि प्रदेश में उद्यमिता एवं नवाचार की संस्कृति विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए दीक्षांत समारोह के दौरान इस बार 6 श्रेणियां में स्टूडेंट स्टार्टअप अवार्ड दिया जाएगा। इसमें एक अवॉर्ड वूमेन लीड स्टार्टअप अवार्ड दूसरा बेस्ट सोशल इंपैक्ट

आवारा कुत्तों के बेहतर प्रबंधन पर शहरी निकाय पुरस्कृत होंगे

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार आवारा कुत्तों की नसबंदी, टीकाकरण और भोजन कार्यक्रमों के बेहतर क्रियान्वयन करने वाले शहरी स्थानीय निकायों और एनजीओ को पुरस्कृत करेगी।

अधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि सरकार ने कुत्तों के जीवन के स्थानीय पहलू को ध्यान में रखते हुए 'उपयुक्त भोजन स्थलों' की पहचान करने और उन्हें चिह्नित करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि उच्चतम न्यायालय के 22 अगस्त के आदेश के अनुरूप राज्य के व्यापक निर्णय के तहत 4 सितम्बर को जारी इस कदम का उद्देश्य एबीसी कार्यक्रम के प्रभावी और वैज्ञानिक कार्यान्वयन को बढ़ावा देना है, साथ ही जमीनी

■ उच्चतम न्यायालय के 22 अगस्त के आदेश के अनुरूप राज्य सरकार का महत्वपूर्ण निर्णय

स्तर पर उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देना भी है। दरअसल राज्य सरकार के इस आदेश का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश के प्रत्एक नगरपालिका वार्ड में आवारा कुत्तों के लिए सुरक्षित और जिम्मेदार भोजन स्थलों का निर्धारण करना है। इस कदम से यह सुनिश्चित होगा कि कुत्तों को उनके क्षेत्र में ही भोजन दिया जाए, ताकि संघर्ष कम हो, सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा हो और सहानुभूतिपूर्ण देखभाल को बढ़ावा मिले। राज्य सरकार के आदेश में कहा गया है, नसबंदी, टीकाकरण और आहार प्रबंधन में अच्छे परिणाम प्राप्त करने वाले शहरी स्थानीय निकायों और संगठनों को राज्य सरकार द्वारा प्रोत्साहित एवं पुरस्कृत किया जाएगा। इस आदेश का उद्देश्य सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करना, करुणामयी देखभाल को बढ़ावा देना, जन सुरक्षा सुनिश्चित करना और सामुदायिक भागीदारी को मज़बूत करना है। उप्र पशु जन्म नियंत्रण निगरानी समिति की सदस्य गौरी मौलेखी ने कहा कि करुणा और दया की भावना शासन का एक स्तंभ और राष्ट्र की विरासत है। वैज्ञानिक और विच. ारशील नीतियों के माध्यम से लोगों और पशुओं, दोनों की रक्षा करके, उप्र यह दर्शाता है कि प्रगति केवल बुनियादी ढांचे और आंकड़ों से नहीं, बल्कि उस सम्मान से मापी जाती है, जिसके साथ हम अपने बीच सबसे कमज़ोर लोगों के साथ व्यवहार करते हैं।

दिल्ली में बच्चों की तस्करी करने वाला गिरोह बेनकाब

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्व दिल्ली की विशेष अन्वेषण टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए बच्चों के अपहरण और तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस गिरोह में शामिल आगरा के एक डॉक्टर समेत 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सराय काले खां बस अड्डे से अगवा किए गए छह महीने के बच्चे को मात्र 48 घंटे के भीतर आगरा से सकुशल बरामद कर लिया। इसके अलावा गिरोह द्वारा तस्करी किए गए पांच अन्य बच्चों को भी विभिन्न स्थानों से ढूंढकर बचाया गया है। दक्षिण-पूर्व ज़िले के पुलिस उपायुक्त हेमंत तिवारी ने सोमवार को बताया कि 22 अगस्त को बान्दा, उत्तर प्रदेश निवासी शिकायतकर्ता सुरेश अपने परिवार के साथ आईएसबीटी सराय काले खां पहुंचे थे।

भवन के निर्माण से पूर्व डिजाइन पर गंभीरता से काम करें: आनंदीबेन

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उप्र की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा है कि किसी भी भवन के निर्माण से पूर्व उसकी डिजाइन पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। भवन की उपयोगिता के अनुसार ही उसकी रूपरेखा तैयार की जानी चाहिए, ताकि उस भवन का वास्तविक लाभ मिल सके।

श्रीमती पटेल ने सोमवार को राजभवन का सभागार में लोक निर्माण विभाग तथा विद्युत विभाग द्वारा निर्मित सात निर्माण कार्यों का उद्घाटन किया। इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि डिजाइन बनाते समय दीर्घकालिक उपयोग को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए, साथ ही बचत पर जोर देना चाहिए और फिजूलखर्ची से बचना चाहिए। राज्यपाल ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि बहुत ही सुंदर निर्माण कार्य निर्धारित समयावधि के भीतर पूरे किए गए हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी भवन की नींव (फाउंडेशन) मजबूत होने पर ही वह लंबे समय तक टिकाऊ बनता है। इसलिए निर्माण कार्यों में उत्तम गुणवत्ता के पदार्थों का उपयोग किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि लोक निर्माण विभाग और विद्युत विभाग ने समय और लागत का ध्यान रखते हुए टिकाऊ निर्माण कार्य किए हैं, यह अनुकरणीय है। जब हम कोई अच्छा कार्य करते हैं और वह सफलतापूर्वक संपन्न होता है, तो उससे संतोष की अनुभूति होती है। राज्यपाल ने खुले और हवा में लटकते विद्युत तारों पर चिता व्यक्त करते हुए कहा कि इन्हें अब अंडरग्राउंड करना चाहिए, ताकि लंबे समय तक सुरक्षित उपयोग हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि असामान्य परिस्थितियों में भी टिकाऊ और उपयोगी निर्माण की आदत विकसित करनी चाहिए। राज्यपाल ने निर्देश दिया कि राजभवन में हुए सभी निर्माण कार्यों के डिजाइन सुरक्षित रखे जाएं, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार के विस्तार या नए कार्य की आवश्यकता होने पर समय की बचत हो और कार्य सुचारू रूप से पूरा हो सके।

सेंसेक्स 80787.30
निफ्टी 24773.15

सोना रु. 99358
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 122900
प्रति किलो

ऑटो कंपनियों में जबरदस्त लिवाली से चढ़ा शेयर बाजार

मुंबई, वार्ता

जीएसटी सुधारों के बाद ऑटो कंपनियों में जारी लिवाली से घरेलू शेयर बाजारों में सप्ताह के पहले दिन सोमवार को तेजी रही।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 76.54 अंक (0.09 प्रतिशत) की मजबूती के साथ 80,787.30 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 32.15 अंक यानी 0.13 फीसदी की बढ़त में 24,773.15 अंक पर रहा। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में 22 सितम्बर से मंजूर बदलावों में वाहनों पर कर और उपकर की दरों में अच्छी खासी कटौती की गई है। इससे सेक्टर को लेकर निवेशकों की धारणा लगातार मजबूत बनी हुई है। शेयर बाजार की तेजी में सबसे ज्यादा योगदान वाहन निर्माता कंपनियों का ही रहा। इसके अलावा, त्योहारी सीजन में वाहन ऋण की मांग बढ़ने की उम्मीद में बैंकों के

शेयरों में भी तेजी देखी गयी। एनएसई में अशोक लेलैंड का शेयर 5.08 प्रतिशत, टाटा मोटर्स का 4.25 प्रतिशत, बजाज ऑटो का 4.08 प्रतिशत और महिंद्रा एंड महिंद्रा का 4.01 प्रतिशत बढ़ा।

टीवीएस मोटर के शेयर में 3.12 फीसदी और मारुति सुजुकी में 2.42 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हीरो मोटोकॉर्प का शेयर भी 1.43 फीसदी चढ़ा। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के दम पर सेंसेक्स 193.64 अंक की तेजी के साथ 80,904.40 अंक पर खुला। इसका उच्चतम स्तर 81,171.38 अंक और निचला स्तर 80,733.07 अंक रहा। इसी प्रकार निफ्टी-50 भी 61.60 अंक चढ़कर 24,802.60 अंक पर खुला। यह ऊपर 24,885.50 अंक और नीचे 24,751.55 अंक तक गया। मझौली और छोटी कंपनियों में ज्यादा तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचक.ांक 0.44 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.16 प्रतिशत मजबूत बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 में से 14 कंपनियों के शेयर हरे निशान में रहे। ऑटो कंपनियों के अलावा अडानी पोर्ट्स का शेयर दो प्रतिशत चढ़ा। टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, बीईएल, भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक और इटरनल के शेयरों में भी तेजी रही। ट्रेंट में सबसे अधिक 3.81 प्रतिशत की गिरावट रही। एशियन पेंट्स का शेयर 1.90 फीसदी, एचसीएल टेक का 1.21 और टेक महिंद्रा का 1.13 फीसदी लुढ़क गया। एलएंडटी, टीसीएस, पावर ग्रिड, सनफार्मा, एनटीपीसी और इंफोसिस में भी आधी फीसदी से अधिक की गिरावट रही।

अगस्त में सुस्त रही वाहनों की खुदरा बिक्री

नई दिल्ली। त्योहारी मौसम और जीएसटी में राहत के इंतजार में अगस्त में ग्राहकों ने अपनी खरीद टाल दी जिससे वाहनों की खुदरा बिक्री में सुस्ती देखी गयी। वाहन डीलरों के महासंघ (फाडा) के सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि अगस्त में यात्री वाहनों (कार, एसयूवी और वैन) की बिक्री अगस्त 2024 के मुकाबले मात्र 0.93 प्रतिशत बढ़ी और कुल बिक्री 3,23,256 इकाई रही। दुपहिया वाहनों में भी 2.18 फीसदी की मामूली तेजी देखी गयी और कुल 13,73,775 वाहन बिके। वाहनों की कुल बिक्री 2.84 फीसदी बढ़कर 19,64,547 इकाई रही। फाडा के अध्यक्ष सी.एस. विघ्नेश्वर बताया कि 15 अगस्त को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों की प्रधानमंत्री की घोषणा के बाद बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी खरीद टाल दी। हालांकि डीलरों के पास पूछताछ काफी आयी, लेकिन वह बिक्री में पूरी तरह से नहीं बदल सकी। उन्होंने उम्मीद जतायी कि 22 सितम्बर को जीएसटी सुधारों के लागू होने के बाद बड़ी संख्या में ग्राहक खरीद करेंगे।

चावल मजबूत, गेहूं नरम, खाद्य तेलों में घटबढ़, चीनी-दालों में तेजी

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में सोमवार को चावल के दाम बढ़ गए, जबकि गेहूं में नरमी का रुख रहा। खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखी गयी। दालों और चीनी के भाव में तेजी रही।विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का नवम्बर वायदा 40 रिंगिट की मजबूती के साथ 4,488 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया।

अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.92 प्रतिशत चढ़कर 51.70 डॉलर के भाव बोला गया। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत करीब 121 रुपए बढ़कर 3,833.95 रुपए प्रति क्विंटल हो गई। गेहूं 10 रुपए सस्ता हुआ और 2,849.18 रुपए प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटा भी 18 रुपए टूटकर 3,306.23 रुपए प्रति क्विंटल पर आ गया। खाद्य तेलों में सरसों तेल औसतन 45 रुपए प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। मूंगफली तेल में 56 रुपए और वनस्पति में 70 रुपए प्रति क्विंटल की तेजी रही। ग्राहकी उतरने से सोया तेल में 129 रुपए, पाम ऑयल 107 रुपए और सूरजमुखी तेल 34 रुपए प्रति क्विंटल फिसल गया। दाल-दलहनों में आज तेजी रही। तुअर दाल की औसत कीमत 224 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ गई। चना दाल 119 रुपए और मसूर दाल 155 रुपए प्रति क्विंटल महंगी हुई। मूंग दाल की कीमत में 97 रुपए और उड़द दाल में 24 रुपए प्रति क्विंटल की मजबूती रही। गुड़-चीनी: मीठे के बाजार में आज तेजी का रुख रहा। गुड़ की औसत कीमत 82 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ गई। खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहे: दाल-दलहन: दाल चना 7958.04 रुपए, मसूर काली 8159.19 रुपए, मूंग दाल 10078.94 रुपए, उड़द दाल 10438.93 रुपए, अरहर दाल 10663.43 रुपए प्रति क्विंटल।

प्रथम पृष्ठ के शेष...

योगी ने... प्रभावित तीन पड़ोसी राज्यों, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के लिए राहत सामग्री भरे वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने यह भी घोषणा कि उत्तर प्रदेश सरकार अपनी 25 करोड़ जनता की ओर से हिमाचल और उत्तराखंड को राहत कोष में पांच-पांच करोड़ धनराशि भी दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य मंत्री बृजेश सिंह उत्तराखंड के लिए और राज्य मंत्री जसवंत सिंह हिमाचल प्रदेश के लिए और सहारनपुर के नगर विधायक राजीव गुंबर पंजाब के लिए राहत सामग्री और पांच-पांच करोड़ की धनराशि का चैक के साथ भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश इन तीनों राज्यों की आपदा पीड़ित जनता के साथ खड़ा हुआ है। योगी ने कहा कि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारत-श्रेष्ठ भारत के आह्वान को साकार करने में जी-जान से संकल्पबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल और उत्तराखंड में कई स्थानों पर बादल फटने से भयंकर विभीषा आई। हमारी गहरी संवे. दनाएं तीनों राज्यों के पीड़ितों के साथ हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश का जिक्र करते हुए कहा कि हमने बाढ़ और भारी वर्षा से होने वाली आपदाओं से बचाव को व्यापक स्तर पर ऐहतियाती कदम उठाए थे, जिससे प्रदेश के 25 करोड़ लोगों को बड़े पैमाने पर राहत मिली। राज्य सरकार भारी बारिश से खेतों में हुए जलभराव के कारण हुए नुकसान की पड़ताल करा रही है और रिपोर्ट मिलते ही नियमानुसार किसानों को मुआवजा दिया जाएगा।

नेपाल में.... प्लेटफॉर्म चल रहे हैं। नेपाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को 7 दिन के भीतर रजिस्ट्रेशन कराने का आदेश दिया था। सरकार का तर्क था कि रजिस्ट्रेशन के बिना ये प्लेटफॉर्म्स देश में फेक आई, हेट स्पीच, साइबर क्राइम और गलत सूचनाएं फैलाने के लिए इस्तेमाल हो रहे थे। तय समय सीमा के भीतर रजिस्ट्रेशन नहीं कराने पर सरकार ने 4 सितम्बर को 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बैन लगा दिया था। इसमें व्हाट्सअप, फेसबुक, यूट्यूब जैसे बड़े प्लेटफॉर्म थे। टिकटॉक, वाइबर जैसे प्लेटफॉर्म पर बैन नहीं लगा, क्योंकि उन्होंने समय पर रजिस्ट्रेशन करा लिया था। नियमों के मुताबिक हर कंपनी को नेपाल में लोकल ऑफिस रखना, गलत कंटेंट हटाने के लिए लोकल अधिकारी नियुक्त करना और कानूनी नोटिसों का जवाब देना जरूरी कर दिया गया है। इसके साथ ही सरकार के साथ यूजर डेटा शेयर करने के नियम भी मानना जरूरी कर दिया गया। कंपनियों को डेटा-प्राइवेसी और अभिव्यक्ति की आजादी के मामले में ये शर्तें बहुत सख्त लग रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत या यूरोप जैसे बड़े देशों में कंपनियां लोकल प्रतिनिधि रख लेती हैं, क्योंकि वहां यूजर बहुत ज्यादा हैं। लेकिन नेपाल का यूजर बेस छोटा है, इसलिए कंपनियों को यह बेहद खर्चीला लगा। अगर कंपनियां नेपाली सरकार की यह शर्त मान लेती हैं, तो उन पर अन्य छोटे देशों में भी इन नियमों को पालन करने का दबाव पड़ता, जो काफी खर्चीला है। यही वजह रही कि पश्चिमी कंपनियों ने नेपाल सरकार की शर्त नहीं मानी और तय समय पर रजिस्ट्रेशन नहीं कराया। पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने सरकार से 18 से 30 साल के युवाओं की मांगों पर ध्यान देने की अपील की है। पूर्व पीएम ने एक प्रेस नोट जारी करते हुए कहा कि स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए सरकार को जिम्मेदारी से ठोस कदम उठाने चाहिए। संसद में मुख्य विपक्षी दल के नेता प्रचंड ने पुलिस गोलीबारी में मारे गए युवाओं को श्रद्धांजलि भी दी। नेपाल के पूर्व वित्त सचिव रामेश्वर खनाल ने कहा कि सरकार के मनमाने और गलत फैसले और सुशासन देने में नाकामी के चलते युवाओं का गुस्सा बढ़ गया है।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काशीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

राव नदीम एडवोकेट जिन्दाबाद
आवाम-ए-हिन्द पार्टी जिन्दाबाद
ऑल इण्डिया आवाम-ए-हिन्द पार्टी
मिशन-2027
नया विजन-हमारा मिशन
हिन्दू-मुस्लिम साथ चलेगा, एकता का राज चलेगा।

राव नदीम एड.
राष्ट्रीय अध्यक्ष
सायियों हक और इंसाफ के लिए अपनी आवाज बुलंद करने के लिए आवाम-ए-हिन्द पार्टी से जुड़कर राव नदीम एड. के हाथों को मजबूत करें।
Ph. 9027879829, 9411626066

निवेश, नवाचार और औद्योगिक विकास की ऊंचाइयों को छू रहा

देवभूमि
उत्तराखण्ड
सतत् विकास को गति

उत्तराखण्ड में दिसंबर 2023 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के बाद निवेश के रूप में हुए, एक लाख करोड़ रुपए की सफल ग्राउंडिंग का उत्सव मनाया गया। इस मौके पर गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य सरकार के प्रयासों की जमकर तारीफ करते हुए, केंद्र सरकार से भरपूर सहायता का आश्वासन दिया।

केन्द्रीय गृह मंत्री द्वारा कुल 1342.84 करोड़ रुपये की योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया जिसमें 1263.5 करोड़ की 16 योजनाओं का शिलान्यास और 79.34 करोड़ की 04 योजनाओं का लोकार्पण किया गया।

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के दौरान हुए एमओयू और ग्राउंडिंग

ऊर्जा - कुल 1,03,459 करोड़ के 157 एमओयू (रोजगार 8,472) में ग्राउंडिंग 40341 करोड़ रुपए

उद्योग - कुल 78,448 करोड़ के 658 एमओयू, (रोजगार 44,663) में ग्राउंडिंग 34086 करोड़ रुपए

आवास - कुल 41,947 करोड़ के 125 एमओयू, (रोजगार 5,172) में ग्राउंडिंग 10055 करोड़ रुपए

पर्यटन - कुल 47,646 करोड़ के 437 एमओयू, (रोजगार 4694) में ग्राउंडिंग 8635 करोड़ रुपए

उत्तराखण्ड निवेश उत्सव - 2025
₹1 लाख करोड़ के निवेश की ग्राउंडिंग

उच्च शिक्षा - कुल 6,675 करोड़ के 28 एमओयू, (रोजगार 4428) में ग्राउंडिंग 5116 करोड़ रुपए

अन्य- कुल 79,518 करोड़ के 374 एमओयू, (रोजगार 13898) में ग्राउंडिंग 3292 करोड़ रुपए।

"प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी की उपस्थिति में ₹1 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ। यह हमारी सरकार की विकास और रोजगार के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मैं सभी निवेशकों और केंद्र सरकार का आभार व्यक्त करता हूँ। यह निवेश उत्तराखण्ड को आत्मनिर्भर बनाने और युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करने में मील का पत्थर साबित होगा।"

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

"मैं उत्तराखण्ड सरकार को पिछले कुछ वर्षों में हासिल की गई उपलब्धियों के लिए बधाई देता हूं। यह पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर निरंतर नीतिगत प्रोत्साहन और इस पर ध्यान देने से ही संभव हुआ है। साथ ही, राज्य ने बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जो सतत् विकास के लिए नए मानक स्थापित करता है। अपने प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग और पर्यटन को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता ने न केवल यहां की अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है, बल्कि वैश्विक मंच पर राज्य ने अपनी क्षमता को प्रदर्शित किया है। मैं समावेशी विकास के लिए राज्य के समर्पण की सराहना करता हूँ और आने वाले वर्षों में इसकी निरंतर सफलता की आशा करता हूँ।"

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

आयुष नीति 2023 स्वास्थ्य और पर्यटन का समग्र विकास

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मिशन के अनुरुप आयुष नीति 2023 का लक्ष्य उत्तराखण्ड को समग्र स्वास्थ्य केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

उत्तराखण्ड अपने आध्यात्मिक महत्व और हिमालयी खूबसूरती के लिए प्रसिद्ध है। साथ ही, यह योग और प्राकृतिक उपचार के केंद्र के रूप में भी अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कर चुका है। आयुष नीति 2023 इस विरासत को आगे बढ़ाती है, ग्रामीण और शहरी दोनों स्थानों पर आयुष वेलनेस सेंटर, रिट्रीट और थेरेपी हब के निर्माण को बढ़ावा देकर राज्य को एक समग्र वेलनेस डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने की सुविधा प्रदान करती है।

नीति का एक मूलभूत उद्देश्य आयुष आधारित स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरुप एक मजबूत बुनियादी ढांचा तैयार करना है।

इसमें विशेष रूप से पर्यटन स्थलों पर एकीकृत आयुष अस्पताल और पंचकर्म केंद्र स्थापित करना शामिल है। साथ ही, यह नीति स्वास्थ्य पर्यटन सुविधाओं को विकसित करने और प्रबंधित करने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) की सुविधा भी प्रदान करती है, जिससे गुणवत्ता, मापनीयता और स्थिरता सुनिश्चित होती है।

राज्य सरकार स्थानीय युवाओं को आयुष चिकित्सक, योग प्रशिक्षक और स्वास्थ्य मार्गदर्शक के रूप में प्रशिक्षित करना चाहती है, जिससे नौकरी की संभावनाएं बढ़ेंगी और यहां आने वाले यात्रियों के अनुभव में भी सुधार होगा।

यह नीति आयुष प्रथाओं में अनुसंधान और मानकीकरण का समर्थन करती है, जिससे वैश्विक ग्राहकों में भरोसे को बढ़ाने का प्रयास किया जाता है। राज्य सरकार आयुष पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मार्केटिंग कंपेन, यात्रा एजेंसियों, वेलनेस रिसॉर्ट्स व अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य संगठनों के साथ सहभागिताओं को प्रोत्साहित करने के संकल्प के साथ बढ़ रही है। आयुष सेवाओं को स्वास्थ्य बीमा योजनाओं एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स से जोड़ने का प्रस्ताव भी दिया गया है, जिससे इन सेवाओं की सुलभता बढ़े और वेलनेस पैकेजों की बुकिंग प्रक्रिया सरल हो सके।

आयुष नीति 2023 उत्तराखण्ड को समग्र उपचार और सतत् पर्यटन का वैश्विक केंद्र बनाने की परिकल्पना पर आधारित है। यह नीति राज्य को न केवल प्राकृतिक स्वास्थ्य साधनाओं के लिए एक शांतिपूर्ण आश्रय स्थल के रूप में स्थापित करती है, बल्कि पारंपरिक ज्ञान प्रणाली को आधुनिक पर्यटन के साथ जोड़ने की दिशा में एक मानक भी स्थापित करती है। इसके माध्यम से राज्य आर्थिक समृद्धि एवं सतत् विकास की ओर एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ा रहा है।

#ExploreUttarakhand
@DIPR_UK

अधिक जानकारी के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें
#udyoguttarakhand

उद्योग एवं निवेश: पारिस्थितिकी विकास को मिल रही गति

उत्तराखण्ड सरकार ने निवेशकों और उद्यमियों के लिए राज्य को पंसदीदा गंतव्य बनाने के लिए सक्रिय पहल की है। इसके अंतर्गत अनुकूल कारोबारी माहौल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई नीतियों और पहलों को लागू किया है।

उत्तराखण्ड सरकार ने निवेश आकर्षित करने और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कई नीतियों को लागू किया है, जिससे राज्य कारोबार और नवाचार का केंद्र बन गया है।

वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन: वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन में 3.56 लाख करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर किए, जिसमें 1 लाख करोड़ रुपये के निवेश की ग्राउंडिंग हो चुकी है।

स्मार्ट इंडस्ट्रियल टाउनशिप: केंद्र सरकार ने उधम सिंह नगर के खुरपिया फार्म में एक स्मार्ट इंडस्ट्रियल टाउनशिप के निर्माण को मंज़ूरी दी।

एमएसएमई नीति: सरकार ने नए औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने के साथ उद्यमिता और वित्तीय विकास को बढ़ावा देने के लिए एमएसएमई नीति पेश की।

हाउस ऑफ हिमालयाज: राज्य ने जैविक उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए हाऊस ऑफ हिमालयाज ब्रांड की स्थापना की, जिसमें 27 उत्पादों को जीआई टैग प्राप्त हुए।

देहरादून में आयोजित वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन 2023 में उत्तराखण्ड सरकार के ब्रांड 'हाउस ऑफ हिमालयाज' का शुभारंभ करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

इंवेस्टर्स समिट

उत्तराखण्ड मेगा इंडस्ट्रियल और इन्वेस्टमेंट नीति 2025
बड़े निवेश और औद्योगिक विकास को नई दिशा

इस नीति का उद्देश्य हिमालयी राज्य को निवेशकों की पहली पसंद बनाने के लिए तैयार करना है

उत्तराखण्ड मेगा इंडस्ट्रियल और निवेश नीति 2025 का उद्देश्य राज्य को बड़े पैमाने पर निवेश के लिए पंसदीदा गंतव्य बनाना है। यह नीति सूचना की तारीख से पांच वर्ष तक प्रभावी रहेगी। यह नीति सिंगल-विंडो सिस्टम के माध्यम से आवेदन करने वाली इकाइयों को वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है।

इसमें उद्यमों को चार निवेश श्रेणियों में विभाजित किया गया है, जिसमें बड़े (50-200 करोड़ रुपये), अल्ट्रा लार्ज (200-500 करोड़ रुपये), मेगा (500-1000 करोड़ रुपये) और अल्ट्रा मेगा (1000 करोड़ रुपये से अधिक) को शामिल किया गया है। इसमें से हर एक के लिए रोजगार और निवेश सीमाएं पहले से ही तय करी गई हैं। इस नीति में 10% से 20% तक की पूंजीगत सब्सिडी शामिल है, जो संचालन के 8वें से 15वें वर्ष तक किश्तों में वितरित की जाती है। पहाड़ी जिलों (श्रेणी ए और बी) में निवेश के लिए 1-2% की अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान की जाती है। यह स्टांप शुल्क प्रतिपूर्ति में 50 लाख रुपये तक की पेशकश भी करता है।

उत्तराखण्ड स्टार्टअप नीति 2023

नवाचार और समावेशी विकास की ओर सकारात्मक पहल

उत्तराखण्ड स्टार्टअप नीति 2023 एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य राज्यभर में रोजगार सृजन और स्टार्टअप्स को सशक्त बनाकर एक मजबूत उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है।

उत्तराखण्ड स्टार्टअप नीति 2023 राज्य सरकार की एक दूरदर्शी पहल है, जिसका उद्देश्य हर साल 1,000 नए स्टार्टअप की शुरुआत कर सशक्त उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है। यह नीति नवाचार को प्रोत्साहित करने, रोज़गार के अवसर बढ़ाने और स्थानीय प्रतिभा को आगे लाने का सशक्त माध्यम है।

इस नीति के माध्यम से वित्तीय सहायता और प्रोत्साहन प्रदान की जा रही है। नीति के तहत स्टार्टअप्स को विभिन्न चरणों में यह सहायता दी जाती है। इसमें प्रति माह 15,000 रुपये का भत्ता, विशेष श्रेणियों (SC/ST/दिव्यांग) के लिए 20,000 रुपये प्रतिमाह प्रदान की जाती है। वहीं 10 लाख रुपये तक का सीड फंड भी उपलब्ध कराया जाता है, जिससे शुरुआती दौर में स्टार्टअप के संचालन को स्थिरता मिलती है।

इसके साथ ही इस पॉलिसी के माध्यम से इंटलक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स के लिए भी सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इसके अंतर्गत राष्ट्रीय पेटेंट में आवेदन करने के लिए 1 लाख रुपये तक की सहायता, अंतरराष्ट्रीय पेटेंट कराने के लिए 5 लाख रुपये तक की सहायता, वहीं ट्रेडमार्क और इंडस्ट्रियल डिज़ाइन के लिए 10,000 रुपये तक की सहायता प्रदान की जाती है।

यह नीति उन्हीं स्टार्टअप्स को कवर करती है, जो 10 वर्ष की अवधि के अंदर स्थापित हुए हों और उत्पाद, सेवा या प्रक्रिया में नवाचार या सुधार ला रहे हों। इसके अलावा रोज़गार और संपत्ति सृजन की मजबूत क्षमता रखते हों। इस नीति के अंतर्गत राज्य सरकार हर ज़िले में इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित कर रही है, जिसमें कई तरह की सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। इसमें मेंटरशिप और नेटवर्किंग के अवसर, बुनियादी ढांचा और तकनीकी सहायता व शिक्षण और जागरुकता कार्यक्रम शामिल हैं। यह नीति उत्तराखण्ड को स्टार्टअप इंडिया अभियान में प्रमुख रूप से स्थापित करने की दिशा में एक प्रभावशाली कदम है।

उत्तराखण्ड पर्यटन नीति 2023: सतत् विकास और निवेश को प्रोत्साहित करता सशक्त रोडमैप

उत्तराखण्ड पर्यटन नीति 2023 एक परिवर्तनकारी खाका प्रस्तुत करती है, जिसका उद्देश्य राज्य को एक प्रमुख सतत् और निवेश-अनुकूल पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। यह नीति नवाचार, बुनियादी ढांचे के विकास और समावेशी वृद्धि को बढ़ावा देने पर आधारित है।

उत्तराखण्ड पर्यटन नीति 2023 राज्य को वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त पर्यटन केन्द्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक व्यापक और परिवर्तनकारी दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। यह नीति 31 मार्च 2030 तक प्रभावी रहेगी और पर्यटन आधारित विकास को गति देने के साथ आर्थिक समावेशन, पर्यावरणीय स्थिरता और निवेशक अनुकूलता सुनिश्चित करने के लिए तैयार की गई है।

इस नीति के अंतर्गत सभी अनुमोदन और प्रोत्साहन दावों को सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम के माध्यम से आगे बढ़ाया जाएगा। इसमें केवल उन्हीं परियोजनाओं को लाभ मिलेगा, जिनकी वाणिज्यिक परिचालन तिथि (सीओसी) नीति की अवधि के अंतर्गत होगी।

संस्थागत ढांचा और नीति की प्राथमिकताएं

यह नीति पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) को सक्षम बनाने और हॉस्पिटैलिटी, वेलनेस, एडवेंचर, हेरिटेज और ग्रामीण पर्यटन जैसे विविध क्षेत्रों में निवेश लाने पर केन्द्रित है।

नीति के क्रियान्वयन के लिए उत्तराखण्ड पर्यटन विकास बोर्ड (यूटीडीबी) को नोडल एजेंसी बनाया गया है। इसमें 50 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं के लिए राज्य स्तरीय सशक्त समिति (एसएलईसी) का गठन किया गया है। साथ ही, 50 करोड़ रुपये तक की एमएसएमई परियोजनाओं के लिए जनपद स्तरीय सशक्त समितियां (डीएलईसी) बनाई गई हैं। वहीं, परियोजनाओं की भौतिक जांच और सत्यापन के लिए जनपद स्तरीय पर्यटन समितियां (डीएलसीटी) गठित की गई है।

- सिंगल विंडो पोर्टल
- ईज़ ऑफ डूईंग बिजनेस
- हॉस्पिटैलिटी और वेलनेस
- योग एवं वेलनेस सेंटर
- साहसिक पर्यटन
- रोपवे और ईको-लॉज
- एडवेंचर और हेरिटेज
- ग्रामीण पर्यटन

योग्य परियोजनाएं और निवेश प्रोत्साहन

इस नीति के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की पर्यटन इकाइयों को योग्य माना गया है। इसमें होटल, रिसॉर्ट, विरासत भवन, रोपवे, ईको-लॉज, योग एवं वेलनेस सेंटर, मनोरंजन पार्क, साहसिक पर्यटन सुविधाएं आदि शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक श्रेणी के लिए न्यूनतम निवेश और बुनियादी ढांचे की शर्तें तय की गई हैं, जिससे गुणवत्ता और निवेश को बढ़ावा मिले। साथ ही, सभी इकाइयों को राष्ट्रीय सुरक्षा मानकों का पालन करना अनिवार्य होगा।

पूंजीगत और गैर-पूंजीगत प्रोत्साहन

इस नीति के तहत निवेशकों को दो श्रेणियों में प्रोत्साहन दिए जाएंगे।

इसके अंतर्गत प्रोत्साहनों को पूंजी निवेश सब्सिडी और अतिरिक्त प्रतिपूर्ति में विभाजित किया गया है, जैसे कि -

- **एसजीएसटी की वापसी (नेट आउटपुट लायबिलिटी पर)**
- **भूमि पट्टे और मॉर्गेज दस्तावेजों पर स्टांप शुल्क से छूट**
- **नई इकाइयों के लिए विद्युत शुल्क में छूट**
- **ब्याज अनुदान और विपणन सब्सिडी, व्यय के आधार पर प्रशिक्षण और कौशल विकास प्रोत्साहन**
- **देशी पर्यटकों, MICE कार्यक्रमों और ऑनलाइन बुकिंग के आधार पर प्रदर्शन-आधारित प्रोत्साहन**

पिछड़े और दूरस्थ क्षेत्रों में स्थापित इकाइयों को पूंजीगत परिसंपत्तियों की लागत पर 50% तक की सब्सिडी दी जाएगी, जिससे क्षेत्रीय असंतुलन को दूर किया जा सके।

खाद्य सुरक्षा विभाग का निरीक्षण, प्रतिष्ठानों को नोटिस

जिलाधिकारी के निर्देश पर हुई कार्रवाई स्वच्छता व मानकों के पालन पर जोर खाद्य कारोबारियों को आरयूसीओ कार्यक्रम की दी जानकारी, इस्तेमाल किए तेल से बनेगा बायोडीजल

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। सोमवार को जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग की टीम ने नगर में सघन निरीक्षण अभियान चलाया। इस दौरान टीम ने विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों पर खाद्य लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन की जांच की।

अधिकारियों ने सभी कारोबारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने प्रतिष्ठानों पर लाइसेंस की प्रति मुख्य और आसानी से दिखाई देने वाले स्थान पर अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करें।

निरीक्षण के दौरान मानकों की अनदेखी करने वाले तीन खाद्य कारोबारियों को नोटिस जारी किए गए। विभाग की ओर से चेतावनी दी गई कि निर्धारित समय सीमा में संतोषजनक जवाब न मिलने पर उनके विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी। टीम ने प्रतिष्ठानों को स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा मानकों के सख्ती से पालन करने के भी निर्देश दिए।

इसी क्रम में टीम ने एफएसएसएआई के नवाचार कार्यक्रम आरयूसीओ (रीपर्पस यूस्ड् कुकिंग ऑयल) के बारे में जानकारी दी। बताया गया कि उपयोग के बाद बचा हुआ खाद्य तेल सरकार की अनुबंधित एजेंसियां खरीदती हैं और उसका प्रयोग बायोडीजल बनाने में किया जाता है। यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक है, बल्कि कारोबारियों के लिए भी लाभकारी है, क्योंकि इससे प्रयुक्त तेल बेकार जाने के बजाय उपयोगी रूप में बदल जाता है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मैदा और लाल मिर्च पाउडर के दो नमूनों को संदेह के आधार पर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा। अभियान के दौरान वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी शारदा शर्मा और सहायक श्रीचंद कुमाई मौजूद रहे।

देवप्रयाग को जिला बनाने को लेकर हस्ताक्षर अभियान शुरू

मलेथा में ग्रामीणों ने रेलवे प्राधिकरण का किया विरोध मलेथा को फ्रीज जोन से ना हटाया गया तो एसडीएम कार्यालय घेराव की चेतावनी

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। देवप्रयाग जन अधिकार मोर्चा ने देवप्रयाग को जिला बनाने को लेकर मलेथा गांव से हस्ताक्षर अभियान की शुरुवात की है। मलेथा में आयोजित देवप्रयाग जन अधिकार मोर्चा की बैठक में पहुंचे मोर्चा के संस्थापक गणेश भट्ट ने ग्रामीणों से देवप्रयाग को जिला बनाने को लेकर समर्थन मांगा। साथ ही रेलवे प्राधिकरण द्वारा परियोजना की सीमा से 400 मीटर के क्षेत्र को फ्रीज करने एवं समस्त निर्माण कार्य पर रोक लगाने के आदेश का विरोध किया। बैठक में गणेश भट्ट ने कहा कि देवप्रयाग देवभूमि का पहला प्रयाग है, जहाँ भागीरथी और अलकनंदा मिलकर गंगा नदी का नामकरण होता है। कहा कि टिहरी जिला मुख्यालय दूर होने के कारण देवप्रयाग विधानसभा के आम लोगों को पेंशन योजनाओं के लिए, ड्राइविंग लाइसेंस और परिवहन से सम्बन्धी कार्य, विकलांग प्रमाणपत्र, भुलेख और बंदोबस्त के कार्यों सहित जिला स्तरीय अधिकारीयों से संपर्क करने में बेहद कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। वहीं बैठक में वक्ताओं ने देवप्रयाग जन अधिकार मोर्चा की इस पहल का स्वागत किया। साथ ही मलेथा बैठक में उपस्थित ग्रामीणों ने रेलवे प्राधिकरण द्वारा 400 मीटर के दायरे को फ्रीज कर भवन, दूकान आदि निर्माण कार्यों पर रोक लगाने और पर कड़ा आक्रोश व्यक्त किया। वक्ताओं ने कहा मलेथा रेलवे सुरंग में लगातार विस्फोट होने के बाद मलेथा वासियों के मकानों में आई दरारों एवं भवनों की क्षति मुआवजा राशि को वर्तमान स्थिति के आधार पर बढाने की मांग की। बैठक में तय किया गया कि भेजे गए नोटिस यदि वापस ना हुए और मलेथा को फ्रीज जोन से ना हटाया गया तो ग्रामीण रेलवे प्राधिकरण की मनमानी के विरुद्ध बुधवार को उपजिलाधिकारी कार्यालय का घेराव करेंगे। बैठक में ग्राम प्रधान रश्मि रावत, सतेंद्र भट्ट, देव सिंह नेगी, विजय रावत, रविन्द्र बिष्ट, अचल नेगी, बीना नेगी, संजय कुमार, जयवीर राणा, बलवीर राणा, कल्पना बलूनी, यशोदा देवी, आदित्य नेगी सहित आदि मौजूद थे।

दुर्घटनाग्रस्त वाहन की मजिस्ट्रियल जांच शुरू

रुद्रप्रयाग। राष्ट्रीय राजमार्ग रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड के सोनप्रयाग एवं मुनकटिया के मध्य बीते एक सितंबर को दुर्घटनाग्रस्त हुए वाहन की मजिस्ट्रियल जांच उप जिला मजिस्ट्रेट ऊखीमठ द्वारा की जा रही है। उक्त दुर्घटनाग्रस्त वाहन से संबंधित जानकारी रखने वाले किसी भी कार्य दिवस में उप जिला मजिस्ट्रेट ऊखीमठ के कार्यालय में जानकारी उपलब्ध करा सकते हैं।

उप जिला मजिस्ट्रेट ऊखीमठ अनिल कुमार शुक्ला ने बताया कि उक्त दुर्घटना की मजिस्ट्रियल जांच उनके स्तर से की जा रही है।

जनता दर्शन कार्यक्रम सम्पन्न, आपदा प्रभावित समस्याओं पर सुनवाई

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। मुख्य विकास अधिकारी वरुणा अग्रवाल की अध्यक्षता में सोमवार, 08 सितंबर को जिला सभागार नई टिहरी में जनता दर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारी संख्या में लोग पहुंचे और अपनी समस्याएं रखीं। अधिकांश शिकायतें हालिया आपदा से जुड़ी थीं, जिनमें मार्ग क्षति, पेयजल लाइनों को नुकसान, घरों और खेतों में मलबा घुसने जैसी समस्याएं शामिल रहीं।

सीडीओ ने जनसुनवाई के दौरान कई शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया। साथ ही सीएम हेल्पलाइन और पूर्व में प्राप्त लंबित शिकायतों की भी समीक्षा कर अधिकारियों को निर्देश दिया कि

सभी मामलों में शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जाए ताकि जनता को राहत मिल सके।

ग्राम सभा बटखेम (विकासखंड चंबा) के निवासी सत्येश्वर प्रसाद ने शिकायत की कि भारी बारिश से उनके घर का आंगन क्षतिग्रस्त हो गया है और मकान पर दरारें आ गई हैं। इस पर सीडीओ ने एसडीएम को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसी तरह, नई टिहरी मोलधार निवासी देवदास ने अपने घर के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन को हटाने की मांग रखी, जिस पर अधिशासी अभियंता विद्युत विभाग को तत्काल निरीक्षण कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

ग्राम सभा लामकोट (विकासखंड चंबा) के कुशला दास ने बताया कि भारी बारिश के दौरान मोटर मार्ग से उनके मकान पर मलबा गिरने से घर खतरे की जद में है। लोनिवि चंबा की ओर से बताया गया कि स्टीमेट तैयार कर लिया गया है। सीडीओ ने निर्देश दिए कि दो दिन के भीतर यह प्रस्ताव आपदा प्रबंधन को भेजा जाए।

इसी तरह, कोट मनियार (विकासखंड चंबा) के ग्रामीणों ने शिकायत की कि चंबा-आराकोट मार्ग के बीच कुछ असामाजिक तत्व जल स्रोत के ऊपर कूड़ा डाल रहे हैं, जिससे पेयजल दूषित हो रहा है। इस पर ईओ नगर पालिका चंबा को चालानी कार्रवाई करने और खंड विकास अधिकारी को आराकोट क्षेत्र में कूड़ा उठवाने के निर्देश दिए गए।

सबल सिंह, मंजकोट सकलाना जौनपुर निवासी ने शिकायत की कि किसी व्यक्ति ने सरकारी भूमि पर कब्जा कर उनके खेत के रास्ते बंद कर दिए हैं। इस पर एसडीएम धनोल्टी को आवश्यक कार्रवाई करने के आदेश दिए गए।

जनता दर्शन कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी अवधेश कुमार, एसडीएम टिहरी संदीप, अधिशासी अभियंता जन निगम, सिंचाई, पुनर्वास एवं अन्य विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी भौतिक और वर्चुअल माध्यम से मौजूद रहे।

एक नजर ....

असामाजिक तत्वों से निजात दिलाने को दिया शिकायत पत्र

कोटद्वार। न्याय पंचायत उर्तिच्छा के समस्त जनप्रतिनिधिगण द्वारा तहसील कोटद्वार में पहुंचकर तहसीलदार को क्षेत्र में बढ़ते असामाजिक तत्वों से निजात दिलाने को लेकर शिकायत पत्र प्रेषित किया। शिकायत पत्र में कहा गया कि कोटद्वार से रामणी, पुलिण्डा, भरत नगर मोटर मार्ग पर आये दिन असामाजिक तत्व आते-जाते रहते हैं तथा ये असामाजिक तत्व आम जनता व बहु-बेटियों के साथ अभद्र व्यवहार करते हैं, महिलाओं को अश्लील शब्दों से सम्बोधित करते हैं तथा अराजकता फैलाते हैं और आम सार्वजनिक स्थानों पर शराब आदि नशे का सेवन करते हैं और नशे की हालत में क्षेत्रवासियों को आतंकित करते हैं तथा कारण पूछने पर मारने-पीटने पर आमादा होते हैं। आम जनता इन असामा. जिक तत्वों से आतंकित है और आम जनता का आना-जाना, चलना-फिरना दूभर हो गया है। इस सम्बन्ध में पहले भी कई बार क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि शासन-प्रशासन को सूचित कर चुके हैं लेकिन इस सम्बन्ध में आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। उन्होंने मांग की है कि असामा. जिक तत्वों के खिलाफ ठोस कार्यवाही की जाए । इस मौके पर ज्येष्ठ प्रमुख सुनील सिंह नेगी, प्रधान रेखा देवी, कल्पना देवी, सरदार सिंह, हर्ष वर्धन सिंह, रीना देवी, मंजू देवी, दीपक सिंह, बबली देवी, सावित्री देवी आदि लोग मौजूद रहे ।

साक्षरता दिवस हमें शिक्षा और ज्ञान की महता का संदेश देता: अलका

श्रीनगर। उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पौड़ी गढ़वाल के निर्देश पर अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर गुरुकुल स्कूल भक्तियाना में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करती हुई सिविल जज जूनियर डिवीजन अलका ने शैक्षणिक संस्थानों में एक बच्चा एक किताब अभियान के तहत बच्चों द्वारा पुस्तक वितरित कराई गई। साथ ही न्याय एवं शिक्षा को मौलिक अधिकारों के रूप में महत्व दिए जाने तथा शिक्षा एवं जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए जानकारी दी गई। इस अवसर पर सिविल जज अलका ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस हमें शिक्षा और ज्ञान की महता का संदेश देता है। कहा कि इस वर्ष की थीम एक बच्चा एक पुस्तक विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। इसका संदेश यह है कि हर बच्चे के पास कम से कम एक पुस्तक अवश्य होनी चाहिए। पुस्तक केवल ज्ञान का साधन नहीं बल्कि अच्छे संस्कार सोचने की शक्ति और सपनों को साकार करने का मार्ग भी दिखती है। इस अवसर पर प्रधानाचार्य शालिनी चंदोला पीएलवी सदस्य पूनम हटवाल, रोशनी देवी, प्रियंका रॉय, मानव बिष्ट सहित आदि मौजूद थे।

एबीवीपी के नगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी डॉ. सुरेंद्र मीणा को

विद्यार्थी परिषद की नई कार्यकारिणी का गठन

श्रीनगर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद श्रीनगर की सत्र 2025-26 की नगर एवं विश्वविद्यालय इकाई का गठन किया गया। विद्यार्थी परिषद पौड़ी के जिला प्रमुख एवं निर्वाचन अधिकारी डॉ. राकेश नेगी ने नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की। डॉ. सुरेंद्र मीणा को नगर अध्यक्ष व आयुष को नगर मंत्री बनाया गया। वहीं गढ़वाल विश्वविद्यालय इकाई के लिए विशाल सैनी को इकाई अध्यक्ष व अजय कुमार देवा को इकाई मंत्री नियुक्त किय गया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित नगर अध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र मीणा व नगर मंत्री आयुष ने कहा कि विद्यार्थी परिषद श्रीनगर इकाई के कार्यकर्ता छात्र हितों व समाज के हितों के लिए सदैव कार्य करते रहेंगे। विश्वविद्यालय इकाई अध्यक्ष विशाल सैनी व मंत्री अजय कुमार ने कहा कि विद्यार्थी परिषद गढ़वाल विश्वविद्यालय में प्रवेश, परीक्षा और परिणाम की बेहतरी के सदैव प्रयासरत है। इस अवसर पर विभाग संगठन मंत्री पौड़ी अभिषेक बर्त्वाल, केंद्रीय विश्वविद्यालय कार्य संयोजक अमन पंत, जिला संयोजक सारांश बर्तवाल, गढ़वाल विवि के छात्र संघ अध्यक्ष जसवंत राणा, विश्वविद्यालय प्रतिनिधि आशीष पंत, प्रांत शोध संयोजक पंकज टम्टा, प्रांत एसएफडी सह संयोजक श्रेय ममगाई, महिपाल बिष्ट, हिमांशु भंडारी, भुवन चमोली, राहुल गौड़, रोहित को. हली सहित आदि मौजूद थे।

श्रीनगर-बुघाणी-खिर्सू मार्ग भूधसाव से धंसा

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। श्रीनगर-बुघाणी-खिर्सू मोटरमार्ग पर खोला से दो किलोमीटर आगे जाते हुए भूधसाव होना शुरू हो गया है। बीते दिनों से लगातार हो रही बरसात के कारण मोटरमार्ग पर भूकटाव होना शुरू हो गया है। जिससे मोटरमार्ग का 50 मीटर पैच पूरी तरह से धंस चुका है। यदि समय रहते हुए मोटरमार्ग का ट्रीटमेंट शुरू नहीं करवाया गया तो आने वाला समय भयानक हो सकता है। बताते चले कि बीते दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण श्रीनगर-बुघाणी-खिर्सू मोटरमार्ग जगह-जगह भूस्खलन देखने को मिला रहा है। यहां भूस्खलन के कारण धीरे-धीरे पहाड़ी नीचे आ

रही है, जो कि श्रीनगर में कभी भी कहर बनकर बरस सकती है। श्रीनगर से बुघाणी जाते हुए कम से कम आधा दर्जन से अधिक भूस्खलन जोन बने है। साथ ही बसात से फूटे नोले भी भूकटाव की बड़ी वजह बन रहें है। सड़क किनारे व्यवस्थित तरह से नाली निर्माण न होने के कारण बरसात और झरनों का पानी सड़क पर बह रहा है। जिससे भूकटाव के अधिकाश चांस

"श्रीनगर-बुघाणी-खिर्सू मोटरमार्ग पर हुए भूधसाव का लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने निरीक्षण किया है। 50 मीटर पैच में भूधसाव होकर सड़क नीचे धंस चुकी है। मोटरमार्ग को लेकर इंस्टीमेंट तैयार किया जा रहा है। मोटरमार्ग पर भूकटाव की स्थिति न बने इसको लेकर विभाग समय-समय पर सड़क किनारे नालियां बनाई जा रही है।" किषोर कुमार, अधिषासी अभियंता, लोनिवि श्रीनगर गढ़वाल।

बन रहें है। यदि समय रहते हुए सम्बंधित विभाग ने इसका उपाय नहीं ढुंढा तो यह कभी भी भयानक मंजर दे सकता है। गढ़वाल विवि के वरिष्ठ भूगर्भ वैज्ञानिक प्रो. महेंद्र प्रताप सिंह बिष्ट ने बताया कि पहाड़ों में लगातार बरसाती नालों, पहाड़ी ढलानों में बसावट और अनियोजित विकास होने एवं निक. ासी का प्रबंध सही ढंग से न होने के कारण लगातार भूस्खलन और भूधसाव की स्थिति देखने को मिल रही है। कहा कि आपदा आती नहीं है, लाई जाती है, अगर समय रहते हुए नालों पर से अतिक्रमण को नहीं हटाया गया और निकासियों का प्रबंध सही ढंग से नहीं किया गया तो आने वाला समय श्रीनगर में बड़ी आपदा लेकर आ सकती है। उन्होने आमजनमानस से भी सचेत रहते हुए निर्माण कार्य करने की सलाह दी। साथ ही शासन-प्रशासन से भी इस ओर से ध्यान देने की अपील की।

यौन अपराधों से सुरक्षा को लेकर कानूनों की जानकारी होना जरूरी: रंजना

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत चल रहे दस दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान के तहत राजकीय बालि. का इंटर कॉलेज अगस्त्यमुनि और अजीम प्रेमजी फाउंडेशन में विशेष विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों, शैक्षिक अवसरों तथा सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना था।

कार्यक्रम के दौरान वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रशासक रंजना गैरोला ने बालिकाओं को प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेन्सेस एक्ट के बारे में विस्तार से जानकारी दी और बताया कि बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों से सुरक्षा के लिए यह कानून कितना जरूरी है। वहीं, मिशन शक्ति के सहायक लेखाकार प्रियांशु सिंह ने बालिक. ाओं को नंदा गौरा योजना और इग्नू के माध्यम से मिलने वाली नि:शुल्क शिक्षा की जानकारी दी, जिससे छात्राएं आगे की पढ़ाई में आत्मनिर्भर बन सकें। बाल कल्याण इकाई की केस वर्कर पूजा ने बच्चों को वात्सल्य योजना के लाभों और पात्रता के बारे में बताया, जो अनाथ एवं बेसहारा बच्चों के लिए एक सहारा बन सकती है। साथ ही सुरेन्द्र सिंह ने बाल विवाह की रोकथाम और विभागीय प्रक्रियाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी।

जिला पंचायत की भूमि पर बिना अनुमति भवन निर्माण निविदा का मामला उजागर

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। टिहरी जनपद के तपोवन क्षेत्र में जिला पंचायत की भूमि पर बिना अनुमति भवन निर्माण की निविदा जारी होने का मामला सामने आया है। इस प्रकरण के सामने आने के बाद जिला पंचायत प्रशासन हरकत में आ गया है और नगर पंचायत तपोवन को सख्त चेतावनी देते हुए निविदा को तत्काल निरस्त करने के निर्देश दिए हैं। अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, भगवती पाटनी ने नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी को पत्र भेजकर स्पष्ट किया है कि यदि निविदा निरस्त नहीं की गई तो जिला पंचायत कानूनी कार्यवाही अमल में लाएगा।

मामला वर्ष 1976 से जुड़ा है, जब तपोवन (तत्कालीन ग्राम पंचायत) के पुलिस चौकी क्षेत्र के पास की 11 नाली 15 मुट्ठी भूमि राजस्व अभिलेखों में खाता संख्या 88 पर जिला पंचायत टिहरी के नाम दर्ज की गई थी। समय के साथ यह क्षेत्र नगर पंचायत में बदल गया। हाल ही में नगर पंचायत की ओर से इस भूमि पर भवन निर्माण के लिए निविदा आमंत्रित की गई थी।

अपर मुख्य अधिकारी का कहना है कि नगर पंचायत ने न तो जिला पंचायत से कोई अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लिया

आपदा प्रभावितों के लिए स्कूल ने भेजी राहत सामग्री

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। उत्तरकाशी के धराली आपदा प्रभावितों के लिए सोमवार को नई टिहरी स्थित ऑल सेंट्स कान्वेंट स्कूल से राहत सामग्री रवाना की गई। इस सामग्री को विद्यालय के प्रबंधक फादर टी. जोश ने हरी झंडी दिखाकर भेजा। उन्होंने कहा कि यह योगदान भले ही छोटा हो, लेकिन प्रभावित परिवारों के लिए राहत का कार्य करेगा। उन्होंने सभी से अपील की कि आपदा की घड़ी में हर व्यक्ति को मदद के लिए आगे आना चाहिए।

विद्यालय की प्रधानाचार्य सिस्टर

दीपांतो ने बताया कि स्कूल में छात्रों में समाज सेवा की भावना विकसित करने के लिए एक विशेष क्लब बनाया गया है, जिसमें सीनियर कक्षाओं के छात्र शामिल हैं। यह छात्र समय-समय पर जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आते हैं और सहयोग की भावना से कार्य करते हैं।

कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों, बच्चों और प्रबंधन समिति के सदस्यों ने भी आपदा प्रभावितों के प्रति सहानुभूति जताते हुए राहत सामग्री एकत्र करने में सक्रिय योगदान दिया।

भारत सरकार की अंतरमंत्रालयीय टीम ने हवाई सर्वे कर किया विस्तृत सर्वेक्षण

शाह टाइम्स संवाददात

चमोली। आपदा से हुई क्षति का आकलन करने के उद्देश्य से भारत सरकार की अंतरमंत्रालयीय टीम सोमवार थराली क्षेत्र के दौरे पर पहुँची। अंतर मंत्रालय केंद्रीय टीम का नेतृत्व निदेशक डॉ. वीरेन्द्र सिंह ने किया साथ ही टीम में विभिन्न मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे, जिसमें सदस्य अनु सचिव शेर बहादुर,अधीक्षण अभियंता सुधीर कुमार शामिल रहें,जिन्होंने हवाई सर्वे के साथ स्थलीय निरीक्षण कर आपदा से प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति का बारीकी से अध्ययन किया।टीम ने सबसे पहले थराली के चेपड़ो,कोटडीप, राड़ीबगड़, देवाल के मोपाटा और नंदानगर प्रभावित क्षेत्र का हवाई

सर्वेक्षण किया और साथ ही सड़क मार्ग से भी क्षतिग्रस्त इलाकों का निरीक्षण किया।

इस दौरान जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने कुलसारी रिलीफ सेंटर में आयोजित बैठक में पीपीटी के माध्यम से आपदा से हुयी विभागवार परिसंपत्तियों की क्षति की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने चेपड़ो बाजार एवं अन्य आपदा ग्रस्त क्षेत्र में स्थानीय लोगों के आवासों के पीछे हो रहें भूस्खलन के बारे में टीम को विस्तार से जानकारी दी।उन्होंने कहा कि लगातार वर्षा एवं भूस्खलन से सड़कों, पुलों, भवनों, पेयजल योजनाओं, विद्युत तंत्र तथा कृषि को भारी क्षति पहुँची है। जिलाधिकारी ने बताया कि आपदा से लगभग 11 सौ 50 करोड़ की विभागीय परिसंपत्तियों की क्षति का आकलन किया गया है।साथ ही जिलाधिकारी ने विकासखंड ज्योतिर्मठ के पल्ला गाँव में हो रहे भू-धसाव तथा नंदानगर क्षेत्र में लगातार सक्रिय हो रहे भू-धसाव से भी टीम को अवगत कराया।

क्षेत्र भ्रमण के दौरान टीम ने स्थानीय निवासियों बात भी की उन्होंने पाया कि वर्षा एवं भूस्खलन से ग्रामीणों की आवागमन सुविधा गंभीर रूप से प्रभावित हुई है तथा कई गाँवों का संपर्क मुख्य मार्ग से पूरी तरह कट गया है। अनेक स्थानों पर मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं और कुछ परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर विस्थापित करना पड़ा है।टीम ने आपदा प्रबंधन एवं राहत कार्यों में स्थानीय प्रशासन, पुलिस, एनडीआरएफ तथा अन्य एजेंसियों द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई की सराहना की। साथ ही, उन्होंने विभागीय अधिकारियों से पुनर्वास कार्यों, प्रभावित परिवारों को दी जा रही सहायता, राशन व चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता, अस्थायी आश्रयों की व्यवस्था तथा सड़क मार्गों को शीघ्र खोलने के प्रयासों की जानकारी ली।

इस दौरान थराली विधायक श्री भूपाल राम टम्टा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री दौलत सिंह बिष्ट, नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुनीता रावत,पुलिस अधीक्षक सर्वेश पवार, अपर जिला अधिकारी विवेक प्रकाश,एसडीएम सोहन सिंह रांगण,एसडीएम पंकज भट्ट सहित सभी विभागीय अधिक और स्थानीय निवासी उपस्थित रहें।

गढ़वाल विवि में शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने किया कार्यबहिष्कार

छात्र नेता पर कार्यवाही न होने पर रोष, तीन दिन का दिया अल्टीमेटम

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। गढ़वाल विवि में एलडीसी कर्मचारी पर छात्र नेता द्वारा कि गई हाथापाई मामले पर विवि प्रशासन के ओर से कोई कार्यवाही न किए जाने पर सोमवार को शिक्षणेत्तर कर्मचारी कार्यबहिष्कार पर रहें। कर्मचारियों के कार्यबहिष्कार पर जाने से प्रशासनिक भवन कार्यालय में पहुंचे छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ा। गढ़वाल विवि में डिग्री, माइग्रेशन, चरित्र प्रमाण पत्र, परीक्षा परिणाम, आरटीआई समेत अन्य कार्य प्रभावित रहें। गौरतबल हो कि कुछ दिन पूर्व गढ़वाल विश्वविद्यालय के एलडीसी कर्मचारी व पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष के बीच दस्तावेज न दिए जाने को लेकर विवाद हो गया था। आरोप है कि इस दौरान पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष द्वारा कर्मचारी के साथ मारपीट की गई। दोषी छात्र पर कार्यवाही की मांग को लेकर कर्मचारी लामबध हैं। कर्मचारियों ने पूर्व में छात्र के खिलाफ ठोस कार्यवाही की मांग को लेकर कुलसचिव से वार्ता भी की थी, साथ ही सोमवार से कार्यबहिष्कार की चेतावनी दी। सोमवार को विवि के शिक्षणेत्तर कर्मचारी परिषद के आह्वान पर सभी कर्मचारी प्रशास. निक भवन में एकत्र हुए। कर्मचारी परिषद के अध्यक्ष देवेंद्र फर्स्वाण ने कहा कि विवि में कार्यरत कर्मचारी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। कभी शिक्षक कर्मचारियों के साथ अभद्रता कर रहे हैं तो कभी छात्र। कहा कि विवि प्रशाशन को कार्यवाही के लिए तीन दिन का समय दिया गया है। मंगलवार से कर्मचारी कार्य पर रहेंगे लेकिन अगर तीन दिन के भीतर ठोस सकारात्मक कार्यवाही नहीं हुए तो पुन: कर्मचारी कार्यबहिष्कार पर चले जाएंगे।

बिना अनुमति के देर रात तक नहीं खुलेंगे बार व रेस्टोरेंट

सीओ सिटी आईपीएस कुश मिश्रा के नेतृत्व में राजपुर क्षेत्र में हुई छापेमारी

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। पुलिस कप्तान के निर्देशों के चलते सीओ सिटी पुलिस टीम ने साथ मिलकर नगर के सभी होम स्टे,गेस्ट हाउस व क्लब आदि को लेकर चेकिंग अभियान चलाया गया। वहीं सीओ सिटी ने निर्देश जारी किया कि अगर बिना अनुमति के कोई भी प्रतिष्ठान का संचालन देर रात्रि तक चलता हुआ पकड़ा गया तो उसके मलिक के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह के आदेशों के चलते नगर के ऐसे बार, गेस्ट हाउस व रेस्टोरेंट बिना अनुमति के देर रात तक चले जाते हैं तो उनके विरुद्ध पुलिस कार्यवाही करेगी बीती रात्रि सीओ सिटी आईपीएस कुश मिश्रा के नेतृत्व में कई जगह छापेमारी की गई। जिसके चलते वहां मौजूद लोगों में खलबली मची रही। वीकेंड के दौरान बिना किसी अनुमति के देर रात्रि तक संचालित होने वाली पार्टियों पर लगाम लगाने तथा शराब पीकर वाहन चलाने तथा हुडदंग करने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही की जाएगी। इसके अतिरिक्त बिना किसी अनुमति के देर रात तक संचालित होने वाली पार्टियों,कार्यक्रमों में आकस्मिक चौकिंग के लिए एसएसपी ने क्षेत्राधिकारी,नोडल अधिकारी एएनटीएफ के नेतृत्व में एएनटीएफ/थानो की टीमों को पूर्ण एलर्टनेस के साथ सम्बन्धित स्थानों पर चौकिंग कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये। बीती रात्रि देर रात्रि राजपुर थाना क्षेत्र के सांई मन्दिर के पास एक होम स्टे में कुछ लोगों के द्वारा बिना किसी अनुमति के देर रात तक पार्टी आयोजित करने की सूचना पुलिस मिली थी। क्षेत्राधिकारी नगर आईपीएस कुश मिश्रा नेतृत्व में एएनटीएफ देहरादून की टीम मौके पर पहुंची, जहां पर संचालित बर्थडे पार्टी में पुलिस टीम द्वारा मादक पदार्थो के सेवन की सम्भावना के दृष्टिगत संदिग्धता के आधार पर 11 व्यक्तियों का मेडीकल परीक्षण कराया गया। इस दौरान पुलिस द्वारा बिना अनुमति के देर रात तक पार्टी आयोजित करने पर 11 व्यक्तियों के पुलिस एक्ट में चालान किये गये। वहीं दूसरी और राजपूत थाना क्षेत्र में धड़ल्ले के साथ देर रात तक बार खुले रहने की सूचना मिली थी। जिसके चलते पुलिस कप्तान अजय सिंह ने चें. कंग के आदेश किया। यही नहीं क्षेत्र में कई बार फायरिंग एवं मारपीट की घटना भी हो चुकी है फिर भी राजपुर पुलिस इस तरफ ध्यान नहीं दे रही थी।

चौरास क्षेत्र में प्राधिकरण के मामलों को किया समाप्त

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। कीर्तिनगर विकासखंड के चौरास क्षेत्र में प्राधिकरण की मार को लेकर चल रहा अभियान में आम जनता को मरहम लगाते हुए स्थानीय विधायक विनोद कण्डारी ने कहा कि यह मुद्दा हमेशा के सुलझा दिया है। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण विभाग की जगह-जगह से भवन स्वामियों का चालान करने की शिकायतें आ रही थी। जिससे यहां के रहवासियों के लिए सरदर्द बना हुआ था।

विधायक विनोद कंडारी ने प्राधिकरण को लेकर मुख्यमंत्री से कि वार्ता

देवप्रयाग विधायक विनोद कण्डारी ने स्थानीय जनप्रति. निधियों के साथ मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के बैठक में प्राधिकरण के मामले को रखा। मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों एवं जनता की भावना को समझते हुए प्राधिकरण वाले मामले को पूरी तरह समाप्त करने का आश्वासन दिया है। विधायक विनोद कण्डारी ने कहा कि रेलवे द्वारा दो सौ मीटर का दायरा जो रखा था कि किसी भी तरह का निर्माण नहीं होगा उसे भी निरस्त करके यहां के कास्तकारों एवं भू-मालिकों को राहत देते हुए मुख्यमंत्री की पूर्व में लगाए गए प्रतिबंध को भी समाप्त कर दिया है। यह जानकारी स्वयं देवप्रयाग विधायक विनोद कण्डारी ने संचार संपर्क करके दी है।

दो अंतर्राज्यीय नशा तस्कर गिरप्तार लाखों का नशीला पदार्थ बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ ने दो अंतर्राज्यीय नशा तस्करों को गिरप्तार कर लगभग 86 लाख रूपये कीमती ड्रग्स को बरामद किया। चम्पावत और देहरादून में एएनटीएफ टीमों की स्थानीय पुलिस के साथ चौकिंग में नशा तस्करों से देहरादून से 278 ग्राम हीरोईन तथा चम्पावत से 1.208 किलोग्राम चरस बरामद हुई।

एसटीएफ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पहले मामले में थाना नेहरू कालोनी पुलिस क्षेत्र में जोगीवाला बैरियर पर थाना नेहरूकालोनी पुलिस के साथ संयुक्त चौकिंग में एएनटीएफ टीम ने आसिफ कुरैशी कुरैशी पुत्र रईस कुरैशी निवासी मोहल्ला कस्सावान थाना फरीदपुर जिला बरेली को गिरप्तार कर उसके कब्जे से 278 ग्राम हीरोईन को बरामद किया गया है। इस कार्यावाही पर अपर पुलिस महानिदेशक अपराध एवं कानून व्यवस्था उत्तराखण्ड पुलिस मुख्यालय द्वारा पुलिस टीम को 25 हजार रूपये ईनाम की घोषण की गयी है। वही कुंमायूं क्षेत्र में एएनटीएफ टीम द्वारा द्वारा थाना टनकपुर क्षेत्र में थाना टनकपुर, चंपावत पुलिस टीम को साथ लेकर संयुक्त कार्यवाही करते हुए ककराली गेट टनकपुर से एक चरस तस्कर दीपक कुमार पुत्र धर्मेंद्र शर्मा निवासी नवाब गंज, आदर्श नगर थाना नवाब गंज जिला बरेली, उम्र 35 व को गिरफ्तार किया गया, जिसके कब्जे से कुल 01 किलो 208 ग्राम अवैध चरस बरामद हुई।' अभियुक्त ने पूछताछ में बताया कि वे यह चरस खेतीखान के दादू नामक व्यक्ति से खरीदकर लाया है। जिसे वो मैदानी जनपदों में विक्रय करता है।पकडे गये दोनो तस्करों के तार बरेली उत्तर प्रदेश के बड़े तस्करों से जुड़े होने की जानकारी मिली है।

हरबर्टपुर में शुरू हुई तीन दिवसीय कार्यशाला

देहरादून। हरबर्टपुर देहरादून में तीन दिवसीय जिला प्रक्रिया प्रयोगशाला (डीपीएल) का शुभारम्भ किया गया। जिसमें भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय से रवि शेखर, अनुभाग अधिकारी द्वारा प्रतिभाग किया गया।अभियान के अन्तर्गत जनपद-देहरादून के 4 विकास खण्डों के कुल 41 गांवों का चयन किया गया है जिसके अंतर्गत सभी 41 गाँवों में निवासरत समस्त जनजाति श्रेणी के व्यक्तियों को सरकार द्वारा संचालित समस्त लोक कल्याणकारी योजना से शत-प्रतिशत लाभान्वित किया जाना है। प्रयोगशाला में राज्यस्तरीय, जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ ही सम्बन्धित विकास खण्डों के खण्ड विकास अधिकारियों व संबंधित विभागों के विकास खण्ड स्तरीय अधिकारियों ने प्रतिभाग किया गया।

डीएम के जनता दरबार मे सुनीं 125 लोगों की समस्याएं

सरकारी संपत्ति पर अतिक्रमण की शिकायत,जिला प्रशासन करेगा आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाहीः कुमकुम

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देशों के चलते सोमवार को ऋषिपर्णा सभागार में जनता दर्शन कार्यक्रम में जन समस्याएं सुनी गई। दूर दराज से पंहुचे लोगों की अवैध अतिक्रमण, बारिश से क्षतिग्रस्त सड़क, पेयजल, भूस्खलन से भवनों को बना खतरा, घरेलू एवं निजी भूमि विवाद, आर्थिक सहायता, मुआवजा आदि से जुष्ड़ी अधिकतर शिकायतों का एसडीएम कुमकुम जोशी व एसडीएम अपूर्वा ने मौके पर समाधान किया गया।

हर्रवाला में सार्वजनिक रास्ते में खंबे लगाकर अवैध रूप से तारबाड और कब्जा करने की शिकायत पर उप नगर आयुक्त को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। वही बदामवाला में सड़क किनारे पानी की नाली बंद कर सड़क पर अतिक्रमण की शिकायत पर लोक निर्माण विभाग को अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए। ग्राम पुरो. हतवाला की प्रधान ने बताया कि बारिश के कारण गांव की पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त होने से पानी की समस्या हो रही है। जिस पर जल संस्थान के अधिशासी अभियंता को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया। शिमला बाईपास रोड़ पर शेरपुर में निजी भूमि पर जबरदस्ती कब्जा किए जाने की शिकायत पर तहसीलदार को जांच करने को कहा गया। जागृति विहार निवासी व्यक्ति ने जमीन फ्रॉड की शिकायत करते हुए बताया कि उनसे 05 लाख का बयाना लेने के बाद भी उनके नाम रजिस्ट्री नही की जा रही है। शिकायत पर सीओ पुलिस को जांच के निर्देश दिए गए। इस दौरान जनता दरबार में अपर नगर आयुक्त रजा अब्बास, एसडीएम स्मृता परमार, एसडीएम कुमकुम जोशी, एसडीएम अपूर्वा, एसडीएम विनोद कुमार, मुख्य शिक्षा अधिकारी वीके ढौंडियाल, जिला प्रोबेशन अधिकारी मीना बिष्ट सहित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

महाकुंभ 2033 से पहले हरिद्वार-देहरादून रेल ट्रैक डबल होना जरुरी

मुख्य सचिव आनंद वर्धन ने डीआरएम संग्रह मौर्य को बताई आवश्यकता

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड में रेलवे से जुड़े राज्य सरकार के विभिन्न मुद्दों पर रेलवे के अधिकारियों और शासन के अधिकारियों ने चर्चा की है। मुख्य सचिव आनंद वर्धन की अध्यक्षता में सोमवार को सचिवालय में प्रदेश सरकार और डीआरएम मुरादाबाद संग्रह मौर्य के मध्य सामंजस्य बैठक हुयी। मुख्य सचिव ने ऋषिकेश डोईवाला रेलवे बाईपास के लिए राजाजी नेशनल पार्क, रेलवे और डीएफओ की टीम को शीघ्र से शीघ्र संयुक्त सर्वेक्षण कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा वाइल्ड लाइफ क्लीयरेंस और फॉरेस्ट क्लीयरेंस की प्रक्रिया भी शुरू कर ली जाए। उन्होंने हर्रावाला रेलवे स्टेशन के विस्तारीकरण कार्य में तेजी लाए जाने हेतु रेलवे, वन एवं राजस्व की संयुक्त टीम द्वारा सर्वे पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि महाकुंभ 2033 से पहले हरिद्वार-देहरादून डबल लेन किया जाना अत्यंत आवश्यक है।

कुम्भ 2027 के लिए रेलवे बनाए नोडल अफसर

मुख्य सचिव ने रेलवे से कुम्भ 2027 से सम्बन्धित बैठकों में कॉर्डिनेशन के लिए एक मेला अधिकारी नामित किए जाने की बात कही। कहा कि कुंभ की तैयारियों को लेकर होने वाली आगामी बैठक में रेलवे से भी प्रतिनिधित्व मिले। उन्होंने रेलवे और उत्तराखण्ड सरकार के मध्य सूचनाओं के आदान प्रदान के लिए भी मैकेनिज्म तैयार किए जाने की बात कही। मुख्य सचिव ने कहा कि पूरे राज्य के लिए मोबिलिटी प्लान तैयार किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी प्रकार के यातायात साधनों और विकल्पों को लेकर अगले 50 सालों का प्लान तैयार किए जाने की बात कही।

ट्रैफिक मैनेजमेंट सर्कुलेशन प्लान होगा तैयारः उन्होंने इसके लिए वाइल्ड लाइफ क्लीयरेंस और फॉरेस्ट क्लीयरेंस आदि की प्रक्रिया भी शुरू किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने रेलवे से कुंभ मेला के लिए ट्रैफिक मैनेजमेंट सर्कुलेशन प्लान भी शीघ्र तैयार कर उपलब्ध कराए जाने की बात कही। उन्होंने रेलवे स्टेशन का फेस लिफ्टिंग में ऋषिकेश एवं हरिद्वार को भी शामिल किए जाने की बात कही। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव बृजेश कुमार संत, सी. रविशंकर, स्थानिक आयुक्त अजय मिश्रा, उपाध्यक्ष एमडीडीए एवं महानिद. ेशक सूचना बंशीधर तिवारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

दून-मसूरी रेल प्रोजेक्ट का सर्वे पूराः मौर्य-डीआरएम संग्रह मौर्य ने बताया कि देहरादून मसूरी रेलवे प्रोजेक्ट का प्राथमिक सर्वे हो गया है, फाइनल लोकेशन सर्वे शीघ्र शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सहारनपुर देहरादून प्रोजेक्ट का फाइनल लोकेशन सर्वे गतिमान है। उन्होंने बताया हर्रावाला रेलवे स्टेशन की डीपीआर स्वीकृत हो गई है। प्रोजेक्ट की स्वीकृति होनी बाकी है।

स्वाभिमान मोर्चा ने सरकार का पुतला दहन किया

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड स्वाभिमान मोर्चा महानगर देहरादून के अध्यक्ष रामकुमार शंखधर के नेतृत्व में मोर्चा के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओ ने लैंसडौन चौक पर प्रदेश की भाजपा नीत धामी सरकार का जनविरोधी नीतियों एवं राज्य में बढ़ रहे भ्रष्टाचार एवं अनेक पीड़ितों की अनदेखी कर रही धामी सरकार का पुतला दहन किया।

इस अवसर पर मोर्चा के सैनिक प्रकोष्ठ महासचिव राजेंद्र भट्ट ने कहा कि सरकार याद रखे उसकी हर कार्यशैली पर स्वाभिमान मोर्चा का शीर्ष नेतृत्व अपनी नजर बनाए हुए है अगर जनहित एवं प्रदेशहित से कोई भी खिलवाड़ होगा तो मोर्चा सरकार के खिलाफ सड़को पर उतर कर उग्र प्रदेश व्यापी आंदोलन करेगा। मोर्चा के रायपुर विधानसभा प्रभारी अनिल डोभाल ने सरकार कि कार्यशैली को कटघरे में रखते हुए कहा कि राज्य की हालत दिन प्रति दिन बिगड़ रही है सरक. ारी अपनी नाकामी जूठे प्रचार से छिपा नहीं सकती। इस अवसर पर चित्रपाल सजवाण, पूरण सिंह रावत, राजेंद्र कुमार, अरशद अंसारी, मनोरी भाई,दीपक मेहरा, संजीव शर्मा, रवि,राकेश मिश्रा,विक्रम सिंह राणा, कौशल सिंह बोरा,नरेंद्र रावत आदि मौजूद रहे।

जैन मिलन देहरादून में भाव से मनाया सामूहिक क्षमा वाणी महापर्व

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। सोमवार 8 सितंबर को जैन मिलन देहरादून के तत्वाधान में दिगंबर जैन समाज देहरादून द्वारा परम पूज्य आचार्य 108 श्री सौरभ सागर महाराज के सानिध्य में विश्व मैत्री दिवस क्षमावाणी महापर्व का आयोजन किया गया वीर राकेश कुमार जैन की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर गीता जैन प्राचार्य दून मेडिकल कॉलेज उपस्थित रही।

दिगंबर जैन समाज के तत्वाधान में आयोजित किए गए कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में वीर डॉक्टर आर.के.जैन तथा वीर अरुण कुमार जैन उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन जैन मिलन देहरादून के मंत्री वीर पंकज जैन द्वारा किया गया, कार्यक्रम के संयोजक वीर प्रवीण कुमार जैन तथा वीर राकेश कुमार जैन रहे।

क्षमा वाणी कार्यक्रम का प्रारंभ महिला जैन मिलन राजुल की वीरांगनाओ द्वारा भगवान महावीर स्वामी की प्रार्थना के साथ किया गया आचार्य श्री ने अपने संबोधन में जैन समाज द्वारा मनाया जाने वाले क्षमावाणी पर्व का औचित्य तथा इसका महत्व बताया उन्होंने कहां की क्षमा वाणी केवल वाणी से आत्मसात ना होकर हृदय से आत्मसात होने वाला पर्व है उन्होंने कहा कि क्षमा वाणी हृदय से आत्मा साथ होने वाले क्षमा आपकी अंतरात्मा को पवित्र कर देती है आप कष्ट सहकर भी क्षमा करने का भाव रखें तभी क्षमावाणी की सार्थकता है।वीर डॉ संजीव कुमार जैन ने कहा कि पर्यूषण पर्व के अंत में क्षमावाणी पर्व मनाया जाता है जिसमें गत वर्ष में जाने अनजाने हुए सभी पापों की क्षमा याचना की जाती है। भारतीय जैन मिलन के क्षेत्रीय मंत्री वीर डॉ संजय जैन ने अपने संबोधन में कहा कि हम लोग जाने अनजाने में न जाने कितने ही जीव जंतुओं प्राणियों को कष्ट पहुंचा देते हैं क्षमावाणी के अवसर पर उन पापों की निर्जरा हेतु क्षमा मांगी जाती है जिससे मनुष्य अपना मन स्वच्छ एवं निर्मल कर सकता है उन्होंने कहा कि क्षमा वीरस्य भूषणम् अर्थात क्षमा वीरों का आभूषण है क्षमा मांगना और क्षमता देना यह हर किसी के बस का नहीं होता। क्षमावाणी कार्यक्रम को सुनील कुमार जैन, वीर अशोक जैन, वीर लोकेश जैन, वीर विनोद कुमार जैन सहित अनेको प्रबुद्ध जनों ने संबोधित कियास कार्यक्रम में वीर सुनील कुमार जैन, वीर राजीव कुमार जैन, वीर सुधीर कुमार जैन, वीर विनय कुमार जैन, वीर सतीश चंद जैन, वीरांगना अलका जैन, वीरांगना मंजू जैन, वीरांगना प्रीति जैन, वीरांगना मोनू जैन वीरांगना शेफाली जैन वीर अमित जैन, वीर अमित जैन (देवलोक कालोनी), वीर डॉक्टर आरके जैन, वीर अरुण जैन सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने प्रदेशवासियों को दी हिमालय दिवस की शुभकामनाएं

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने प्रदेशवासियों को हिमालय दिवस की शुभकामनाएँ दीं हैं। उन्होंने कहा कि पर्वतराज हिमालय हमारी अनमोल धरोहर है। यह न केवल प्राकृतिक सुंदरता और जैव विविधता से भरपूर है, बल्कि हमारे आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और भौगोलिक गौरव का भी प्रतीक है। राज्यपाल ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई, ग्लेशियरों का पिघलना और प्रदूषण जैसी चुनौतियाँ हिमालय की पारिस्थितिकी के लिए गंभीर खतरा हैं।

बस्ती बचाओ आंदोलन का जोरदार प्रदर्शन

मुख्यमंत्री व जिलाधिकारी को भेजा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। बस्ती बचाओ आंदोलन की ओर से सैकड़ों प्रभावितों ने एलिवेटेड रोड के विरोध में और बाढ़ प्रभावितों को समुचित सहायता की मांग को लेकर जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया।

आंदोलनकारियों ने मुख्यमंत्री और जिलाधिकारी देहरादून को ज्ञापन दिया और शहर की यातायात व्यवस्था में सुधार की मांग की। उन्होंने कहा कि शहर की सड़कें, निकासी, फुटपाथ, चौक-चौराहे और बस स्टॉपेज की स्थिति बहुत खराब है।

एलिवेटेड रोड परियोजना का विरोध

आंदोलनकारियों ने एलिवेटेड रोड परियोजना का विरोध किया और कहा कि यह परियोजना गरीबों के विस्थापन और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार को इसके बजाय शहर की मूलभूत समस्याओं का समाधान करने पर ध्यान देना चाहिए। आंदोलनकारियों ने ज्ञापन में निम्नलिखित मांगें उठाईः सड़कों, निकासियों, फुटपाथों, चौक-चौराहों, बस स्टॉपेज और सार्वजनिक परिवहन में सुधार किया जाए।स्थानीय युवाओं को ट्रैफिक प्रबंधन, पार्क रखरखाव आदि के लिए प्रोत्साहित किया जाए। सीसीटीवी कैमरों की ऑडिट और मरम्मत की जाए। जलभराव वाले स्थानों की पहचान और सफाई की जाए। एलिवेटेड रोड जैसी महंगी परियोजनाओं का पुनर्मूल्यांकन किया जाए। प्रदर्शन में बस्ती बचाओ आंदोलन के संयोजक अनंत आकाश, जनवादी महिला समिति की उपाध्यक्ष नुरैशा अंसारी, उत्तराखंड आंदोलनकारी के संयुक्त परिषद संरक्षक नवनीत गुंसाई और अन्य लोग शामिल हुए।

23 सितंबर से होगी ग्रेट इंडियन फेस्टिवल की शुरुआत

देहरादून। यह त्योहार ग्राहकों, विक्रेताओं और ब्रांड्स को एक साथ लाने का अवसर है और बेहतरीन डील्स व नए लॉन्च से बड़ी बचत का मौका मिलेगा। यह बात अमेजन इंडिया के वीपी कैटेगरीज सौरभ श्रीवास्तव ने ग्रेट इंडियन फेस्टिवल की घोषणा करते हुए बताई। उन्होंने कहा कि अमेजन इंडिया का ग्रेट इंडियन फेस्टिवल" 23 सितंबर से शुरू होगा, जिसमें प्राइम मेंबर्स को 24 घंटे पहले एक्सेस मिलेगा। ग्राहकों को स्मार्टफोन, इलेक्ट्रॉनिक्स, फैशन, ब्यूटी, घरेलू सामान और अन्य श्रेणियों में विशेष छूटें मिलेंगी। कंपनी ने 45 नए डिलीवरी स्टेशन खोलते हुए टियर दो और तीन शहरों तक तेज डिलीवरी सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा है।

रक्तदान एक महान व पुण्य का कार्यः जोशी

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने सोमवार को मसूरी में अमर शहीद लाला जगत नारायण की 44वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर में प्रतिभाग किया। मसूरी ट्रेडर्स एंड वेलफेयर एसोसिएशन तथा महंत इंद्रेश अस्पताल, देहरादून के सहयोग से आयोजित किया गया।

शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं और आईटीबीपी के हिमवीरों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि रक्तदान एक महान कार्य है, जिससे अनेक लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। उन्होंने युवाओं को समाजहित के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने अमर शहीद लाला जगत नारायण को नमन करते हुए कहा कि उनकी देशभक्ति और बलिदान हमें सदैव प्रेरित करते रहेंगे। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष मीरा सकलानी, मंडल अध्यक्ष रजत अग्रवाल, मोहन पेटवाल सहित कई लोग उपस्थित रहे।

स्कूल वैनों में सीसीटीवी व जीपीएस की बाध्यता खत्म करने की मांग

महानगर स्कूल वैन एसोसिएशन ने के प्रतिनिधिमंडल ने संभागीय परिवहन अधिकारी को सौंपा पत्र

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। महानगर स्कूल वैन एसोसिएशन, देहरादून के अध्यक्ष उमा नरेश तिवारी के नेतृत्व में भारी संख्या में वैन चालकों का एक प्रति. निधिमंडल ने संभागीय परिवहन अधिकारी देहरादून से मुलाकात कर वार्ता की। एसोसिएशन के अध्यक्ष तिवारी ने कहा कि हाल ही में स्कूल वैनों में सीसीटीवी कैमरे व जी पीएस लगाने की अनिवार्यता लागू की जा रही है। इस निर्णय से वैन चालक एवं संचालकों पर अनावश्यक वित्तीय बोझ पड़ रहा है। स्कूल वैन के टैक्स में भी निरंतर बढ़ोत्तरी की जा रही है जो कि उचित नहीं है।

स्कूल वैनें पहले से ही निर्धारित मानकों के अनुरूप चल रही हैं तथा बच्चों की सुरक्षा के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। लेकिन इन उपकरणों को लगाने से न केवल खर्च बढ़ेगा, बल्कि तकनीकी खराबियों के चलते वाहन संचालन में भी कठिनाइयाँ उत्पन्न होंगी। वैन चालक पहले से ही आर्थिक परिस्थितियों से जूझ रहा है। यह निर्णय वैन चालकों एवं मालिकों के हितों के प्रतिकूल है और व्यावहा. रिक दृष्टि से भी अव्यवहारिक है। उन्होंने कहा कि महानगर स्कूल वैन एसोसिएशन इस निर्णय का पुरजोर विरोध करता है एवं इन बाध्यताओं को समाप्त करने की मांग करता है। वैन एसोसिएशन के महामंत्री मनोज कुमार, डिंपल,विमल कुमार, यमन, मनीराम, राजेश शर्मा, पवन कुमार, आशीष शर्मा रिंकू, विनोद शर्मा, अरुण कुमार भरत सिंह, सन्नी कुमार संजीव, अजय चौहान विनोद रावत, विकास पाल, भास्कर दुबे, नईम अहमद, राजकुमार शर्मा ,संतोष, नेगी, मंजीत सेठी, सतपाल बिष्ट, जनेश्वर प्रसाद, सचिन कुमार, सुनील कुमार आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनसुनवाई कार्यक्रम, 81 शिकायतों में से 30 का मौके पर निस्तारण

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। जनपदवासियों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए ग्रामीणों ने कुल 81 शिकायतें दर्ज कराई, जिनमें से 30 का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया, जबकि शेष को संबंधित विभागों को शीघ्र कार्रवाई के लिए भेजा गया। जनसुनवाई में भूमि विवाद, अतिक्रमण, जलभराव, पेयजल, विद्युत और मुआवजा जैसी समस्याएं प्रमुख रहीं। ग्राम प्रधान बिस्मिल्ला ने गैंडीखाता में तटबंध निर्माण व महिला समूहों के लिए भवन की मांग रखी, वहीं अन्य आवेदकों ने भूमि पैमाईश, पेंशन, आंगनबाड़ी नियुक्ति और मकान स्वीकृति से जुड़ी समस्याएं दर्ज कराई।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है कि एल 1 पर 81तथा एल 2 पर 22 शिकायतें निस्तारण हेतु लंबित है, उन्होंने संबंधित अधियारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि उनके स्तर पर जो भी शिकायतें निस्तारण हेतु लंबित है उसका निस्तारण जल्द से जल्द करना सुनिश्चित करे ,इसमें किसी भी प्रकार से कोई स्थिलता नहीं बरती जानी चाहिए,उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों को सभी अधिकारी गंभीरता से लेते हुए उसका निस्तारण संवेदनशीलता के साथ करना सुनिश्चित करे। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे, अपर जिलाधिकारी वित्त दीपेंद्र सिंह नेगी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी आरके सिंह, परियोजना निर्देशक केएन तिवारी, जिला विकास अधिकारी वेद प्रकाश ,जिला अर्थ संख्या आधिकारी नलिनी ध्यानी,अधीक्षण अभियंता लोनिवि डीके सिंह, अधीक्षण अभियंता जल निगम एम मुस्तफा अधिशासी अभियंता सिंचाई ओमजी गुप्ता, डीएसओ तेजबल सिंह,जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए ग्रामीण मौजूद रहे।

भीमगोड़ा काली मंदिर के पास रेलवे ट्रैक पर मलबा आने से प्रभावित हुआ ट्रेनों का संचालन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। भीमगोड़ा काली मंदिर के पास रेलवे ट्रैक पर मनसा देवी पहाड़ी से मलबा आने से हरिद्वार देहरादून के बीच रेल मार्ग बाधित हो गया। सोमवार सवेरे भीमगोड़ा काली मंदिर के पास मनसा देवी पहाड़ी पर हुए भूस्खलन की वजह से भारी मात्रा में मलबा रेलवे ट्रैक पर आ गया। जिससे भीमगोड़ा रेलवे सुरंग से आगे ट्रेनों का संचालन पूरी तरह बाधित हो गया। ट्रैक पर मलबा आने से हरिद्वार से देहरादून जाने वाली और देहरादून तथा ऋषिकेश से हरिद्वार आने वाली तमाम ट्रेनों का संचालन कई घंटों तक बाधित रहा। ट्रैक पर मलबा आने की सूचना पर रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंचे और मलबा हटाने का काम शुरू कराया। एसपी जीआरपी अरुणा भारती ने बताया कि रेलवे ट्रैक पर

पहाड़ का मलबा आने से वंदे भारत, डीएलएस सहित कई ट्रेनों का संचालन प्रभावित हुआ है। मलबा हटाने में 8 से 10 घंटे का समय लगेगा। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई है।

ज्वालापुर के बाजारों में नहीं हटा बिजली के खंभों से तारों का जंजाल

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। नगर निगम के आदेशों के बाद भी उपनगरी ज्वालापुर के बाजारों में बिजली के खंबो से तारों का जंजाल अब तक नहीं हटाया गया है। तारों के जंजाल के कारण व्यापारियों एवं आम नागरिकों को परेशानियां झेलनी पड़ती है। कई बार तारों में शॉर्ट सर्किट होने के कारण आग लगने की घटनाएं भी होती रहती है। बंदरों के उत्पाद के कारण बिजली के तार टूट जाते हैं। कांग्रेसी नेता अंकित चौहान ने कहा कि कटहरा बाजार की सड़कों पर बिजली के खंबो पर अनियोजित तरीके से तारों का जंजाल फैला हुआ है। सुरक्षा के लिहाज से तारों का जंजाल बेहद खतरनाक है। उन्होंने कहा कि शॉर्ट सर्किट के कारण बिजली के तार सड़कों पर गिर जाते हैं। करंट लगने का भी खतरा बना रहता है। लटकते तारों के कारण करंट फैलने का खतरा बढ़ जाता है। खासकर बारिश के मौसम में। विपिन गुप्ता ने कहा कि कटहरा बाजार मुख्य बाजार है। लगातार सड़कों पर लोगों की भीड़ लगी रहती है। अनियोजित तरीके से खंबो पर फैले तार कभी भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। बिजली के खंबो पर तारों का जंजाल बना हुआ है। नगर निगम को ध्यान देना चाहिए। ज्वालापुर के बाजारों में भी नगर निगम के अधिकारियों को

लटकते तारों का संज्ञान लेना चाहिए।

बहादरपुर जट में खानपुर पूर्व विधायक चैंपियन का किया पुतला दहन

शाह टाइम्स संवाददाता

पथरी। क्षेत्र के गांव बहादरपुर जट में दलित समाज के लोगों ने पूर्व ग्राम प्रधान विकास कुमार के नेतृत्व में पूर्व विधायक कुंवर प्रणव चैंपियन का पुतला दहन किया। इस दौरान उन्होंने चैंपियन पर आरोप लगाते हुए दलित समाज के लोगों के खिलाफ दूसरे समुदाय को भड़काने का आरोप लगाया है। चैंपियन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई बताया कि जब तक वह माफी नही मांग लेते उसका पुतला दहन अन्य गांव में दहन किया जाएगा।

पथरी के गांव बहादरपुर जट में चल रहे दो पक्षो का विवाद थमने का नाम नही ले रहा है। रविवार देरशाम दलित समाज के लोगों ने पूर्व ग्राम प्रधान विकास कुमार के नेतृत्व में खानपुर पूर्व विधायक कुँवर प्रणव चेम्पियन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए गांव के चौराहे पर उसका पुतला दहन किया। विकास कुमार ने बताया कि गांव के बबिता चौधरी की अचानक मोत हो गई थी। उनके अंतिम संस्कार के लिये जेल से उसके बेटे जितिन चौधरी को लाया गया था। आरोप है कि जितिन ने पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में विकास कुमार व उनके समाज के खिलाफ आपत्ति जनक टिपणी का प्रयोग किया है। आरोप है कि जितिन चौधरी अपने पिता बबित चौधरी की तेहरी में भी जेल से आकर सामिल हुआ था। इस दौरान तेहरी में खानपुर के पूर्व विधायक कुँवर प्रणव चेम्पियन भी शामिल हुए। आरोप है कि चेम्पियन ने दलित समाज पर टिपणी करते हुए जितिन चौधरी को झूठा फसाने की बात

कही जिसपर दलित समाज मे भारी रोष है और उन्होंने चेम्पियन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए गांव के चौराहे पर उसका पुतला दहन किया। बताया कि दलित समाज सभी गांव में चेम्पियन का पुतला दहन करेगा जब तक वह फेसबुक से अपनी पोस्ट हटाकर माफी नही मागते है। पुतला दहन करने वालो में गांव के सभी लोग सामिल थे।

रक्तदान शिविर आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। वसुधैव कुटुंम्बकम् फाउंडेशन की महिला टीम ने ब्लड वॉलिंटियर्स के सहयोग से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में 196 लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया और 146 लोगों ने रक्तदान किया। संस्था की अध्यक्ष रेनू अरोड़ा ने बताया कि रक्तदान शिविर के आयोजन का उद्देश्य रक्त संग्रह के साथ लोगों को रक्तदान के महत्व और इससे जुड़ी जानकारी प्रदान करना भी था। इससे समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। रक्तदान शिविर के आयोजन में वसुधैव कुटुंम्बकम् फाउंडेशन की महिला टीम की सोनिया अरोड़ा, प्रीति आहूजा, निधि अग्रवाल, विनीता सिकोरिया, निधि चावला, रुचि तनेजा, गुंजन अरोड़ा, पूजा अरोड़ा का अहम योगदान रहा। ब्लड वॉलिंटियर्स टीम के सदस्यों शेखर सतीजा, तुषार गाबा, विक्रम गुलाटी, विशाल अनेजा, आशीष धीमान ने सहयोग किया।

भाजपाइयों ने जिला महामंत्री संजीव चौधरी का किया स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। भाजपा कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त जिला महामंत्री संजीव चौधरी के आवास पर पहुंचकर फूलमाला पहनाकर, ढोले नगाड़ों की थाप और आतिशबाजी कर उनका स्वागत किया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नवनियुक्त भाजपा जिला महामंत्री संजीव चौधरी ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में पांचो सीटो पर भगवा लहराएगा। भाजपा ने जो विश्वास उन पर जताया है, अपना शत प्रतिशत लगा कर उस विश्वास पर खरा उतरने के लिए मेहनत करेंगे। चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश उन्नति और विकास के मार्ग पर बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। जिला अध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने कहा कि अपने बाल्यकाल से ही

पार्टी और देश धर्म की सेवा में जुटे संजीव चौधरी को पार्टी ने जो जिम्मेदारी दी है। उसका वह बहुत अच्छे से निर्वहन करेगे। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाएं। सभी वर्गो को साथ लेकर चल रहे और अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक विकास पहुंचा रहे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विकास की गंगा का प्रवाह अब रुकने वाला नहीं है। नगर पालिका शिवालिक नगर के अध्यक्ष राजीव शर्मा ने कहा कि पार्टी आंदोलनों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने वाले संजीव चौधरी को पार्टी ने जो जिम्मेदारी दी है। उस पर वह खरा उतरेंगे। शर्मा ने कहा कि मेरे साथ अनेक वर्षो से पार्टी और समाज के कार्य में लगे संजीव चौधरी महामंत्री बनने पर अब और अधिक ताकत से पार्टी की रीति नीति को घर घर ले कर जायेगे। स्वागत करने वालों मे राज्य मंत्री सुनील सैनी, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष विक्रम भुल्लर, पार्षद हरविंदर सिंह, अर्पण ग्रोवर, जिला कोषाध्यक्ष अरविन्द कुशवाह, युधिष्ठिर वालिया, विनीत धीमान, भारत तलूजा, विशाल माथुर, अनिल तेश्वर, सन्नी, नरेन्द्र चौहान, मानुष तोमर, पुष्पेंद्र गुप्ता, अरविन्द, विजय धीमान, संजीव कुमार, अमित कुमार, ममता झा, स्नेहलता चौहान, पिंकी त्यागी, मनीष कश्यप, दीपक पालीवाल, सुनील तेश्वर, कैलाश भण्डारी, अंशुल शर्मा, पंकज चौहान, अजय मलिक, संचित डागर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल रहे।

गरीबदासी धर्मशाला सेवाश्रम में षडदर्शन साधु समाज की बैठक संपन्न

आपदा प्रभावित राज्यों के लिए संत समाज ने बढ़ाया सहयोग का हाथ

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। गरीबदासी धर्मशाला सेवाश्रम में सोमवार को षडदर्शन साधु समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न राज्यों से पधारे संत-महात्माओं ने भाग लिया। बैठक में पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में हाल ही में आई प्राकृतिक आपदाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। बैठक में सभी संतों ने एकमत होकर आपदा प्रभावित क्षेत्रों के लिए सहायता राशि प्रदान करने का संकल्प लिया। बैठक में निर्णय लिया गया कि प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों की मदद के लिए सेवाश्रम की ओर से आर्थिक सहायता के साथ-साथ खाद्य सामग्री, वस्त्र एवं अन्य आवश्यक वस्तुएँ भी भेजी जाएंगी। संत समाज ने यह भी स्पष्ट किया कि सेवा ही धर्म है, और ऐसे समय में हर सन्यासी व संत को आगे आकर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

गरीबदासी सेवाश्रम के प्रमुख महंत ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल भक्ति व साधना नहीं, बल्कि जरूरतमंदों की सेवा भी है। जब देश संकट में हो, तो संत समाज को आगे बढ़कर सहायता करनी चाहिए। इस पुनीत कार्य में कई श्रद्धालुओं और समाजसेवियों ने भी भाग लिया और खुले हृदय से

सहयोग राशि प्रदान की। यह बैठक न केवल एक धार्मिक समागम रही, बल्कि मानवीय संवेदना और सामाजिक एकजुटता की अद्भुत मिसाल भी बनी। बैठक की अध्यक्षता स्वामी हरिचेतनानंद व संचालान स्वामी रविदेव शास्त्री ने किया। बैठक में स्वामी दामोदर शरण, स्वामी बिष्णु दास, स्वामी हरिहरानन्द, स्वामी रविदेव शास्त्री, स्वामी दिनेश दास, स्वामी कृष्णानन्द, महन्त शिवम, स्वामि सुतिक्षण मुनि, आई.डी. शास्त्री सहित कई संत महंत मौजूद रहे।

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय में

रोबोटिक्स कार्यशाला का किया आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। गुरूकुल कांगड़ी विवि के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा रोबोटिक्स कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को हैंड्स-ऑन सेशंस और प्रैक्टिकल डिमॉन्स्ट्रेशन के माध्यम से आधुनिक तकनीकी ज्ञान प्रदान करना था। कार्यशाला में लोकेश भारद्वाज और अविरल अवस्थी ने विद्यार्थियों को बेसिक लाइन फॉलोवर एवं ऑब्जेक्ट डिटेक्टर रोबोट के प्रायोगिक प्रदर्शन दिखाए। जिससे छात्रों को रोबोटिक्स की मूलभूत तकनीकों को समझने का अवसर मिला।

इस अवसर पर इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष गजेन्द्र सिंह रावत ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आने वाले समय में रोबोटिक्स ही भविष्य की तकनीक है। इसलिए छात्रों को ऐसे आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रोफेसर विपुल शर्मा एवं कुलपति प्रोफेसर हेमलता ने छात्रों को प्रोत्साहित किया और उन्हें तकनीकी क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला के दौरान विभाग से बृजेश कुमार, आशीष धमंधा, प्रद्युम्न सिंह साथ प्रिंस शर्मा, ध्रुव शर्मा, अंकुश भट्ट, आर्यन कपूर, नितिन जोशी और ध्रुव पाठक आदि छात्रों ने कार्यशाला के आयोजन में सहयोग किया।

अखाड़ा परिषद अध्यक्ष से मिले श्री अखंड परशुराम अखाड़े के पदाधिकारी

देवी देवताओं का स्वरूप धरण कर नृत्य करने पर रोक लगाने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। श्री अखंड परशुराम अखाड़े के अध्यक्ष पंडित अधीर कौशिक ने अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज से भेंटकर धार्मिक कार्यक्रमों में देवी देवताओं का स्वरूप धारण कर नृत्य करने पर रोक लगाने के लिए कदम उठाने की मांग की है। पंडित अधीर कौशिक ने कहा कि कलाकारों द्वारा धार्मिक कार्यक्रमों में देवी देवताओं का स्वरूप धारण कर नृत्य करने से सनातन धर्म संस्कृति की मर्यादाएं प्रभावित हो रही हैं। नृत्य करने के दौरान कई बार ऐसी परिस्थितियां भी बन जाती हैं। जिससे सभी को शर्मसार होना पड़ता है। उन्होंने कहा कि अखाड़ा परिषद को इस पर रोक लगाने के लिए कदम उठाने चाहिए। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने कहा कि सनातन धर्म का अपमान करने का किसी को कोई अधिकार नहीं है। उन्होने कहा कि देवी देवताओं का रूप धारण कर लोगों को ठगने का काम कर रहे लोगों के खिलाफ सरकार कालनेमी अभियान चला रही है। देवी देवताओं का रूप धारण करने वालों के खिलाफ पुलिस को सूचना दें। अखाड़ा परिषद भी संतों से विचार विमर्श कर देवी देवताओं का रूप धरकर कार्यक्रमों में नृत्य करने पर रोक लगाने के लिए कदम उठाएगा। इस दौरान भागवताचार्य पवन कृष्ण शास्त्री, आचार्य गिरीश मिश्रा, कुलदीप, कृष्णा चौहान, यशपाल शर्मा, पवन त्यागी,

स्वामी प्रशांत गिरी, प्रदीप शास्त्री, सुरेश शुक्ला, मनीष शुक्ला, विमल, चमन गिरी, हरिओम सैनी आदि मौजूद रहे।

सचिन बने राष्ट्रीय हिंदू रक्षक दल के जिलाध्यक्ष

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। राष्ट्रीय हिंदू रक्षक दल के प्रमुख नवीन अग्रवाल ने सचिन कश्यप को संगठन का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। जट बहादरपुर स्थित बेंकट हाल मे आयोजित राष्ट्रीय हिंदू रक्षक दल के सम्मेलन में सैकड़ो युवा कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में नवीन अग्रवाल ने सचिन कश्यप को जिलाध्यक्ष नियुक्त किए जाने की घोषणा करते हुए फूलमाला पहनाकर उनका स्वागत किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए नवीन अग्रवाल ने कि युवा देश का भविष्य हैं। युवा शक्ति ही समाज में बदलाव ला सकती है। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष सचिन कश्यप ने कहा कि संगठन की और से जो जिम्मेदारी उन्हें दी गयी है। उसका निष्ठापूर्वक पालन करते हुए पूरे जिले में अभियान चलाकर युवाओं को संगठन में शामिल करेंगे।

शिक्षकों, पत्रकारों व वरिष्ठ नागरिकों को किया सम्मानित

वरिष्ठजनों का सम्मान करने वाले को जनता करती है सम्मानित : हरीश रावत

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। पूर्व मेयर अनिता शर्मा ने शिक्षक व वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह का आयोजन किया। कनखल स्थित बैंक्वेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, कोठारी महंत राघवेंद्र सिंह, पूर्व मेयर अनिता शर्मा ने वरिष्ठ नागरिकों और शिक्षकों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर हरीश रावत ने कहा कि कांग्रेस में सभी का सम्मान होता है। जो वरिष्ठों का सम्मान करता है। उसका सम्मान जनता करती है। प्रीतम सिंह ने कहा कि शिक्षक ही समाज और देश की दिशा तय करता है। गुरु को अच्छा शिष्य और शिष्य को अच्छा गुरु बहुत मुश्किल से मिलता है। पूर्व मेयर अनिता शर्मा ने कहा कि सभी का सम्मान होना चाहिए। कोई छोटा बड़ा नहीं होता। इस अवसर पर विधायक रवि बहादुर, संतोष चौहान, डा.संजय पालीवाल, प्रदीप चौधरी, अशोक शर्मा, कैश खुराना, पार्षद सुनील कुमार, लव गुप्ता, सत्येंद्र वशिष्ठ, राजकुमार ठाकुर, वसीम सलमानी, जेपी सिंह, दिनेश पुंडीर, नकुल माहेश्वरी, गौरव शर्मा, हरद्वारी लाल, विकास चंद्रा, राजेंद्र श्रमिक, बीएस तेजियांन, गोविंद सिंह बिष्ट, सतीश, जगत सिंह रावत, चोखेलाल, मकबूल कुरैशी, पदम साहू, सुंदर सिंह मनवाल, तेज प्रकाश साहू आदि मौजूद रहे।

सम्मानित होने वाले शिक्षकों में राजेंद्र बालियान, राजेंद्र सिंह, रवि वर्मा, निरमा शर्मा, पल्लवी सेमवाल, आदर्श कुमार, पवेंद्र सक्सेना, मनोज कुमार, विनीत जोशी, रुचिता सक्सेना, डा.सरोज शर्मा, आशा शर्मा, मालती देवी, भारत भूषण, शिवकुमार चौहान, अमिता मल्होत्रा, मनोज कुमार, पंकज सैनी, राहुल शर्मा, ऋचा मनोचा। पत्रकारों में प्रेस क्लब अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी, महामंत्री दीपक मिश्रा, लव कुमार शर्मा, नरेश गुप्ता, रामेश्वर गौड़, केके त्रिपाठी, रतनमणी डोभाल, तनवीर अली को सम्मानित किया। सम्मानित होने वाले वरिष्ठ नागरिकों में राजबीर सिंह चौहान, महेश प्रताप सिंह राणा, कृष्ण कुमार ठेकेदार, पुरुषोत्तम शर्मा, जगदीश अत्री, विकास चौधरी, किरणपाल बाल्मिकी, ओपी चौहान, अशोक टंडन, सुधीर गुप्ता, मुकुल जोशी, एड. अरविंद शर्मा, संजय अग्रवाल, ईश्वरी देवी, लता जोशी, पूनम भगत, बाघंबरी शर्मा, यशोदा देवी, लीला देवी, ऊषा सरकार, ग्रेस कश्यप, मिथलेश गिल, निशा शर्मा आदि शामिल रहे।

पुलिस ने बरामद किए गुम हुए 46 मोबाइल

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। ऑपरेशन रिकवरी के तहत नगर कोतवाली पुलिस ने गुम हुए 46 फोन बरामद किए हैं। बरामदगी के बाद पुलिस ने फोन उनके मालिकों को सौंप दिए। नगर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रितेश शाह ने कोतवाली में फोन मालिकों को उनके फोन सौंपे। फोन वापस मिलने पर फोन वापस मिलने की आस खो चुके लोगों ने पुलिस का आभार व्यक्त किया है। एसएसपी के निर्देश पर गुम हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए ऑपरेशन रिकवरी चलाया जा रहा है। जिसके तहत नगर कोतवाली पुलिस ने थाना क्षेत्र में गुम हुए 46 मोबाइल फोन सीआईईआर पोर्टल के माध्यम से ढूंढ निकाले। उत्तराखण्ड सहित उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश, कश्मीर, आन्ध्र प्रदेश व अन्य राज्यों से बरामद किए गए मोबाइल फोन की कीमत 9,12,000 रूपए है।

हरिद्वार में समाचार व विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें :
सिटी कार्यालय दैनिक
शाह टाइम्स हरिद्वार
कमरा न. 103, द्वितीय तल, भगवती कॉम्पलेक्स, रानीपुर मोड, हरिद्वार
ब्यूरो चीफ/जिला प्रभारी
डी. एस. वर्मा
मो.: 9411100741

ट्रॉली से टोंस नदी में गिरी 16 साल की किशोरी

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। दूरस्थ त्यूणी थाना क्षेत्र से सटे उत्तरकाशी के सवाली क्यारी में बड़ा हादसा हो गया, यहां टोंस नदी पर बनी झूला गरारी में बैठकर अपने गांव बंखवाड़ जा रही 16 साल की किशोरी शबीना पुत्री यासीन टोंस नदी में जा गिरी, फिलहाल पुलिस और एसडीआरएफ की टीम युवती की खोजबीन में जुटी हुई है, लेकिन अभी तक उसका कुछ पता नहीं चल पाया है।

जानकारी के मुताबिक सोमवार को सुबह करीब 8 बजे थाना त्यूणी पुलिस को स्थानीय निवासी वीरेन्द्र रावत ने सूचना दी कि एक युवती टोंस नदी में गिर गई है। सूचना पर थाना त्यूणी पुलिस और एसडीआरएफ तत्काल मौके पर पहुंची और नदी में गिरी किशोरी की तलाश शुरू की, काफी खोजबीन के बाद भी किशोरी का कोई पता नहीं लगा सका, फिलहाल सर्च ऑपरेशन जारी है।

थाना त्यूणी के प्रभारी विनय मित्तल ने बताया कि मेंद्रथ और हनोल के बीच में उत्तरकाशी सवाली क्यारी से टोंस नदी के ऊपर लगे झूला गरारी से शबीना (16) पुत्री यासीन निवासी बंखवाड़ जा रही थी, तभी शबीना का बैलेस बिगड़ा और वो नदी में जा गिरी। इस दौरान शबीना की बहन भी उसके साथ थी।

गंगोत्री हाईवे पर भूस्खलन से सड़क पर गिरा पूरापहाड़

■ देर रात्रि तक लगी रही वाहनों की लंबी कतारें, बीआरओ जुटा हाईवे खोलने में

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी: मानसून सीजन की अब विदाई होने जा रही लेकिन गंगोत्री हाईवे धरासू नालूपानी में भूधंसाव और भूस्खलन का दौर जारी है। जिससे लोगों की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है।

सोमवार को दोपहर चार बजे गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग नालूपानी में भारी भूस्खलन से सड़क प पूरा श्पहाड़श आ गिरा है जिससे हाईवे पर दोनों ओर से देर रात्रि तक वाहनों की लंबी कतारें लगी थी। लोग हाईवे खुलने के इंतजार में बैठे हैं।

इधर जिला परिचालन केंद्र उत्तरक. ाशी ने बताया कि बीआरओ की मशीनें दोनों तरफ से कार्य में जुटे है

मार्ग को खोलने में 3-4 घंटे लगने की संभावना है ।

गौरतलब है कि इस बरसाती सीजन में दरकता गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग आपदा से बेहाल नजर आ रहा है। जगह-जगह भूधंसाव और भूस्खलन से गंगोत्री हाईवे पर आवागमन जोखिम भरा होने के साथ ही भागीरथी घाटी में भारी मुश्किल हालात का कारण बना है। खासकर आपदा के एक माह से अधिक समय के बाद भी धराली पहुंच से दूर है। इसके चलते गंगोत्री धाम की यात्रा भी ठप पड़ी है। नलूणा में पिछले दो दिन से मार्ग भारी भूस्खलन होने के कारण बंद है। बरसाती सीजन में गंगोत्री राजमार्ग पर भूस्खलन और भूधंसाव ने जमकर कहर बरपाया। हर्षिल-धराली में तेलगाड़ और खीर गंगा की बाढ़ भी हाईवे की बदहाली का कारण बना है।

इस बार धरासू से लेकर हर्षिल तक गंगोत्री हाईवे पर लैंडस्लाइड की ऐसी मार पड़ी कि अब तक भी स्थिति पटरी पर नहीं लौट सकी। डबरानी से लेकर सोनगाड़ के बीच बंद सड़क ने गंगोत्री हाईवे पर यातायात को सबसे अधिक प्रभावित रखा। गंगोत्री नेशनल हाईवे पर पर धरासू ,नालूपानी, रतूड़ीसेरा, बंदरकोट, नेताला, नलूणा, डबरानी, सोनगाड़ आदि सबसे संवेदनशील भूस्खलन प्रभावित जगह हैं। नाल. पानी और नलूणा सबसे संवेदनशील है, जहां बिन बारिश भी पहाड़ी से मलबा गिरता रहता है। नलूणा में पिछले दिनों से भूस्खलन होने के कारण बार बार बंद हो रहा है। सड़क मार्ग के बंद होने से लोग परेशानी में है।

क्वारना-मगरोली सड़क निर्माण की मांग ने पकड़ा जोर

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। क्वारना से मगरोली तक मोटर मार्ग के निर्माण की लंबे समय से चली आ रही मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। सामाजिक कार्यकर्ता यशपाल सिंह चौहान ने इस मुद्दे को उठाते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा और शीघ्र कार्रवाई की मांग की।

चौहान ने कहा कि क्वारना से मगरोली तक करीब तीन किलोमीटर की दूरी होने के बावजूद आज तक सड़क का निर्माण नहीं हो पाया है। मोटर मार्ग न होने से ग्रामीणों को रोजाना कठिन पैदल रास्ते से गुजरना पड़ता है, जिससे बुजुर्गों, बच्चों और बीमार व्यक्तियों को विशेष परेशानी झेलनी पड़ती है। किसानों को भी अपनी उपज बाजार तक पहुंचाने में दिक्कत होती है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में कई बार शासन-प्रशासन को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक न तो सड़क का सर्वे हुआ और न ही निर्माण कार्य शुरू हो सका। उन्होंने मांग की कि लोक निर्माण विभाग के माध्यम से इस मोटर मार्ग को शीघ्र स्वीकृत कर निर्माण प्रक्रिया शुरू की जाए।

जिलाधिकारी ने ज्ञापन प्राप्त करने के बाद आश्वासन दिया कि ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लिया जाएगा और आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित विभाग को पत्र भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि स्थानीय जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस दिशा में जल्द कदम उठाए जाएंगे।

बाइकों की भीषण टक्कर,3 की मौत 2 गंभीर

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। विकासनगर स्थित हरबर्टपुर क्षेत्र में दिल्ली-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर दो बाइकों (वाहन संख्या यूके16 एफ 8458 व यूके16 डी 1032) की आमने सामने जोरदार भिड़ंत हो गई. इस हादसे में दो बाइक सवारों की मौत हो गई, तीन बाइक सवार गम्भीर रूप से घायल हो गए, दोनों बाइकों पर पांच लोग सवार थे।

उत्तराखंड में सड़क हादसे रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। ऐसा ही एक हादसा रविवार देर रात विकासनगर में हरबर्टपुर इलाके में सामने आया है। यहां दो बाइकों पर पांच लोग सवार होकर अपने अपने गंतव्य की ओर जा रहे थे, अचानक ही दोनों बाइक सवार अपने वाहनों से नियत्रंण खो बैठे, तेज रफ्तार बाइकों

की आमने-सामने टक्कर हो गई, इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, तीन लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए, तीनों को गंभीर हालत में अस्पताल भिजवाया गया है।

विकासनगर पुलिस ने बताया कि देर रात हरबर्टपुर इलाके में सड़क हादसे की सूचना मिली. सूचना पाकर तत्काल थाना विकासनगर से पुलिस बल मौके पर पहुंचा। मौके पर सभी पांचों बाइक सवार गम्भीर घायल अवस्था में मिले थे, उन्हें निजी और 108 एंबुलेंस की मदद से नजदीकी अस्पताल लेहमन हरबर्टपुर विकासनगर में भर्ती कराया गया. इनमें से दो युवकों की उपचार के दौरान मौत हो गई है। तीन युवक गंभीर रूप से घायल हैं। जिनको हायर सेंटर रेफर किया गया।

मृतकों में वेदांश उम्र 20 वर्ष, पुत्र कमल उर्फ अरुण निवासी लंबरपुर बारोटीवाला, विकासनगर, धोनी कश्यप उम्र 20 वर्ष, पुत्र सोनीपाल सिंह, निवासी आसनपुल वार्ड नंबर 8 विकासनगर शामिल हैं। घायलों में रमनदीप सिंह उम्र 17 वर्ष, पुत्र अजमेर सिंह, निवासी वार्ड नं0 6 विवेक विहार हरबर्टपुर थाना विक. ासनगर, विवेक कश्यप उम्र 19 वर्ष पुत्र संजय निवासी आसान पुल विकासनगर, अंकित पुत्र ध्यान सिंह उम्र 22 वर्ष, निवासी रामगढ शाहपुर कल्याणपुर विकासनगर जिनको हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

विकासनगर कोतवाली के वरिष्ठ उपनिरीक्षक अशोक राठौड़ ने बताया कि रविवार देर रात को दिल्ली-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर बंशीपुर में राजस्थान मार्बल के पास बड़ा हादसा हो गया. यहां दो बाइकों की आपस में टक्कर हो गई. सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल रेस्क्यू किया, लेकिन अधिक चोट लगने के कारण दो लोगों की जान नहीं बचाई जा सकी। वहीं देर शाम पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार तीन घायलों में से एक घायल रमनदीप उम्र 17 साल, निवासी विवेक विहार हरबर्टपुर की उपचार के दौरान मौत हो गई।

एक नजर ....

सरकार को सेब उत्पादकों का समर्थन मूल्य करना चाहिए घोषित

उत्तरकाशी: जनपद में आराकोट से हर्षिल धराली वैली तक के सेब बाग. वानों पर आपदा की मार पड़ी है। सरकार को काश्तकारों को उभारने के लिए चाहिये कलेक्शन सेंटर बनाने चाहिए। वहीं क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने पूर्व में ही प्रदेश के मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री गणेश जोशी को किसानों की समस्यायों से अवगत कराया गया है जिससे सरकार की और से किसानों को हर हाल में राहत देने का आश्वासन दिया गया है।

धराली आपदा में दबे शवों कोनिकालना सरकार के लिए बड़ी चुनौती

उत्तरकाशी : सरकार को धराली आपदा में दबे शवों को निकालने के लिए बड़ी से बड़ी मशीनों की एयरलिफ्ट कर प्रभावित क्षेत्र में 20-25 फुट मलवे में दबे शवों को जल्द बाहर निकलना सरकार के लिए किसी अग्नि परीक्षा से कम नहीं है। परिजन अभी भी शवों की खोज के लिए टक टकी लगायें बैठे हैं। इतने भारी भरकम मलवे को उठाना कोई सादर कार्य नहीं इस लिए मोटे वजट की आवश्यकता होगी। कृषि एवं होटल-होम स्टे संचालकों ने ऋण लिया होगा सरकार को तत्काल ऋण को माफ करने और लोगों के रोजगार को पुन: स्थापित करने के लिए ब्याज मुक्त ऋण देना चाहिए।

सीएम की उपस्थिति से एजेंसियों में बेहतर समन्वय

राहत को मिशन बनाकर मुख्यमंत्री तीन दिनों तक ग्राउंड जीरो पर रहे हैं। राहत और बचाव कार्यों को युद्ध स्तर पर संचालित करने के साथ-साथ वह पल-पल की जानकारी ले रहे हैं। हर स्तर पर व्यवस्था पर भी मुख्यमंत्री की नजर रही ये ही वजह रही कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में रसद, कनेक्टिविटी तेजी से सुचारू हुई है। शासन के वरिष्ठ अधिकारी देहरादून स्थित राज्य आपदा परिचालन केंद्र के माध्यम से मुख्यमंत्री के साथ ही राहत व बचाव दलों के संपर्क में लगातार बने हुए हैं। सड़क संपर्क और पुल से कटे होने के कारण हेली सेवाओं ने राहत व बचाव कार्यों को गति देने में भूमिका निभाई। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, आइटीबीपी व अन्य केंद्र व राज्य की एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय में मुख्यमंत्री की उपस्थिति का प्रभाव साफ दिखाई दिया है। उनके नेतृत्व में बचाव कार्यों के लिए संसाधनों के एकत्रीकरण ने भी गति पकड़ी।

छोटी धाराओं पर बड़ी नदियों की निर्भरता

हिमालयी जल तंत्र जटिल है, जहां जलवायु परिवर्तन, ऊबड़-खाबड़ भू-आकृति, और मानवीय गतिविधियां आपदाओं को जन्म देती हैं। गंगा जैसी विशाल नदियां देवप्रयाग से शुरू होती हैं, लेकिन उनकी सहायक नदियां अलकनंदा और भगीरथी, और इनसे जुड़े छोटे गाड़-गदेरे, इनका असली जलस्रोत हैं। अंतरराष्ट्रीय जलवायु अनुसंधान केंद्र के अध्ययन के अनुसार, हिमालय में 70-80 प्रतिशत त्वरित बाढ़ें छोटी धाराओं से जुड़ी हैं, जो ऊपरी क्षेत्रों में भारी वर्षा या हिमपात के पिघलने से उत्पन्न पानी को तेजी से नीचे लाती हैं।

जिले में 15 साल से ऊपर के किशोरों को बनाया जाएगा साक्षर

रुद्रप्रयाग। भारत सरकार की ओर से उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम संचालित किया गया है। कार्यक्रम के तहत जनपद के शिक्षा से वंचित 15 साल से ऊपर के किशोरों को साक्षर बनाया जायेगा। सभी नागरिकों को साक्षर कर समाज की मुख्य धारा से जोड़ा जायेगा। जनपद के ऐसे वयस्क जो शिक्षा से वंचित रह गये हैं, को घर-घर सर्वे कर पहचान कर उन्हें घर पर ही प्रशिक्षकों द्वारा आधार भूत साक्षरता एवं संख्या ज्ञान प्रदान किया जायेगा। उन्हें बुनियादी शिक्षा के साथ महत्वपूर्ण जीवन कौशल व व्यावसायिक कौशल प्रदान किया जायेगा। साथ ही उन्हें डिजिटल साक्षरता ज्ञान भी प्रदान किया जायेग

प्रतिबंध के बावजूद अवैध खनन का सिलसिला थम नहीं रहा

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। मानसून सीजन के दौरान नदियों से खनन पर सख्त प्रतिबंध होने के बावजूद पछवादून क्षेत्र में अवैध खनन का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। पिछले कई दिनों से सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रहे हैं।

इसी क्रम में सोमवार को एक और वीडियो वायरल होते ही कोतवाली पुलिस हरकत में आई। पुलिस टीम ने अम्बाड़ी घाट पर दबिश देकर अवैध उपखनिज से भरी चार ट्रैक्टर-ट्राली को बरामद कर सीज कर दिया। इस मामले में एसएसआई अशोक राठौर ने बताया कि बरामद ट्रैक्टर-ट्राली को थाने लाकर सीज किया गया है। साथ ही अवैध खनन व उपखनिज भंडारण की जांच के लिए आगे की कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

पुलिस की इस कार्रवाई से खनन माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है, वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि मानसून में खनन पूरी तरह प्रति. बंधित होने के बावजूद इस तरह की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिस पर सख्त रोक लगाने की जरूरत है। सामाजिक कार्यकर्ता भरत चौहान का कहना है कि डाकपत्थर बैराज डेम से लगते हुए क्षेत्र में सरेआम दर्जनों वाहनों को रोजाना अवैध खनन करते हुए देखा जा सकता है, जिससे स्थानीय लोग भी परेशान हैं। जिसकी शिकायत करने पर संबंधित विभाग अपना पल्ला झाड़ लेते है।

धराली आपदा सीएम ने स्वयं संभाला था मोर्चा

■ उत्तरकाशी:धराली आपदा में सीएम धामी की : प्रशासनिक क्षमता के साथ राजनी. तिक नेतृत्व के रूप में मजबूत छवि गढ़ी है ।

शाह टाइम्स संवाददाता

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने धराली हर्षिल में पांच अगस्त को खीरगंगा में आई भिषण त्रासदी के बाद आंध्र प्रदेश का कार्यक्रम रद्द कर तत्काल सक्रियता दिखाते हुए ग्राउंड जीरो पर उतरकर कर मोर्चा संभाला।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पीड़ितों को सांत्वना दी और राहत कार्यों में तेजी आई है। मुख्यमंत्री ने आपदा राहत कार्यों के लिए एक माह का वेतन देने की घोषणा भी की। उनकी तत्परता ने प्रशासन और राहत एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में मदद की। पांच अगस्त को खीरगंगा में आई भिषण जल प्रलय से तबाह धराली की सिसकियां भी मलबे में रुंध गई। आपदा से कराहते क्षेत्र से गंगोत्री हाईवे, बिजली, संचार, पानी का नाता भी टूट गया था। भागीरथी घाटी का यह भूभाग कातर निगाहों में राहत और बचाव की उम्मीदें संजोए रहा, तब उसे हमदर्द और हौसले, दोनों की सख्त जरूरत थी। ऐसी विकट घड़ी में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस दर्द को समझा भी और बगैर समय गंवाए तुन दिनों तक ग्राउंड जीरो पर उतरकर मोर्चा संभाला। तुरंत सक्रिय और निर्णय लेकर धामी ने प्रशास. निक क्षमता के साथ प्रदेश के राजनीतिक नेतृत्व के रूप में मजबूत छवि गढ़ी है।

सरकार का मुखिया स्वयं आपदाग्रस्त क्षेत्र में डटा हो तो मशीनरी के लिए भी राहत और बचाव कार्यों में ढिलाई बरतना संभव नहीं हो पाता। देहरादून से लेकर उत्तरकाशी तक पूरा तंत्र सक्रिय रहा।

आपदाग्रस्त क्षेत्रों में मुख्यमंत्री धामी सबसे पहले पहुंचे तो पीड़ित भी अपने बीच उन्हें पाकर लिपटे, कंधे पर सिर रखा और बिलखने लगे। सांत्वना और विश्वास के रूप में धामी उनके बीच थे।

गहरे जख्म दे गया मानसून, सरकार के लिए बड़ी चुनौती

चिरंजीव सेमवाल

उत्तरकाशी: मानसून के विदाई की भले है उल्टी गिनती शुरू गई है ध्‌ लेकिन जो जख्म इस इस बार आपदा ने उत्तराखंड को दे गया उसकी भरपाई के करने के लिए सायद सरकार को पांच सौ करोड़ की धनराशि भी कम ही पड़ सकती है।

■ उत्तरकाशी: ऑल वेदर रोड खंड-मंड बनकर रह गई

अकेले उत्तरकाशी जनपद की बात करें तो यहां आपदा ने पूरे अगस्त के मिहने में जो तांडव मचाया उससे इससे उबर पाना सरकार के लिए भी अग्नि परीक्षा है। उत्तरकाशी जिले में गंगोत्री- यमुनोत्री तीर्थ धाम से हजारों लोगों की आर्थिक टीकी है। दो महिने से अधिक समय हो गया लेकिन तीर्थ धामों में सन्नाटा पसरा हुआ है। इतना ही नहीं।

उत्तरकाशी जिले में हर्षिल और यमुना, टोंस वैली फल पट्टी के रूप में है लेकिन इस बार टूटी सड़कों से सेब की फसले समय से बाजार तक नहीं पहुंच पा रही है।

उत्तरकाशी में इस साल की बारिश ने पहाड़ों पर ऐसा कहर ढाया, जैसा 10-15 वर्षों वर्षों में कभी नहीं देखा गया। चारधाम की सड़कों का चेहरा बिगड़ चुका हैख्रकहीं दरक गई, कहीं बह गई, कहीं गहरी खाइयों में समा गईं। स्थानीय लोगों व श्रद्धालुओं का सफर भगवान के भरोसे है।

विकास के नाम पर बनी ये राहें आज डर और असुरक्षा का प्रतीक बन गई हैं। उत्तराखंड की मुख्य सड़कों का हाल देखकर अब एहसास होता है कि ऑल वेदर रोड दरअसल श्खंड-मंडश बनकर रह गई है, लेकिन उसका घमंड अब भी बरकरार है। इसके अतिरिक्त जिले की 85 फीसदी सड़कें बुरी तरह से भूस्खलन, भू-धंसाव की चपेट में आई है टूटी सड़कों और पुलों को ठीक करना सरकार के लिए टेडी खीर बनी हुई है।

सेना का मिला प्रदेश सरकार को भरपूर सहयोग

इस पूरे ऑपरेशन में भारतीय वायुसेना के 2 चिनूक, 2 एमआई-17, चार अन्य हेलीकाप्टर, राज्य सरकार के आठ हेलीकाप्टर, एक आर्मी एएलएच और दो चीता हेलीकाप्टर संचालित हो रहे हैं। इस कारण प्रभावितों तक राहत तेजी से पहुंच रही है।जमीनी स्तर पर राजपुताना राइफल्स के 150 जवान, घातक टीम के 12 कमांडो, एनडीआरएफ के 69, एसडीआरएफ के 50 जवान, चार मेडिकल टीमें, 9 फायर टीमें, 130 आईटीबीपी के जवान, और बीआरओ के 15 कर्मियों समेत कुल 479 अधिकारी-कर्मचारी दिन-रात तैनात हैं।

भाजपा ने 17 से 2 अक्टूबर तक के कार्यक्रमों की दी जानकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। भारतीय जनता पार्टी जिला देहरादून द्वारा प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर चलाए जाने वाले सेवा पखवाड़ा के सन्दर्भ में विकासनगर एक वडिंग पॉइंट में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पधारे पूर्व संगठन महामंत्री.प्रदेश में दर्जा धारी राज्यमंत्री ज्योति प्रसाद गैरोला द्वारा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलाए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि 17 तारीख को जिलास्तर पर रक्तदान शिविर आयोजित किया जाना है और 75 न्यूनतम रक्त दाताओं से लेकर 150 या इसी अनुपात में रक्तदान हेतु रक्त दाताओं को आमंत्रित किया जाना है। उन्होंने कहा कि 18 से 2 अक्टूबर तक सभी मंडलों में रक्तदान शिविर लगने हैं। 21 तारीख को जिला स्तर पर न्यूनतम 500 धावकों की मैराथन दौड़ आयोजित की जानी है। 23 सितंबर को पं0 दीन दयाल उपाध्याय की जयंती के कार्यक्रम आयोजित किया जायेंगे। 24 से 26 तक पर्यावरण संरक्षण. के कार्यक्रम किए जाने हैं।

उन्होंने कहा आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य के लिए स्वदेशी सामान को खरीदने के लिए प्रेरित किया जाना है। 27 और 28 को दिव्यांगों को उपकरण वितरण किया जाएगा। 2 अक्टूबर को लाल बहादुर शास्त्री एवं राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की जयंती के कार्यक्रम के साथ सफाई अभियान चलाया जाना हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मीता सिंह द्वारा की गई। इसी के साथ देहरादून ग्रामीण की नवनियुक्त कार्यकारिणी का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन अमित डबराल एवं यशपाल नेगी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सहसपुर विधायक सहदेव पुंडीर, राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त भुवन बिक्रम डबराल, प्रदेश प्रवक्ता नवीन ठाकुर, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संतोष रावत, जिला मीडिया प्रभारी देवेंद्र चावला, नवीन रावत, ऋषभ अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष राहुल शर्मा, अनुज गुलरिया, शुभम गर्ग, अरूण मित्तल, पूर्व जिला अध्यक्ष ओमवीर सिंह राघव, उपाध्यक्ष अमर सिंह चौहान, मंडल अध्यक्ष संजय चौहान, युवा मोर्चा अध्यक्ष संजय तोमर, प्रदीप वर्मा, प्रमोद कुमार, मो. निका अग्रवाल, आकाश मुल्तानी, विनय सैनी, रितेश अस्वाल, मधु राघव आदि उपस्थित रहे।

विष्णुगाड़ परियोजना बनने से पहले ही उजड़ने लगे गांव

शाह टाइम्स संवाददाता

पीपलकोटी।विष्णुगाड़ जलविद्युत परियोजना पीपलकोटी 444 मेगावाट निर्माणाधीन परियोजना के बनने से पहले ही कही गांव उजड़ने लगे हैं। पल्ला के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंप कर टीएचडीसी के टनल निर्माण को भू-धंसाव का कारण बताते हुए विस्थापन की मांग की।

टीएचडीसी की विष्णुगाड़ जल विद्युत परियोजना से लगभग 22 गांव प्रभावित हैं। जिसमें हाट गांव को डंपिंग जोन के नाम पर उजाड़ दिया गया है। ग्रामीणों के आंदोलन के बाद जिस पर हाईकोर्ट की रोक लगी है! दूसरी ओर टीएचडीसी के तेंदुली - गुनियाला सड़क निर्माण से हुए भूस्खलन से मठ गांव खतरे में है। यहां 15 से अधिक परिवार खतरे की जद में आ गए हैं। वर्ष 2023 में भारी बारिश के बाद भूस्खलन घर के आंगन तक पहुंच गया है। खतरे को देखते हुए पांच परिवारों को दूसरे घरों में शरण लेनी पड़ी। भूस्खलन का दायरा लगातार बढ़ रहा है। मानसून सीजन में हुई भारी बारिश में लोगों द्वारा रतजगा किया गया। प्रभावित परिवार कुलदीप नेगी ने बताया कि कंपनी के सड़क निर्माण से हुए भूस्खलन से पूरा मठ गांव खतरे की जद में है। साथ ही गांव का पौराणिक पानी का धारा भी सूख गया है। बावजूद कंपनी द्वारा ग्रामीणों की कोई सुध नहीं ली जा रही है। उन्होंने कहा कि जल्द ही विस्थापन को लेकर कंपनी के खिलाफ आंदोलन किया जाएगा।

वहीं पिछले सप्ताह ज्योर्तिमठ विकास के अंबेडकर गांव पल्ला में भू-धंसाव होने से 30 परिवार खतरे की जद में आ गए हैं। लोगों की जिंदगी भर की कमाई उनके आंखों के सामने देखते ही देखते जमींदोज हो गई हैं। ग्रामीण प्रशासन द्वारा दिए गए टैंटों में रात गुजारने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि विष्णु गाड़ जल विद्युत परियोजना के टनल निर्माण में हो रहे भारी विस्फोट से गांव में भू-धंसाव हुआ है। ग्रामीणों ने टीएचडीसी से विस्थापन की मांग की है। शनिवार को ग्रामीणों ने जिलाधिकारी चमोली संदीप तिवारी को ज्ञापन सौंप कर भू-धंसाव के लिए टीएचडीसी को जिम्मेदार ठहराते हुए विस्थापन की मांग की गई। ज्ञापन देने वालों में पल्ला जखोला के प्रधान लक्ष्मी देवी,वन पंचायत सरपंच उमा देवी,लंगसी के प्रधान विनोद भंडारी,जखोला के क्षेत्र पंचायत सदस्य मुकेश सेमवाल, दर्शन लाल, प्रेमलाल, जिला पंचायत सदस्य रमा राणा, भाकपा माले के गढ़वाल सचिव अतुल सती सहित अन्य उपस्थित रहे थे।

वकील बनाम आरटीआई एक्टिविस्ट मामले ने पकड़ा तूल

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। तहसील परिसर विकासनगर में वकीलों और आरटीआई एक्टिविस्ट के बीच हुआ विवाद अब तूल पकड़ चुका है। जिसके चलते कोतवाली विक. ासनगर पुलिस ने आरटीआई एक्टिविस्ट की तहरीर पर वकीलों के खिलाफ संगीन धाराओं में मुक. दमा दर्ज किया है, तो वहीं वकील की तहरीर पर आरटीआई एक्टिविस्ट पर भी केस दर्ज कर लिया गया।

वकीलों के खिलाफ दर्ज हुए मुक. दमें को लेकर वकील बेहद आक्रोशित हैं। वकीलों का आरोप है कि आरोपी व्यक्ति लंबे समय से आरटीआई की आड़ में ब्लैकमेलिंग करता आ रहा है और एक स्थानीय वकील से पाँच लाख की फिरौती तक मांग चुका है।

विरोध करने पर उसी ने झूठा मुकदमा दर्ज करा दिया। पुलिस ने बिना जांच और साक्ष्य जुटाए सीधे गंभीर धाराएं थोप दीं, जो सरासर गलत है।

जिसके खिलाफ वकील लामबंद होकर कल से कार्य बहिष्कार कर रहे हैं। कहा कि अगर जल्द ही इस मामले निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई न हुई तो उनका यह कार्य बहिष्कार उग्र रूप ले लेगा।

प्रदेश में संस्थागत प्रसव से घटी नवजात शिशु मृत्यु दर

डॉ. रावत की एक और पहल लाई रंग, गर्भवती महिलाओं की देखभाल में आशाओं ने निभाई अहम भूमिका

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। विषम भौगोलिक परिस्थितियों और अन्य चुनौतियों के बावजूद भी प्रदेश में नवजात मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर और 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर में आई उल्लेखनीय गिरावट राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ होने का प्रमाण है। यह उपलब्धि स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के नेतृत्व व सतत प्रयासों का प्रतिफल है, जिनकी पहल पर प्रदेशभर में संस्थागत प्रसव को बढ़ावा मिला और आशाओं के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गई। जिसका नतीजा है कि राज्य में नवजात मृत्यु दर में कमी दर्ज की गई।

भारत सरकार के महापंजीयक सर्वे-2022 की रिपोर्ट खासी उत्साहजनक है। राज्य में नवजात शिशुओं की मृत्यु दर में आई कमी इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्थाएं सुदृढ़ हुई हैं। इसमें सबसे अहम भूमिका आशाओं की रही, जिनके अथक प्रयासों से गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की स्वास्थ्य देखभाल में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। राज्य सरकार शिशु मृत्यु दर को न्यूनतम स्तर पर लाने के लिये लगातार प्रयासरत है..- **डॉ. धन सिंह रावत, स्वास्थ्य मंत्री, उत्तराखंड।**

भारत सरकार के महापंजीयक की ओर से जारी किये गये वर्ष 2022 के आंकड़ों के अनुसार राज्य में नवजात मृत्यु दर 15 प्रति हजार जीवित जन्म, शिशु मृत्यु दर 21 प्रति हजार जीवित जन्म तथा 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर 25 प्रति हजार जीवित जन्म है। जो पिछले वर्षों की तुलना में भारी कमी दर्शाते हैं। यह सुधार राज्य के मजबूत स्वास्थ्य ढांचे और स्वास्थ्य विभाग की धरातल पर की गई पहलों का प्रत्यक्ष प्रणाम है। इसका श्रेय प्रदेश के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत को जाता है। जिनके मार्गदर्शन में प्रदेशभर में संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहित किया गया और गर्भवती महिलाओं के शतप्रतिशत टीकाकरण एवं समुचित देखभाल हेतु आशाओं के माध्यम से विशेष अभियान चलाये गये। साथ ही खुशियों की सवारी योजना सहित अन्य योजनाओं का लाभ भी गर्भवती महिलाओं को पहुंचाया गया। जो शिशु मुत्यु दर में गिरावट में अहम साबित हुये। इसके अलावा प्रदेशभर में नवजात की देखभाल के लिये चिकित्सा इकाईयों में सुविधाओं का भी दायरा बढ़ाया गया। जिसमें राज्य के अस्पतालों में 4 नवजात आई.सी.यू स्थापित किये गये। इसके अलावा 9 स्पेशल न्यू बोर्न केयर यूनिट, 34 न्यू बोर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट, 289 नवजात शिशु देखभाल कार्नर तथा 47 कंगारू मदर केयर यूनिट संचालित की जा रही है। जबकि वर्ष 2024-25 में जिला चिकित्सालय देहरादून व रूद्रप्रयाग में न्यू बोर्न केयर यूनिट क्रियाशील किये गये। जिसके चलते वित्तीय वर्ष 2024-2025 में नवजात आईसीयू, स्पेशल न्यू बोर्न केयर यूनिट में कुल 4,643 नवजातों का सफल उपचार किया गया। इसके साथ ही प्रदेशभर में एनीमिया मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 6-59 माह आयु बच्चों को आयरन फोलिक एसिड सिरप की खुराखें दी गई। साथ ही प्रदेशभर में 5 से 9 आयु वर्ष के बच्चों को आयरन फोलिक एसिड पिंक टैबलेट दी गई। वहीं स्टॉप डायरिया अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों का ओआरएस तथा जिंक कवरेज 90 फीसदी रहा। जिससे बच्चों को गंभीर बीमारियों से बचाव मिला। से दूर रखा।प्रदेश के चार जनपदों देहरादून, पिथौरागढ़, नैनीताल और अल्मोड़ में स्पेशल न्यू बोर्न केयर यूनिट कर्मियों के लिये डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पातल नई दिल्ली के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा 15 दिवसीय ऑन-साइट हैंड होल्डिंग की गई। इस पहल से राज्य के चिकित्सकों की नैदानिक दक्षता और सेवा मानक में व्यापक सुधार हुआ।

17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक उत्तराखंड में लगेगा स्वास्थ्य का महाकुंभ

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एंव स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत के स्पष्ट निर्देशों पर उत्तराखंड स्वास्थ्य विभाग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितम्बर से लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्मदिन 2 अक्टूबर तक पूरे प्रदेश में ष्स्वास्थ्य पखवाड़ाष आयोजित करने की व्यापक तैयारियां तेज कर दी हैं। इसको लेकर स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने राज्य सचिवालय में विभागीय अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तराखंड सरकार का लक्ष्य आम जनता तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाना है। स्वास्थ्य पखवाड़े के दौरान प्रदेशभर में मेडिकल कॉलेजों, जिला व उप जिला चिकित्सालयों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों और उप केन्द्रों में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में मरीजों को जांच, परामर्श और दवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही जगह-जगह वृहद रक्तदान शिविर भी आयोजित होंगे, जिनमें आम नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और छात्र-छात्राओं को भी सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता करते हुए स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एंव स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत के नेतृत्व में प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए लगातार ठोस प्रयास कर रही है। ष्स्वास्थ्य पखवाड़ाष इसी दिशा में एक बड़ा कदम है, जिसका उद्देश्य न केवल स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ कराना है, बल्कि लोगों को बीमारियों के प्रति जागरूक करना और स्वैच्छिक भागीदारी को बढ़ावा देना भी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वास्थ्य पखवाड़े को सफल बनाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए और प्रत्येक स्तर पर उसकी मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अभियान का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि समाज का हर वर्ग इससे लाभान्वित हो सके।

सम्बन्ध-विच्छेद सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपनी माताजी शिक्षा देवी, छोटा भाई प्रदीप उर्फ मिन्टू सरोहा व बहन पायल पत्नी सचिन नि0 कस्बा बुढ़ाना जि0 मुजफफरनगर से इनके हिंसक व अपराधिक प्रवृति आचरण के कारण समस्त सम्बन्ध विच्छेद कर लिये हैं। भविष्य में उपरोक्त व्यक्तियों के किसी भी प्रकार के कृत्यों लेन देन की जिम्मेदारी मेरी व मेरी पत्नी एंव मेरे पुत्र की नहीं होगी।

संदीप सरोहा पुत्र स्व0 राममेहर सिंह सरोहा, वर्तमान नि0 11 ऋषि एन्कलेव नियर भवानी शंकर आश्रम ढण्डेरा तहसील रूड़की जिला हरिद्वार।

कार्यालय नगर निगम, ऋषिकेश।

पत्रांक: 2955/ (11)स्वा0अनु0/2024-25 दिनांक: 08/09/2025

ई-निविदा सूचना

नगर निगम ऋषिकेश क्षेत्रान्तर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना व स्वच्छ सर्वेक्षण घटकों की नियमित निगरानी एवं ऑनलाइन डॉक्यूमैन्टेशन के लिए अनुभवी पी0एम0सी0/पी0एम0यू0 के चयन हेतु इच्छुक निविदादाताओं / सेवाप्रदाताओं फर्मो से दिनांक 25.09.2025 को अपराह्न 04:00 बजे तक दोहरी निविदा प्रणाली (तकनीकी एंव वित्तीय) अन्तर्गत ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र /विवरण दस्तावेज़ दिनांक 09/09/2025 सांय 04:00 बजे से uktenders.gov.in पोर्टल पर उपलब्ध रहेगा। अधिक जानकारी के लिए किसी भी कार्यदिवस पर नगर निगम ऋषिकेश से सम्पर्क किया जा सकता है।

सहायक नगर आयुक्त, नगर निगम ऋषिकेश। | नगर आयुक्त, नगर निगम ऋषिकेश।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विक्रय पत्र दिनांक 30.08.2025 को हाथी बडकला के पास कहीं खो गया हैं जिनमें पूर्व विक्रेता श्री गुरदेव सिंह सेठी पुत्र श्री कृपाल सिंह सेठी है जो क्रेता श्री राजिन्दर कुमार गोयल पुत्र श्री श्याम सुन्दर गोयल के हक में निष्पादित हो रखी है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार कार्यालय देहरादून में बही नं. 1 जिल्द 2716 पृष्ठ 45 ए.डी.फा. बुक नं. 1 जिल्द 2908 पृष्ठ 79 से 94 मे.नं. 10973 पर दिनांक 30.11.1987 को विधिवत् दर्ज व पंजीकृत है। विक्रय पत्र किसी भी बैंक, वित्तीय संस्थान आदि में बंधक नहीं है और ना ही उपरोक्त विक्रय पत्र पर किसी भी बैंक अथवा वित्तीय संस्थान से ऋण नही लिया गया है। जिस किसी को मिले संपर्क करें। अधिवक्ता परवेन्द्र कुमार मो0 नं0 9758527116 , ब्लॉक नं. 2, चैंबर नं. 58, नई बिल्डिंग, बार एसोसिएशन बिल्डिंग के पास, कोर्ट कंपाउंड, देहरादून, उत्तराखंड।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता अस्थाई खण्ड लोक निर्माण विभाग ऋषिकेश (देहरादून)

Phone:- 0135-2430660

Website-http://pwd.uk.gov.in E-Mail- eetdrksh@gmail.com

पत्रांकः 2918 / निविदा **अति अल्पकालीन निविदा सूचना** दिनांक 06 / 09 / 2025

महामहिम राज्यपाल, उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी, द्वारा निम्नलिखित कार्यो हेतु सील्ड निविदा आंमत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 08.09.2025 से दिनांक 15.09.2025** तक किसी भी कार्य दिवस में निम्न कार्यालयों से प्राप्त किये जा सकते है तथा **दिनांक 15.09.2025 दोपहर 11:00** तक इन्ही कार्यालयों में डाले जा सकते है। निविदा दिनॉक 15.09.2025 को 04:00 बजे निविदा खोलने हेतु गठित समिति द्वारा उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।

1- कार्यालय, अधीक्षण, अभियन्ता, 9 वों वृत्त, लो0नि0वि0, देहरादून। 2- कार्यालय, अधिशासी अभियन्ताा, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, देहरादून। 3- कार्यालय, अधिशासी अभियन्ता, अस्थाई खण्ड, लो0नि0वि0, ऋषिकेश।

कम सं0	कार्य का नाम	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य (जी0एस0टी0 अतिरिक्त)	निविदा की वैधता	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदार की पंजीकृत श्रेणी
1	बाढ़ एंव भूस्खलन वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत ग्राम पंचायत सिन्धवाल गॉव को थानों से जोडने वाले मार्ग के किमी0-1, क्रा0से0-0/16 से 0/18 में विदालना नदी द्वारा हुये कटाव के कारण क्षतिग्रस्त दीवारों के पुनर्निर्माण का कार्य।	72000.00	2,000.00+18% GST	60 दिन	3 माह	मार्ग निर्माण कार्य में श्रेणी 'डी' एवं उच्चतर
2	बाढ़ एंव भूस्खलन वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत ग्राम पंचायत सिन्धवाल गॉव को थानों से जोडने वाले मार्ग के किमी0-1, क्रा0से0-0/18 से 0/20 में विदालना नदी द्वारा हुये कटाव के कारण क्षतिग्रस्त दीवारों के पुनर्निर्माण का कार्य।	72000.00	2,000.00+18% GST	60 दिन	3 माह	मार्ग निर्माण कार्य में श्रेणी 'डी' एवं उच्चतर

निविदा से सम्बन्धित समस्त प्रपत्र (स्टाम्प पेपर, एफ0डी0आर0 आदि) निविदा आमत्रंण की तिथि के पश्चात के ही मान्य होगें। ठेकेदार द्वारा पंजीकरण की प्रति खण्ड़ीय रोकडिया को उपलब्ध कराये जाने के पश्चात ही निविदा प्रपत्र निर्गत किये जायेगें। स्टाम्प पेपर पर निविदा की वैद्यता एवं सम्बन्धित निविदा का विवरण अंकित होना अनिवार्य होगा।

किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।

अधिशासी अभियन्ता
अस्थाई खण्ड लो0नि0वि0 ऋषिकेश

कार्यालय सहायक अभियन्ता सिंचाई उपखण्ड कर्णप्रयाग

पत्रांकः- 309/स0अ0-द्वितीय/टी-4 दिनांकः- 08.09.2025

निविदा सूचना संख्या- 06/स0अ0-द्वितीय/2025-26

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड की ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु वर्गीकृत श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों से दिनांक 22.09.2025 को 11:30 बजे तक मुहरबन्द निविदायें आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिन 12:00 बजे उपस्थित ठेकेदारों के समक्ष अधोहस्ताक्षरी द्वारा खोली जायेंगी। निविदा से सम्बन्धित भार्ते तथा प्रपत्र दिनांक 06.09.2025 से 21.09.2025 तक सायं 17:00 बजे तक किसी भी कार्यदिवस पर इस कार्यालय से निर्धारित मूल्य अदा करने पर प्राप्त किये जा सकते है।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि	कार्यावधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	ठेकेदार की वर्गीकृत श्रेणी
जिला योजना (प्रा0शि0) 2025-26					
1	विकासखण्ड कर्णप्रयाग मेंरा0उ0प्रा0वि0 ठांग्वाड गनोली कर्णप्रयाग भवन वृहद मरम्मत कार्य।	21000.00	03 माह	1000+18%GST	डी अथवा उच्चीकृत
2	विकासखण्ड कर्णप्रयाग में रा0प्रा0वि0 सुनाली कर्णप्रयाग किचन व शौचालय मरम्मत।	15000.00	03 माह	500+18% GST	डी अथवा उच्चीकृत
3	विकासखण्ड नारायणबगड में रा0प्रा0वि0 माल नारायणबगड शौचालय निर्माण।	15000.00	03 माह	500+18% GST	डी अथवा उच्चीकृत
4	विकासखण्ड नारायणबगड में रा0प्रा0वि0 गैरबारम नारायणबगड फर्श मरम्मत।	9000.00	03 माह	500+18% GST	डी अथवा उच्चीकृत
5	विकासखण्ड कर्णप्रयाग में रा0प्रा0वि0 मझखोला भवन वृहद मरम्मत।	21000.00	03 माह	1000+18% GST	डी अथवा उच्चीकृत
6	विकाराखण्ड कर्णप्रयाग गें रा0उ0प्रा0वि0 बौंला भवन वृहद गरग्गत	21000.00	03 गाह	1000+18% GST	डी अथवा उच्चीकृत
7	विकासखण्ड कर्णप्रयाग में रा0प्रा0वि0 भकुण्डा वृहद मरम्मत कार्य।	21000.00	03 माह	1000+18% GST	डी अथवा उच्चीकृत
8	विकासखण्ड नारायणबगड में रा0प्रा0वि0 झिंझौणी वृहइ मरम्मत कार्य।	21000.00	03 माह	1000+18% GST	डी अथवा उच्चीकृत
9	विकासखण्ड नारायणबगड में रा0उ0प्रा0वि0 गढसीरा नारायणबगड वृहद मरम्मत।	21000.00	03 माह	1000+18% GST	डी अथवा उच्चीकृत
10	विकाराखण्ड नारायणबगड गें रा0प्रा0वि0 हरगनी तल्ली सीडी निर्गाण एवं लघु गरग्गत कार्य।	21000.00	03 गाह	1000+18% GST	डी अथवा उच्चीकृत
विशेष मरम्मत					
11	कर्णप्रयाग विकासखण्ड की सेम भटोली मुख्य नहर का गरग्गत कार्य।	4500.00	03 माह	500+18% GST	डी अथवा उच्चीकृत
12	कर्णप्रयाग विकासखण्ड मे कल्याणी मुख्य नहर का कार्य।	6000.00	03 माह	500+18% GST	डी अथवा उच्चीकृत
13	विकासखण्ड कर्णप्रयाग के झिरकोटी नहर की फील्डगूलों का मरम्मत कार्य।	6000.00	03 माह	500+18% GST	डी अथवा उच्चीकृत
14	विकासखण्ड कर्णप्रयाग के बोलासेरा नहर की फील्डगूलों का गरग्गत कार्य।	6000.00	03 माह	500+18% GST	डी अथवा उच्चीकृत
15	विकासखण्ड नारायणबगड की नगरकोटियाणा नहर का मरम्मत कार्य।	6000.00	03 माह	500+18% GST	डी अथवा उच्चीकृत
16	विकासखण्ड कर्णप्रयाग की कल्याणी मल्ली गूल का मरम्मत कार्य।	6000.00	03 माह	500+18% GST	डी अथवा उच्चीकृत
17	विकासखण्ड कर्णप्रयाग की नोटी फीडर गूल का मरम्मत कार्य।	6000.00	03 माह	500+18% GST	डी अथवा उच्चीकृत
2701 ए0आर0 (आवासीय/अनावासीय)					
18	विकासखण्ड कर्णप्रयाग मे गौचर में स्थित आवासीय भवन का मरम्मत कार्य।	12000.00	03 माह	500+18% GST	डी अथवा उच्चीकृत

गिविदा से सम्बन्धित अन्य शर्ते किसी भी कार्य दिवस में इस कार्यालय के गोटिस बोर्ड से देखी जा सकती है।

सहायक अभियन्ता
सिंचाई उपखण्ड कर्णप्रयाग

सेवा पखवाड़ा कार्यक्रमों को लेकर मंथन

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा पखवाड़ा के लिए जिला कार्यशाला आयोजित की गई।जिला कार्यशाला में मुख्य वक्ता प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेंद्र बिष्ट ने सभी कार्यकर्ताओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस से 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाया जाएगा।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
स्थानीय सम्पादक
चेतन गुरूंग
देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून
☎0135-2743363
R.N.I. No.UTT HIN 2001/05656
मोबाइल-9720007290
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय श्रीमान अतिरिक्त परिवार न्यायाधीश, मुरादाबाद
वाद संख्या:-1050 सन् 2022
तारीख पेशी: 29.09. 2025
धारा: 13 H.M. Act
अतीश ठाकुर बनाम श्रीमति प्रगति उर्फ नीतू

अतीश ठाकुर उम्र 39 वर्ष पुत्र महेन्द्र ठाकुर निवासी मकान नम्बर बी-98 हिमगिरी कालोनी मुरादाबाद-**वादी।**

बनाम

श्रीमती प्रगति उर्फ नीतू उम्र 36 वर्ष पत्नी अतीश ठाकुर पुत्री महाकिल अखाई निवासी एफ.आर.आई. भवन सख्या 27 टाइप सैकेण्ड देहरादून।
............**प्रतिवादी।**

हरगाह **वादनी** ने आपके नाम एक एवं नालिश बावत **धारा: 13 हिन्दू विवाह अधिनियम** के दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि तारीख 29 माह 09 सन् 2025 बवक्त 10 बजे दिन के असालतान या मार्फत के जो उमूर अहम मुताल्लिके मुकदमे का जवाब दे सके या जिसके पास कोई और शख्स जो जवाब ऐसे सवालात का दे सके, हाजिर हो और जवाब देही दावे की करे और आपको वाजिव है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज पेश करें जिन्हें अपनी जवाब देही में इस्तेमाल करना चाहते है। आपको इत्तिला दी जाती है कि आप अगर बरोज मजकूर हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिर आपके मन्सूख और फैसला होगा। दस्तख्त मेरे व मोहर आज बतारीख 08 के माह 09 सन् 2025 को जारी किया है।

अहलमद
अतिरिक्त परिवार न्यायालय जनपद-मुरादाबाद।

केनरा बैंक (भारत सरकार का उपक्रम) Canara Bank A Government of India Undertaking

आस्ति वसूली प्रबंधन (एआरएम) ।। शाखा
ए-27, प्रथम तल, हौज खास, नई दिल्ली-110016
ईमेल: cb3038@canarabank.com

ई-नीलामी बिक्री सूचना

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को और विशेष रूप से ऋणी(यों) व गारंटरों को सूचित किया जाता है, कि प्रतिभूति ऋणदाताओं को बंधक/दृष्टिबंधक/प्रभारित नीचे वर्णित चल/अचल सम्पत्ति, जिस पर केनरा बैंक, के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कब्जा लिया गया है, को "जहां है जैसी है", "जो है कैसी है" और जैसी भी है" के आधार पर नीचे वर्णित दिनांकों को बंधक सम्पत्ति की बिक्री आयोजित की जाएगी। प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) और 9 के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन धारा अधिनियम 2002 के अधीन बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए कृपया https://baanknet.com/ (मैसर्स पीएसबी एलायंस प्राइवेट लिमिटेड),, (सम्पर्क नं. 8291220220, ईमेल: Support.BAANKNET@psballiance.com या केनरा बैंक की वेबसाइट www.canarabank.com में दिए गए लिंक "ई-नीलामी" को देखें। आरक्षित मूल्य की 10% ईएमडी राशि मैसर्स पीएसबी एलायंस प्राइवेट लिमिटेड https://baanknet.com/ पोर्टल के ई-वॉलेट में सीधे जमा की जानी है या चालान बनाकर उक्त चालान में उल्लिखित खाता विवरण में आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से ईएमडी जमा करना है।

क्र. सं.	शाखा का नाम / कर्जदार/गारंटर्स/बंधककर्ता का नाम एवं पता	चल/अचल सपत्ति का विवरण और कब्जे की स्थिति	कुल बकाया राशि	a. आरक्षित मूल्य (रु.) b. धरोहर राशि (रु.) c. बोली वृद्धि (रु.) d. बिक्री सूचना की तिथि	ई-नीलामी की तिथि एवं समय (प्रत्येक 5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ) / ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	प्राधिकृत अधिकारी से पूर्व अपॉइंटमेंट लेकर सम्पत्ति का निरीक्षण किया जा सकता है और सम्पर्क व्यक्ति का नाम
1	**श्रीमती गुड़िया पत्नी बाबू राम (उधारकर्ता & बंधककर्ता)** पता- मकान नंबर-104/30 अंसारी मार्ग, मच्छी बाजार, देहरादून, उत्तराखंड-248001 **श्री बाबू राम पुत्र श्री तेज राम (गारंटर) पता-** मकान नंबर-104/30 अंसारी मार्ग, मच्छी बाजार, देहरादून, उत्तराखंड-248001	104/30 अंसारी मार्ग, देहरादून स्थित संपत्ति का भाग, परिमाप 75.27 वर्ग मीटर, जो गुड़िया पत्नी श्री बाबू राम के नाम पर है, जो सिविल जज, देहरादून की अदालत में वाद संख्या 637/2004- श्री तेजा राम एवं अन्य बनाम श्री रुप चंद में दिनांक 15-04-2005 को पारित न्यायालय के निर्णय एवं डिक्री के अनुसार श्री तेजा राम पुत्र श्री किशन चंद एवं श्री बाबू राम पुत्र श्री तेजा राम के हिस्से में आ गया है। **संपत्ति की चौहद्दी निम्नानुसार है** - उत्तर : अन्य की संपत्ति, भुजा माप 40'6", दक्षिण : अन्य की सपत्ति, भुजा माप 40'6", पूर्व : अन्य की सपत्ति, भुजा माप 20', पश्चिम : 13' चौड़ा रास्ता, भुजा माप 20' **(संपत्ति बैंक के सांकेतिक कब्जे में है)**	रु.1,37,12,494.74 दिनांक 30.06.2024 तक खाता संख्या 85167210000809 में तथा 01.07.2024 से प्रभावी अतिरिक्त ब्याज और व्यय-वसूली (यदि कोई हो)	a. 16.45 लाख b. 1.645 लाख c. 10,000/- d. 29.08.2025	25.09.2025 अपराह्न 12.30 बजे से अपराह्न 01.30 बजे के बीच / 24.09.2025 अपराह्न 05.00 बजे तक	किसी भी कार्य दिवस पर सुबह 11.00 से सांय 4.00 बजे के बीच श्री दीपांशु (अधिकारी) मो. 7404197620 श्री मनोज कुमार (प्राधिकृत अधिकारी) मो. 8826933887
2	**श्रीमती परवीन खातून पत्नी रफत हुसैन (उधारकर्ता/बंधककर्ता)** पता-निवासी ग्राम भुड्डी डाकघर कारबारी, तहसील-विकास नगर देहरादून उत्तराखंड-248007 **श्री रफत हुसैन पुत्र नजीर अहमद (गारंटर)** पता-निवासी ग्राम भुड्डी डाकघर कारबारी, तहसील-विकास नगर देहरादून उत्तराखंड-248007	सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड : भूमि खाता खतौनी नंबर-511, खसरा संख्या-2193, क्षेत्रफल परिमाप 0.0290 हेक्टेयर तथा खसरा नंबर-1457 और खसरा नंबर 2084/2 क्षेत्रफल परिमाप 0.077 हेक्टेयर, कुल क्षेत्रफल 0.1060 हेक्टेयर, जो मौजा ईस्ट होप टाउन परगना पछवा दून, जिला देहरादून में स्थित है। पूर्व : श्री हुसैन अहमद की भूमि, पश्चिम : 15 फीट चौड़ी ग्राम सड़क, उत्तर : श्री गुलाब साबिर की भूमि, दक्षिण : श्री इस्लाम की भूमि **(संपत्ति बैंक के सांकेतिक कब्जे में है)**	रु. 27,97,865.84 दिनांक 30.06.2024 तक खाता संख्या 85167210000817, 85167830000089 में तथा 01.07.2024 से प्रभावी, अतिरिक्त ब्याज और व्यय-वसूली (यदि कोई हो)	a. 84.80 लाख b. 8.48 लाख c. 50,000/- d. 29.08.2025	25.09.2025 अपराह्न 12.30 बजे से अपराह्न 01.30 बजे के बीच / 24.09.2025 अपराह्न 05.00 बजे तक	किसी भी कार्य दिवस पर सुबह 11.00 से सांय 4.00 बजे के बीच श्री दीपांशु (अधिकारी) मो. 7404197620 श्री मनोज कुमार (प्राधिकृत अधिकारी) मो. 8826933887
3.	**श्री विनोद सिंह सजवान पुत्र दिला सिंह सजवान** पता- गांव डंडसाली उत्तरी, कोटमनियार, तहसील-टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड-249145	भूमि और भवन का ईएमटी कुल क्षेत्रफल 0.015 हेक्टेयर (150 वर्ग मीटर) है जिसमें खतौनी खाता संख्या-00001, खेत संख्या-658, मध्य रकबा 0.007 हेक्टेयर, खेत संख्या- 661 मध्य रकबा 0.008 हेक्टेयर, कुल 2 खेत शामिल हैं। गांव डंडारसाली, पट्टी-मनियार, तहसील टिहरी, जिला-टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड 249145 पर स्थित है, जो श्री विनोद सिंह सजवान पुत्र दिला सिंह सजवान के नाम पर है। **संपत्ति की सीमा इस प्रकार है-** पूर्व- अनारचंद पुत्र दयालचंद की नाप भूमि, पश्चिम-अनारचंद का घर, उत्तर-चंबा मसूरी बाईपास लिंक रोड, दक्षिण-गोविंद सिंह पुत्र नाथी सिंह की नाप भूमि **(रचनात्मक कब्जा)**	रु. 21,92,675.00 प्लस ब्याज 30.10.2024 से प्रभावी प्लस व्यय - 29.10.2024 के बाद की वसूली खाता संख्या 170006208659 में केनरा बैंक को देय	a. 46.00 लाख b. 4.60 लाख c. 50,000/- d. 29.08.2025	25.09.2025 between 12:30 P.M. to 01:30 PM / 24.09.2025 up to 05.00 p.m.	किसी भी कार्य दिवस पर सुबह 11.00 से सांय 4.00 बजे के बीच श्री दीपांशु (अधिकारी) मो. 7404197620 श्री मनोज कुमार (प्राधिकृत अधिकारी) मो. 8826933887

दिनांक: 08.09.2025, स्थान : नई दिल्ली

प्राधिकृत अधिकारी, केनरा बैंक

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर

विधिक सहायता शिविर का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। विधि संकाय एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में, ग्राम मखदुमपुर में अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर नि:शुल्क विधिक सहायता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य समाज के कमजोर और वंचित वर्गों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें मुफ्त कानूनी परामर्श प्रदान करना था। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कि और से सिविल जज सीनियर डिवीजन एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरिद्वार सुश्री सिमरनजीत कौर, ने उपस्थित सभी ग्रामीणों को उनके पारिवारिक विवाद, संपत्ति विवाद, श्रमिक अधिकार, और महिला व बाल संरक्षण कानूनों पर जानकारी प्रदान की। उन्होंने अदालतों में लंबित वाद की प्रक्रिया और त्वरित विवाद समाधान के तरीकों पर भी वहां

चर्चा की। उन्होंने कहा, न्याय सभी के लिए सुलभ होना चाहिए। यह शिविर समाज के हर व्यक्ति को न्याय दिलाने के हमारे कार्य का हिस्सा है।

पूर्व रुड़की बार काउंसिल के अध्यक्ष प्रवीण तोमर ने शिक्षा के महत्व को बताते हुए कहां की जिस समाज में शिक्षा होती है वह समाज बहुत ही उन्नति करता है। इस कार्यक्रम में अनेक अधि वक्ता व अनेक ग्रामीण व प्रध ानाचार्य आदि उपस्थित रहे।

कलियर में सनसनी: युवक लापता परिजनों से लाखों की फिरौती की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की/कलियर। क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई जब एक युवक के लापता होने के बाद परिजनों के पास उसे छोड़ने के एवज में लाखों की फिरौती मांगने का कॉल आ गया। परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बेडपुर निवासी नसीर ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका पुत्र शनिवार शाम करीब चार बजे घर से कलियर स्थित अपने होटल के लिए निकला था। लेकिन देर रात तक वह वापस नहीं लौटा। परिजन उसकी खोजबीन में जुटे हुए थे कि अचानक लापता युवक के मोबाइल से उसके बहनोई के पास कॉल आया। कॉल करने वाले ने युवक अनवर को छोड़ने के बदले लाखों रुपये की फिरौती की मांग की। यह सुनकर परिजनों के होश उड़ गए और घर में कोहराम मच गया। घटना की सूचना मिलते ही कलियर पुलिस हरकत में आ गई। पुलिस ने परिजनों से जानकारी लेने के बाद नसीर की तहरीर पर अपहरण और फिरौती की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले को गंभीर मानते हुए पुलिस ने आसपास के इलाकों में सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ ही कॉल डिटेल की जांच शुरू कर दी है। युवक के अपहरण और फिरौती मांगने की खबर से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया है। परिजन रो-रोकर बेहाल हैं। वहीं ग्रामीणों में भी डर का वातावरण है। थानाध्यक्ष रविन्द्र कुमार ने बताया कि पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और युवक की सुरक्षित बरामदगी के लिए पुलिस की कई टीमें गठित कर दी गई हैं।

बंद पड़े मकान में आग लगने से लाखों का सामान जलकर राख

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। थाना क्षेत्र के गांव निवासी एक व्यक्ति के बंद पड़े मकान में रविवार लगभग आधी रात को मकान में आग लग जाने से लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। रात में ही अग्निशमन की गाड़ी मौके पर पहुंचने से पहले ही घर का पूरा सामान जलकर राख हो चुका था ।मकान मालिक का कहना है कि लगभग 80 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई करने की मांग की गई है।

ग्राम शेरपुर खेलमऊ निवासी आकाश शर्मा का मकान गांव के बीच में स्थित है। मकान में तीन कमरे बने हुए हैं। इन्हीं तीन कमरों में घर का पूरा सामान रखा हुआ था। आकाश शर्मा दो वर्ष पूर्व रुड़की मे परिवार सहित अपने दूसरे मकान में निवास कर रहा था। ग्राम प्रधान नीटुचौधरी व ग्राम वासियों का कहना है कि रविवार लगभग आधी रात को पड़ोसियों द्वारा उक्त मकान में धुँआ उठता तथा आग लगी देख गांव के दूसरे लोगों को सूचना दी गई। मकान में आग लगी देख गांव के सैकड़ो लोग मौके पर पहुंच गए तथा बाल्टी आदि से पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया गया। फोन से मकान मालिक आकाश शर्मा पुलिस तथा अग्नि शमन विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलने के कुछ देर बाद मकान मालिक सहित पुलिस व अग्नि शमन की गाड़ी भी मौके पर पहुंच गई। अग्नि शमन की गाड़ी के मौके पर पहुंचने से पहले ही मकान के कमरों में रखा पूरा सामान जलकर राख हो गया था। बाद में अग्नि शमन के कर्मचारियों द्वारा मकान के तीन कमरों में लगी आग को बुझाया। मकान मालिक आकाश शर्मा ने बताया कि रविवार रात्रि उनके पैतृक गांव स्थित मकान में आग लगने की सूचना मिलते ही वह गांव में पहुंचे। जब तक वह गांव में पहुंचे तब तक उनके मकान में बने तीन कमरों में रखा घर का पूरा सामान फर्नीचर फ्रिज सोफा बेड बेड टीवी कपड़े आदि लगभग 80 लाख रुपए का पूरा सामान जलकर राख हो चुका था। उनका यह भी कहना है कि गांव के ही किसी व्यक्ति द्वारा मकान में आग लगाए जाने का शक है मकान मालिक आकाश शर्मा द्वारा पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई करने की मांग की गई है। थाना अध्यक्ष अजय शाह का कहना है कि तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है।

चमनलाल महाविद्यालय में पोषण सप्ताह का समापन

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। चमनलाल महाविद्यालय में आयोजित पोषण सप्ताह में निबंध प्रतियोगिता, पौष्टिक भोजन प्रतियोगिता तथा पोषण से संबंधित पोस्टर एवं चार्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में गृह विज्ञान विभाग की विभिन्न छात्राओं ने हिस्सा लिया।

चमनलाल महाविद्यालय में । सितम्बर से आयोजित पोषण सप्ताह के समापन पर गृह विज्ञान विभाग की अध्यक्षा डॉ. नीतू गुप्ता ने छात्राओं को प्रत्येक दिन पौष्टिक भोजन व उनसे होने वाले फायदों की जानकारी दी। निबंध प्रतियोगिता में बीएससी प्रथम सेमेस्टर की कुमारी बुशरा प्रथम तथा कुमारी प्राची व कुमारी लवी द्वितीय स्थान पर रही। बी.ए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा कुमारी सलोनी ने तृतीय तथा मुस्कान और मरियम ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। पौष्टिक भोजन प्रतियोगिता में सभी छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के व्यंजन जो की पौष्टिकता से भरपूर थे, जिसमें तिल की गुड से बनी हुई पंजीरी आकर्षण का केंद्र रहे। पौष्टिक भोजन प्रतियोगिता में प्राची प्रथम, प्रियंका द्वितीय, सलोनी तृतीय तथा मरियम और लवी ने

सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में निकिता एम. ए तृतीय सेमेस्टर ने प्रथम, रजिया ने द्वितीय, दीपा तथा प्राची ने तृतीय एवं लवी और पूनम ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। इस मौके पर विधालय प्रबंध समिति अध्यक्ष रामकुमार शर्मा सचिव अरुण हरित तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील उपाध्याय ने सभी छात्राओं का उत्साह वर्धन करते हुए उन्हें पोषण सप्ताह की बधाई दी। डॉ. हिमांशु कुमार, डॉ. आशुतोष शर्मा, डॉ. रिंचा चौहान, डॉ. विधि त्यागी, डॉ. किरण शर्मा एवं डॉ. मीरा चौरसिया, डॉ. अनामिका चौहान, डॉ. धर्मेंद्र कुमार, डॉ. नवीन कुमार, डॉ. अपर्णा शर्मा, रीना गुप्ता की प्रतियोगिताओं में विशेष भूमिका रही।

विश्व फिजियोथैरेपी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

फिजियोथेरेपी से जटिल बीमारियों का भी किया जा रहा है इलाज: डॉ. राजेश

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। विश्व फिजियो थेरेपी दिवस के अवसर पर सोमवार को रुड़की के चिकित्सकों ने उसके लाभ बताए। उन्होंने कहा कि अब फिजियो में लोगों का विश्वास बढ़ा है और जटिल से जटिल बीमारियों का उपचार अब फिजियोथैरेपी के माध्यम से हो रहा है।

रुड़की एसोसिएशन ऑफ फिजियोथेरेपी द्वारा देहरादून रोड स्थित एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में राजकीय दून मेडिकल कॉलेज असिस्टेंट प्रोफेशर एवं एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉक्टर राजेश मौर्य ने कहा कि समाज में फिजियोथैरेपी की मान्यता बढ़ी है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इनका मान बढ़ाते हुए अब नीट के माध्यम से आगामी सत्र में इसमें दाखिला शुरू किया है इससे फिजियोथैरेपी चिकित्सा की गुणवत्ता में सुधार होगा और लोगों को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने केंद्रीय एवं राज्य स्तर पर पैरामेडिकल कोर्सेस को एलाइट हैल्थ साइंस जो कि स्वास्थ्य सेवाओं का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है उसमें इसको सम्मिलित किया है। । सचिव नितिन परमार ने कहा वर्तमान समय में भारत विश्व पटल पर

फिजियोथैरेपी क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष दिनेश शर्मा,डॉक्टर एसके सिंह,गुलाब सिंह,कौशल मौर्य,मोहित गोस्वामी,सौरभ कपटियाल,अजय मौर्य आदि मौजूद रहे।

एआरटीओ की अपील: अपने वाहन का टैक्स जमा करें, वरना होगी कार्रवाई

शाह टाइम्स संवाददाता

रूडकी। रुड़की के एआरटीओ रविंद्र सैनी ने लक्सर क्षेत्र में उन वाहन मालिकों के खिलाफ सख्ती बरतनी शुरू कर दी है, जिन्होंने अभी तक अपने वाहनों का टैक्स जमा नहीं किया है। एआरटीओ ने बताया कि टैक्स जमा नहीं करने वाले लोगों के घर-घर जाकर नोटिस दिए जा रहे हैं और उनसे जल्द से जल्द टैक्स जमा करने की अपील की जा रही है। एआरटीओ सैनी ने कहा, ष्कुछ लोग वाहन तो खरीद लेते हैं, लेकिन उसका टैक्स जमा नहीं करते। ऐसे लोगों को नोटिस भेजकर सूचित किया जा रहा है कि वे अपने वाहनों का टैक्स जल्द से जल्द जमा करवाएंष् उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर नोटिस के बाद भी कोई टैक्स जमा नहीं करता है, तो विभाग को मजबूर होकर उनके खिलाफ कार्रवाई करनी पड़ेगी, एआरटीओ ने साफ किया कि इस बार लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

लापता युवक का शव मिलने पर ग्रामीणों ने लगाया जाम, पुलिस पर लापरवाही का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। दस दिन से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता युवक का शव मिलने के बाद गुस्साए परिजनों व ग्रामीणों ने सोमवार की सुबह पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए चौकी का घेराव कर विरोध प्रकट किया। शाम को पोस्टमार्टम कराने के बाद गांव लौट रहे ग्रामीणों ने युवक की हत्या की आशंका जताते हुए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई मांग को लेकर लंढौरा पुलिस चौकी चौक पर जाम लगा दिया। सीओ विवेक कुमार व इंस्पेक्टर अमरजीत सिंह के पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद सख्त कार्रवाई के आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ।

लंढौरा पुलिस चौकी क्षेत्र के गाधारोणा गांव निवासी 28 वर्षीय साहब सिंह 29 अगस्त की सुबह अपने ही गांव के एक युवक के साथ बाइक पर दवाई लेने गया। था। जो देर रात तक वापस नहीं लौटा परिजनों ने युवक को काफी तलाश किया मगर उसका कही पता नहीं चला। पुलिस ने लापता युवक की पत्नी काजल की तहरीर पर गुमशुदगी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी थी। रविवार देर शाम युवक का शव आसफनगर झाल से सड़ी गली अवस्था में बरामद हुआ है। सोमवार की सुबह मृतक के परिजनों व ग्रामीणों ने युवक की हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस चौकी का घेराव कर विरोध प्रकट किया। मृतक के परिजनों का आरोप है कि लंढौरा पुलिस ने युवक की गुमशुदगी दर्ज करने के बाद मामले में कोई कार्रवाई नहीं की है। वही ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने स्वयं पुलिस को युवक के घर से जाने से लेकर लापता होने के स्थान तक की विडियो फुटेज लाकर दी है। पुलिस द्वारा मामले में जांच कर कार्रवाई के आश्वासन के बाद गुस्साए ग्रामीण युवक का पोस्टमार्टम कराने पहुंचे। मामले को लेकर पुलिस प्रशासन में उस समय हड़कंप मच गया जब पोस्टमार्टम के बाद ट्रैक्टर ट्रॉली से गांव लौट रहे ग्रामीण शव को लेकर पुरानी पुलिस चौकी पहुंचे। परिजनों का कहना था कि गांव का ही युवक मृतक को घर से बुला कर ले गया था। आरोप है कि जो युवक घर से बुला कर ले गया था उसने बाजुहेड़ी गांव के पास युवक को शराब पिला कर हत्या कर शव को नहर में फेंका है। यह भी आरोप है कि शव का एक हाथ और एक पैर धड़ से अलग है। परिजनों का कहना है कि जो युवक घर बुला कर ले गया था उसकी सीसी फुटेज भी पुलिस दिखाई गई थी। फुटेज में मृतक के साथ दो युवक शराब पीते दिख रहे है। लेकिन इसके बाद भी पुलिस ने कार्रवाई नही की। गुस्साए ग्रामीणों ने शव को ट्रैक्टर ट्रॉली में रख कर सड़क किनारे खड़ा कर दिया। गुस्साए ग्रामीणों ने पुलिस चौकी चौक रुड़की लक्सर मार्ग पर जाम लगा दिया। कोतवाल अमरजीत सिंह ने ग्रामीणों को काफी समझाने का प्रयास किया लेकिन ग्रामीण आरोपी युवक के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। बाद में सीओ विवेक कुमार ने आश्वाशन दिया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर आरोपी युवक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। तब जाकर मामला शांत हुआ। सीओ विवेक कुमार का कहना है कि परिजनों कहा गया है कि जिन लोगों पर उन्हें शक है उसे नामजद करके तहरीर दे दे। जांच के बाद आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी

खोया पाया-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा असल इकरारनामा दिनांक 22 जुलाई 2013 जिसकी रजिस्ट्री बही नंबर 1 जील्द 1527 पेज 79 से 98 दस्तावेज नंबर 560 कार्यालय उप निबंधक लक्सर तथा तोशी मियाद दिनांकित 30 अप्रैल 2014 दस्तावेज नंबर 9048 वास्तव में कहीं खो गया है जिसकी मैंने बहुत तलाश की वह नहीं मिला वह किसी और के लिए अमान्य माना जाएगा।

मो० जावेद आलम पुत्र श्री अनीस अहमद नि. ग्राम सुलतानपुर आदमपुर तहसील लक्सर जिला हरिद्वार।

पुरानी रंजिश में हमला, दो बदमाश तमंचे के साथ गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। पुरानी रंजिश का बदला लेने के लिए एक व्यक्ति ने बदगाशो को एक लाख रुपए की सुपारी देकर अपने विपक्षियों पर हगला करवा दिया इस गागले गें पुलिस ने घटना गें शागिल दो बदगाशों को तगंचे के साथ गिरफ्तार कर लिया हैं। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों को न्यायालय में पेश कर दिया है। जानकारी के अनुसार 21अगस्त को पुरकाजी निवासी सलमान रुड़की से पत्नी के साथ वापस अपने घर लौट रहा था इसी दौरान ग्राम नारसन खुर्द के पास नकाबपोश बदगाशों ने दंपत्ति पर जानलेवा हगला कर दिया था जिसगें सलगान घायल हो गया था पुलिस ने गुकदगा दर्ज कर आरोपियों की धर पकड़ में लगी हुई थी रविवार की देर शाम पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया पकड़े गए आरोपियों ने बताया कि सलगान की राजा के साथ रंजिश चली आ रही हैं राजा ने ही सलगान पर हगला करने के लिए एक लाख की सुपारी दी थी इस संबंध गें कोतवाली प्रभारी अगरजीत ने बताया सगीर निवासी लिब्बरहेडी और पुरकाजी निवासी नौमान को तमंचे के साथ गिरफ्तार किया है जिसके बाद दोनो को न्यायालय में कर दिया गया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की तरफ से दरगाह साबिर पाक पर चढ़ाई चादर

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। हजरत साबिर पाक के 757वें सालाना उर्स के मौके पर रविवार रात को कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की ओर से भेजी गई चादर दरगाह शरीफ में पेश की गई।

ऑल इंडिया कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं जिला हरिद्वार प्रभारी राजेश तिवारी और कलियर विधायक हाजी फुरकान अहमद ने कार्यकर्ताओं के साथ दरगाह साबिर पाक में कांग्रेस पार्टी की ओर से भेजी गई चादर पेश कर मुल्क में अमनो अमान भाईचारे और उत्तराखंड पंजाब हरियाणा के बाढ़ पीड़ितों के लिए दुआ गांगी।चादरपोशी के बाद राजेश तिवारी ने कहा कि हजरत साबिर पाक की दरगाह इंसानियत, मोहब्बत और एकता का पैगाम देती है। उन्होंने कहा कि हर साल की तरह इस बार भी सालाना उर्स में कांग्रेस पार्टी की ओर से यहां चादर पेश की गई है। विधायक फुरकान अहमद ने कहा कि सूफीवाद (सूफीईज्म) वह पहलू है जो पूरी दुनिया को मोहब्बत, इंसानियत और भाईचारे का पैगाम देता है। यही सोच कांग्रेस पार्टी की भी है।कॉग्रेस हमेशा सबको साथ लेकर चलने की राह पर आगे बढ़ती है और देश में प्यार, मोहब्बत और भाईचारे को मजबूत करने का काम करती है।इस मौके पर अकरग प्रधान ,गोहसीन सिद्दीकी, इस्तिकार प्रधान,सफीक मलिक,मुकर्रम राय,बाबू,वसीम अहमद मुबस्सीर आदि मौजूद रहें।

ग्रामीणों ने मांस से लदे टेम्पो में लगाई आग

लक्सर। उत्तराखंड के लक्सर-बालावाली स्टेट हाईवे पर एक दुखद घटना के बाद तनाव का माहौल बन गया। सोमवार सुबह एक मांस से लदे टेम्पो ने सड़क किनारे चर रही एक गाय को टक्कर गार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के तुरंत बाद, युवकों ने टेम्पो का पीछा किया और उसे रोककर उसके चालक और एक अन्य साथी को पकड़ लिया।जब आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उन्होंने टेम्पो की तलाशी ली, तो उन्हें टेम्पो में पशुओं का गांस भरा गिला। गांस देखकर ग्रामीणों का गुस्सा और भड़क गया। और आग लगा दी।

खानकाह फैजान-ए-वाहिद में रब्बी अव्वल की रात को जश्ने शमशुल आजम मनाया

शाह टाइम्स संवाददाता

कलियर। पिरान कलियर में साबिर पाक के उर्स के दौरान खानकाह फैजान-ए-वाहिद में 14 रब्बी अव्वल की रात को जश्ने शमशुल आजम मनाया गया, जिसमें देश के कोने-कोने से आए कव्वालों ने सूफियाना कलाम पेश किए। इस दौरान देश में आपसी भाईचारा और अमन-चौन की दुआएं मांगी गईं। दरगाह साबिर पाक के 757 वें सालाना उर्स के मौके पर खानकाह फैजान- ए- वाहिद में गद्दी नशीन सैय्यद फरीद आलम साबरी की सरपरस्ती में जश्ने शमशुल आजम मनाया गया। लंगर तकसीम करने के बाद महफिल-ए-शमा का आयोजन किया गया। इस दौरान देश के कोने-कोने से आए कव्वालों ने अपने अपने कलाम पेश किए, जिन्हें सुनकर महफिल में पहुंचे मुरीद झूमते नजर आए। कव्वाल आसिफ नियाजी उदयपुरी ने साबिर पाक की शान में कलाम पढ़ा। बरेली, सहारनपुर, आगरा, मेरठ, सहित विभिन्न जगहों से आए कव्वालों ने भी सूफियाना कलाम पढ़े। खानकाह फैजान-ए-वाहिद के गद्दीनशीन सैय्यद फरीद आलम साबरी ने साबिर पाक के उर्स की मुबारकबाद देते हुए कहा कि साबिर पाक के उर्स के दौरान जश्ने शमशुल आजम बनाने की परंपरा वर्षों से चली आ रही है। खानकाहों से देश में एकजुटता बनाए रखने का पाठ पढ़ाया जाता है। जिसमें सभी धर्मो का सम्मान करने के बारे में बताया जाता है। साबिर पाक ने सब्र कर विश्व गें एक संदेश दिया है। जिसके

कारण आज विश्व भर से जायरीन दरगाह साबिर पाक पहुंचते हैं और रुहानी फैज प्राप्त करते हैं। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों की दरगाहो से अकीदतमंदों को सुकून मिलता है। इसलिए सभी धर्मों के लोग दरगाहो गें हाजिरी लगाते हैं। और अपनी गन्नत गुरादे गांगते हैं। इस दौरान साहिबजादा शाह यावर मियां, सैय्यद शान मियां, सैय्यद रामिश मियां, सैय्यद शोएब अलीगढ़, सैय्यद वासिफ गियां, राव अबरार, कालू खान, फरमान, सैफ अली, चाहत, शाकिर, इमरान समेत अन्य मौजूद रहे।

अदालती सूचना

इश्तहार मजरिया अदालत

न्यायालय श्रीमान तृतीय अपर जिला जज महोदय हरिद्वार,

प्रकीर्ण वाद सं. 90 सन 2025

जहांगीर पुत्र स्व. अय्यूब नि. ग्राम रहीमपुर पो. पनियाला चंदापुर, परगना व तहसील रूडकी जिला हरिद्वार, उम्र 23 वर्ष प्रार्थी/आवेदक

बनाम आम जनता..........विपक्षी

अतदद्वारा सूचित किया जाता है कि प्रार्थी जहांगीर आलम उपरोक्त द्वारा मौ. अय्यूब पुत्र स्व. जरीफ अहमद (प्रो. में अययूब कान्ट्रेक्टर) ग्राम रहीमपुर पो. पनियाला चंदापुर, परगना व तहसील रूडकी जिला हरिद्वार की मृत्यु के उपरांत पंजाब एंड सिंध बैंक शाखा सिविल लाईन रूडकी में कैश क्रेडिट व एफडी श्री अययूब की धनराशि अंकन 29,90,819.16/- रूपये मय ब्याज प्राप्त करने के लिए इस न्यायालय में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन किया है। इस संबंध में यदि किसी को किसी प्रकार का कोई ऐतराज अथवा आपत्ति प्रस्तुत करना है तो स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दि. 16.09.2025 को समय 10:30 प्रात: उपस्थित होकर ऐंतराज अथवा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं अन्यथा वाद एक पक्षीय रूप से प्रार्थी के हक में निर्णीत कर दिया जायेगा। आज दि. 06.09.2025 को न्यायालय की मुद्रा सहित जारी किया गया।

दिनांक 06.09.2025

प्रबंधक

न्यायालय श्रीमान तृतीय अपर जिला जज महोदय हरिद्वार।

रुड़की के प्रज्ज्वल सैनी को मिला 2025 का बेस्ट थिसिस अवार्ड

शाह टाइम्स संवाददाता

रूडकी। रुड़की के निवासी और एपीजे स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, ग्रेटर नोएडा के अंतिम वर्ष के छात्र प्रज्ज्वल सैनी ने प्रतिष्ठित उपलब्धि हासिल की है। उन्हें काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर द्वारा आयोजित Best Thesis Award 2025 (North Zonal) में चयनित किया गया है। यह प्रतियोगिता इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ में आयोजित हुई।

प्रज्ज्वल सैनी का थीसिस विषय Vertical Prison, रहा, जिसमें उन्होंने देशभर की जेलों में बढ़ती कैदियों की संख्या और भूमि उपयोग की समस्या को उजागर करते हुए समाधान प्रस्तुत किया।

उनके डिजाइन में जेलों को क्षैतिज के बजाय ऊर्ध्वाधर (Vertical) रूप गें विकसित करने का सुझाव दिया गया है, जिससे भूगि का बेहतर उपयोग हो सके और भीड़भाड़ पर नियंत्रण पाया जा सके। उनके इस उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें नकद पुरस्कार और प्रगाणपत्र प्रदान किया गया। सैनी ने कहा, "यह सम्मान मेरे लिए बेहद गर्व का विषय है। मेरा प्रयास है कि आर्किटेक्चर केवल भवन निर्गाण तक सीगित न रहे, बल्कि सामाजिक समस्याओं का समाधान भी प्रस्तुत करे।

प्रदेश के पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को मुख्यमंत्री के निर्देश

आपदा प्रबंधन, कानून व्यवस्था, जनसुविधाओं पर दें विशेष ध्यान: धामी

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। राज्य में अब बारिश के बाद हालात सुधारने को लेकर सरकार ने तैयारी शुरु कर दी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में शासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों तथा वर्चुअल माध्यम से जुड़े सभी जिलाधिकारियों को आपदा प्रबंधन, कानून व्यवस्था, पुनर्निर्माण कार्यों, पर्यटन एवं जनसु. विधाओं से संबंधित व्यापक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता जनता को त्वरित राहत, सुरक्षा एवं सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

- बरसात के बाद पुनर्निर्माण कार्यों, चारधाम यात्रा को सुचारु करने पर जोर
- सेवा पखवाड़ा और स्वच्छता अभियान की विस्तृत तैयारी करने के निर्देश
- अस्पतालों की व्यवस्थाओं, जन सेवाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि बरसात समाप्त होते ही मरम्मत और पुनर्निर्माण के कार्यों हेतु प्रशासनिक मशीनरी एक्टिव मोड में कार्यरत रहे। वर्षा काल तक राहत सामग्री एवं ड्राई राशन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। आपदा प्रभावितों के ठहरने, भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की जाए। फसलों, पेयजल लाइन एवं सरकारी संपत्तियों को हुए नुकसान का त्वरित आकलन कर शासन को रिपोर्ट भेजी जाए। नदी-नालों के पास निर्माण की अनुमति पर प्रतिबंध सख्ती से लागू किया जाए। प्रतिबंधों का अनुपालन न करने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि आपदा प्रभावितों को मानकानुसार त्वरित सहायता राशि उपलब्ध कराई जाए। जिलाधिकारी समय-समय पर अस्पतालों का निरीक्षण करें और विभिन्न व्यवस्थाओं का आकलन करें। डेंगू, मलेरिया और अन्य जल जनित रोगों से बचाव के लिए अस्पतालों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। सभी जिलाधिकारी अपने-अपने जनपदों में स्वास्थ्य विभाग की शीघ्र बैठक करें।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि कानून व्यवस्था में बाधा डालने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। अनधिकृत आधार कार्ड, वोटर आईडी और कनेक्शन जारी करने वालों पर नियमित कार्रवाई की जाए। बाहरी व्यक्तियों व संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जाए।सीमावर्ती क्षेत्रों में चेकिंग और सख्ती बढ़ाई जाए तथा संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कर कार्रवाई की जाए। गौवंश के संरक्षण के लिए प्रभावी कार्यवाही की जाए।

बैठक में प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव शैलेश बगोली, डीजीपी दीपम सेठ, अपर पुलिस महानिद. ेशक ए.पी. अंशुमान, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडेय, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते, अपर सचिव बंशीधर तिवारी, वर्चुअल माध्यम से कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत और सभी जिलाधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने हिमालय दिवस पर दी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हिमालय के संरक्षण के लिये सामुहिक प्रयासों की जरूरत बताते हुए कहा कि हिमालय हमारी पहचान, संस्कृति और जीवन रेखा है। हिमालय न केवल भारत बल्कि विश्व की बहुत बड़ी आबादी को प्रभावित करता है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से हिमालय को सुरक्षित रखना हम सबका दायित्व है। हिमालय दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामना देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमालयी क्षेत्रों में सामाजिक विकास की आवश्यकता के दृष्टिगत हमें इकॉलोजी एवं इकोनॉमी में समन्वय के साथ कार्य करना होगा। भावी पीढ़ियों के लिये हिमालय की सुंद. रता तथा जैव विविधता को संरक्षित रखना हम सबका दायित्व है। हिमालय हमारे जीवन से जुडा विषय होने के नाते इसके संरक्षण का दायित्व भी हम सभी का है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण उत्तराखण्डवासियों के स्वभाव में है, हरेला जैसे पर्व, प्रकृति से जुड़ने की हमारे पूर्वजों की दूरगामी सोच का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने पर्यावरण में हो रहे बदलावों, ग्लोबल वार्मिंग के साथ ही जल, जंगल, जमीन से जुड़े विषयों पर समेकित चिंतन की जरूरत बताते हुए कहा कि सामाजिक चेतना तथा सामूहिक प्रयासों से ही हम इस समस्या के समाधान में सहयोगी बन सकते हैं।

महिला आयोग में पेश हुए पीवैल्यू एनालेटिक्स कम्पनी के प्रतिनिधि को लगाई फटकार

देहरादून(शाह टाइम्स)। देवभूमि उत्तराखण्ड की राजधानी देहरादून शहर को पीवैल्यू एनालेटिक्स कम्पनी

द्वारा धारणा आधारित जारी राष्ट्रीय वार्षिक रिपोर्ट और सूचकांक (एनएआरआई) 2025 में महिलाओं के लिए असुरक्षित बताने के मामले में 8 सितंबर को उत्तराखण्ड राज्य महिला आयोग ने कंपनी के प्रबन्ध निदेशक को समन भेज कर उपस्थित होने के निर्देश दिए थे। मामले में सोमवार को कंपनी के प्रतिनिधि के तौर पर मयंक ढय्या राज्य महिला आयोग में उपस्थित रहे। जहां पर उन्होंने कंपनी के प्रतिनिधि के तौर पर आयोग के सवालों पर वार्षिक रिपोर्ट व इंडेस्क में संदेहास्पद स्थिति के लिए क्षमा मांगते हुए कहा कि यह एक एकेडमिक रिपोर्ट है, जिसका उद्देश्य किसी शहर की छवि को खराब करने का नही था। वहीं आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल व उपस्थित पैनल के समक्ष कम्पनी के प्रतिनिधि मयंक ढैय्या आयोग के सवालों जवाब नही दे पाए, उनके द्वारा दी गयी जानकरी पर्याप्त न हो पाने के कारण उन्होंने कहा इस रिपोर्ट को लेकर उनके पास अधिक जानकारी नही है, वो कम्पनी में बात कर के आपको जवाब दे पाएंगे। जिसको लेकर आयोग अध्यक्ष ने फटकार लगाते हुए कहा कि अगली सुनवाई पर रिसर्च टीम व प्रबन्ध निदेशक को उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि कम्पनी के प्रतिनिधि के पास जानकारी का अभाव था, जिस कारण इस मामले की सुनवाई इसी महीने की 15 तारीख को कर दी गयी है। उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि अगली सुनवाई में कंपनी के प्रबंध निदेशक के साथ वार्षिक रिपोर्ट व इंडेस्क के प्रमुख इन्वेस्टिगेटर/ सहायक इन्वेस्टिगेटर को उपस्थित होना है तथा आयोग के समस्त सवालों के जवाब, रिसर्च व सर्वे के सभी दस्तावेज तथा सर्वे के लिए की गई सभी मीटिंगों व कार्रवाई की मिनट्स रिपोर्ट एक सप्ताह के भीतर आयोग को उपलब्ध कराए जाएं। वहीं कुसुम कण्डवाल ने कहा कि पीवैल्यु एनालेटिक्स कम्पनी द्वारा जारी वार्षिक रिपोर्ट व इंडेस्क में आयोग की टीम ने अनेको खामियां पाई हैं ,जिसके संतोषजनक जवाब आज की सुनवाई में नही मिल पाए है, जो कि पूरी तरह से संदेहास्पद है।

हरदा का दर्द कांग्रेस का असली अलोकतांत्रिक चेहरा: चौहान

देहरादून(शाह टाइम्स)।भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस नेता हरीश रावत के

खुद के बहुमत और जनसमर्थन के दावे के बाद भी सीएम पद से दरकिनार किये जाने से यह सवाल खड़ा हो गया है कि क्या कांग्रेस में नेता चयन में विधायकों की इच्छा का सम्मान नही किया जाता है? वहाँ अलोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत नेतृत्व थोपा जाता है और यह जनादेश का अपमान है। उन्होंने कहा कि हरदा अपनी नाकामयाबियों पर पर्दा डालने की कोशिश कर रहे हैं और सहानुभूति पाने की फिराक में लगे हैं।पूर्व सीएम के दावे पर चौहान ने कहा कि विधायकों के समर्थन के बावजूद सीएम नहीं बनाने वाले हरदा का दर्द कांग्रेस का असली अलोकतांत्रिक चेहरा है। उन्होंने कहा कि जनता की याददाश्त बहुत अच्छी है, उन्हें अपनी सरकार में हरदा की धरने, प्रदर्शन और लेटर बम की राजनीति भी अच्छी तरह याद है। हरदा का ये कहना कि उनके पक्ष में विधायकों का बहुमत था, लेकिन किसी और को मुख्यमंत्री बनाया, कांग्रेस के अंदरूनी लोकतंत्र की पोल खोलता है। सभी जानते हैं, वहां न नेताओं की पूछ है और न कार्यकर्ताओं की व नेतृत्व थोपा जाता है। यह बात तो हरीश रावत भी जानते थे, लिहाजा पार्टी या जनता के लिए नही बल्कि सत्ता के लालच में उन्होंने तिवारी और विजय बहुगुणा को स्वीकारा था। भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी चौहान ने कहा कि वह समय समय पर सहानुभूति का कार्ड खेलते रहे हैं, लेकिन कांग्रेस मे ही एक बड़ा वर्ग उनके इस खेल से वाकिफ है और उनकी बात पर विश्वास नही करता। वहीं जनता भी सच जानती है। हरदा चुनाव से पहले मुस्लिम यूनिवर्सिटी पर यात्रा, कभी धार्मिक स्थलों की सैर और अब खुद के साथ अन्याय को प्रचारित कर नई जमीन तलाशने की जगत में लगे है। जनता उनके इस खेल को कभी स्वीकार नही करेगी।

हरदा को जनता की याददाश्त पर भरोसा नहीं: चौहान ने कहा कि हरदा को जनता की याददाश्त पर भरोसा नही है। आज वे 2002 और 2012 का दौर भूलने का नाटक कर रहे हैं, लेकिन जनता के जहन में सब कुछ ताजा है। किस तरह तिवारी सरकार के समानांतर धरने प्रदर्शन किए गए और लेटर बम की राजनीति को अंजाम दिया गया। उनकी राजनीति से स्पष्ट था कि विजय बहुगुणा को उन्होंने कभी भी मुख्यमंत्री नही माना। इसलिए त्याग, तपस्या, नैतिकता जैसे शब्द उनके लिए बने ही नही हैं।

उत्तराखण्ड में पर्यटन नियमावलियों का होगा सरलीकरण

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद की ओर से उत्तराखण्ड पर्यटन एवं यात्रा व्यवसाय पंजीकरण नियमावली 2014 (संशोधित 2016) में बैड एण्ड ब्रेकफास्ट पंजीकरण सुविधा तथा होमस्टे पंजीकरण प्रक्रिया को सम्मिलित करने के लिए नियमावली में संशोधन को लेकर प्रदेश के विभिन्न स्टेक होल्डर्स (होम स्टे संचालक, टूर ऑपरेटर्स, होटल एसोसिएशन के पदाधिकारियों) के साथ बैठक का आयोजन किया।

बैठक की अध्यक्षता सचिव पर्यटन धीराज सिंह गर्ब्याल ने की। बैठक में संशोधित नियमावलियों का प्रस्तुतीकरण अपर निदेशक पर्यटन की ओर से प्रस्तुत किया गया, जिसमें अवगत कराया गया कि होम स्टे योजना का लाभ उत्तराखण्ड राज्य के मूल/स्थायी निवासियों को प्रदान किये जाने का प्राविधान किया गया है।

- सचिव पर्यटन ने हितधारकों के साथ की बैठक, पंजीकरण न कराने वाले होम स्टे पर होगी कार्यवाही

होमस्टे योजना पूर्णतः अव्यवसायिक मानी जायेगी एवं विद्युत, जल कर इत्यादि करों से अवमुक्त रखे जाने को सम्बन्धित विभागों की सहमति प्राप्त की जयेगी। बेड एण्ड ब्रेकफास्ट योजना शहरी क्षेत्रों यथा नगर निगम, नगर पालि. का, नगर पंचायत, मुख्य पर्यटन स्थलों, कस्बों में लागू मानी जायेगी। योजनाओं के अन्तर्गत अधिकतम 6 कक्ष एवं न्यूनतम 1 कक्ष अनुमन्य किया गया है। नियमावली के अन्तर्गत पंजीकरण की अवधि 5 वर्ष किये जाने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। 5 वर्ष बाद पंजीकरण को निर्धारित शुल्क कर भुगतान करते हुए योजना का संचालन किया जा सकेगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि नियमावली के अन्तर्गत पंजीकरण किये जाने को 60 दिवस की अवधि नियत की गयी है। अवधि के उपरान्त भी पंजीकरण न करने की दशा में भारी अर्थदण्ड का प्राविधान किया गया है।

बैठक में उत्तराखण्ड होटल एसोसिएशन, मसूरी, चकराता, मुक्तेश्वर, भीमताल होम स्टे एसोसिएशन के पदाधिकारी इत्यादि उपस्थित रहे। बैठक में अपर सचिव पर्यटन/अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिषेक रूहेला, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी बी. एल. राणा, उप सचिव पर्यटन, सोनिया भारती, अनुसचिव पर्यटन, हरीश सागर, निदेशक अवस्थापना ले0कमा दीपक खडूंरी, अपर निदेशक पर्यटन, पूनम चंद, सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

मंगलवार, 9 सितम्बर 2025

नेपाल में विद्रोह

सोशल मीडिया को बैन करने और भ्रष्टाचार को लेकर सोमवार को नेपाल में हजारों युवाओं ने संसद भवन परिसर में घुसकर सरकार के खिलाफ विद्रोह कर दिया। नेपाल सरकार ने तीन सितंबर को फेसबुक, इंस्टा, यूट्यूब समेत 26 सोशल मीडिया साइट्स बैन करने का फैसला किया है। नेपाल युवाओं ने सरकार के इस फैसले को बोलने की आजादी छीनने के रूप में लिया। युवाओं का कहना है कि उनका बोलना भी सरकार के लिए अपराध है। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े गए।

कहीं सेना ने गोलियां भी चलाई। जिसमें 19 लोगों की मौत हो गई, दो सौ से ज्यादा घायल बताए जाते हैं। यह आंकड़ा बढ़ भी सकता है, क्योंकि प्रदर्शन अभी समाप्त नहीं हुआ। नेपाल के इतिहास में संसद में यह पहला मामला है। नेपाल में भारत से लगी कई सीमा पर कर्फ्यू लगा दिया गया है। तराई क्षेत्र के कई शहरों में प्रदर्शन फैल गया है। प्रदर्शनकारी बदलाव की मांग को लेकर सड़कों पर उतर आए हैं। हालांकि विरोध को बढ़ता देख सरकार ने सांय सवा तीन बजे के बाद बिना वर्चअुल नेटवर्क इस्तेमाल किए सारे सोशल मीडिया प्लेटफार्म चल रहे हैं। असल में नेपाल सरकार ने एससी के निर्देश के बाद सभी प्लेटफार्म को सात दिन के भीतर रजिस्ट्रेशन का आदेश दिया था, सरकार का तर्क था कि रजिस्ट्रेशन के बिना यह प्लेटफार्म देश में फेक आईडी, हेट स्पीच, साइबर क्राइम के लिए प्रयोग हो रहे हैं। तय समय सीमा के भीतर रजिस्ट्रेशन न कराने पर सरकार ने चार सितंबर को 26 सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर बैन लगा दिया था। इसमें व्हाट्सएप, फेसबुक, यूट्यूब जैसे बड़े प्लेटफार्म भी हैं।

हालांकि टिकटॉक फाइबर जैसे प्लेटफार्म पर बैन नहीं लगा, क्योंकि उन्होंने रजिस्ट्रेशन समय पर करा लिया था। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री पुष्कमल दहल प्रचंड ने सरकार से युवाओं की मांगों पर ध्यान देने की अपील की है। वहीं नेपाल के पूर्व वित्त सचिव रामेश्वर खनाल ने सरकार के मनमाने और गलत फैसले और सुशासन देने में नाकामी के चलते युवाओं का गुस्सा बढ़ना बताया है। उनका कहना है कि बड़े भ्रष्टाचार के घोटाले और सरकारी नियुक्तियों की खरीद-फरोख्त समझते आ रहे युवा पीढ़ी में गुस्सा बढ़ रहा है। बताया जा रहा है कि इस प्रदर्शन में 12 हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी जो 28 से 30 वर्ष के हैं, संसद में घुसने के समय मौजूद थे। युवाओं का यह प्रदर्शन कई जिलों में फैला हुआ है। इससे साफ है कि यह मात्र कोई मामूली प्रदर्शन नहीं है, बल्कि सरकार के खिलाफ विद्रोह है। यह विद्रोह श्रीलंका, बांग्लादेश की याद दिला रहा है। वहां भी लोगों का आक्रोश इसी तरह देखने में आया था। कुछ जानकार यह भी मानते हैं कि नेपाल के विद्रोह के पीछे विदेशी ताकतों का हाथ है। मौजूदा सरकार के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली चीन समर्थक बताए जाते हैं। जिसके चलते अमेरिका उनसे नाराज बताया जाता है और उस विद्रोह के पीछे अमेरिका को जिम्मेदार माना जा रहा है। वैसे इसमें कोई नई बात भी नहीं है। हर विद्रोह के पीछे विदेशी शक्तियां अपना खेल तो खेलती ही हैं। भारत को भी बेहद सतर्क रहने की जरूरत है।

आदिवासियों के हितों की अन्देखी

ग्रेट निकोबार मेगा प्रोजेक्ट की मंजूरी से लेकर इसके निर्माण के फैसले तक में द्वीप पर रह रहे आदिवासियों के हितों की अनदेखी की गई है, प्रोजेक्ट पर हजारों करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिससे इससे द्वीप पर रहने वाले आदिवासी समुदाय और वहां की अनोखी प्रकृति को भारी नुकसान पहुंचेगा, पिछले ग्यारह वर्षों में अधूरे नीति-निर्माण किए गए हैं, इस सुनियोजित श्रृंखला में नवीनतम है, ग्रेट निकोबार मेगा-इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना, जिस पर होने वाला 72,000 करोड़ रुपये का बेतहाशा और गलत खर्च द्वीप के मूल आदिवासी समुदायों के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा करता है, यह दुनिया की सबसे अनोखी वनस्पतियों और जीवों में एक के लिए खतरा है।

श्रीमती सोनिया गांधी, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष

रिश्तों की गरिमा की पुनः स्थापना!

अशोक मधूप

आज जगह-जगह रिश्तों का खून हो रहा है। हालत यह है कि बाप बेटी को मार रहा है। बेटी बाप को मार रही है। पति-पत्नी को मार रहा है। पत्नी पति की हत्याकर रही है। भाई बहन को मारते नहीं झिझक रहा तो भाई की हत्या करते बहन के हाथ नहीं कांप रहे। मां बेटे और बेटी का हत्या कर रही है तो बेटा और बेटी मां को ही नहीं बाप की भी हत्या कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि भारत की परिवार व्यवस्था टूट चुकी है। रिश्तों पर स्वार्थ हावी हो गया है।

आज समाज का सबसे दुखद और चिंताजनक पहलू यह है कि जिन रिश्तों को सबसे पवित्र और मजबूत माना जाता है, वहीं रिश्ते टूट रहे हैं और हिंसा का शिकार हो रहे हैं। समाचार पत्र और टीवी चैनल लगभग रोजाना ऐसी खबरें दिखाते हैं। हालत यह है कि बाप बेटी को मार रहा है। बेटी बाप को मार रही है। पति-पत्नी को मार रहा है। पत्नी पति की हत्या कर रही है। भाई बहन को मारते नहीं झिझक रहा तो भाई की हत्या करते बहन के हाथ नहीं कांप रहे। मां बेटे और बेटी का हत्या कर रही है तो बेटा और बेटी मां को ही नहीं बाप की भी हत्या कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि भारत की परिवार व्यवस्था टूट चुकी है। रिश्तों पर स्वार्थ हावी हो गया है। व्यक्तिवाद ने समाज पर अपना अधिकार कर लिया।

इन घटनाओं ने यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि आखिर इंसान को इतना निर्दयी और क्रूर कौन बना रहा है? जिन संबंधों में विश्वास, अपनापन और प्रेम होना चाहिए, वहां नफरत, तनाव और हिंसा क्यों बढ़ रही है? लगता है कि भारतीय परिवार टूटने का असर यह हुआ है कि एकल परिवार अब अपने तक सीमित होने की जद्दोजहद में है। पहले संयुक्त परिवार होते है। सामूहिक चूल्हा होता था। सामूहिक खानपान था। हमारे बचपन तक खाना रसोई के पास जमीन पर बैठकर जीमा जाता था। परिवार के बुजुर्ग बच्चे साथ बैठकर भोजन करते थे। सब दुख-सुख के साथी थे। प्राय: जरूरत के सामान सब घर के आसपास मिल जाते थे। धीरे-धीरे परिवार की जरूरते बढ़ने लगीं। युवक रोजगार के लिए बाहर जाने लगे। धीरे-धीरे उनके साथ पत्नी और बच्चे नौकरी वाले स्थान पर रहने लगे। आज आदमी अपने तक सीमित होकर रह गया। व्यक्तिवाद हावी हो गया।

लगता है कि जैसे समाज ने सारे रिश्ते जंगल बनाकर रहेंगे। हम आदि व्यवस्था से भी आदम की ओर बढ़ते जा रहे हैं। इन सब रिश्तों को दोबारा कैसे जिंदा किया जाए इस पर विचार करना होगा। पहले के समय में संयुक्त परिवार होते थे। परिवार के बुजुर्ग विवादों को संभालते, बच्चों को संस्कार देते और छोटी-छोटी गलतियों को समय रहते सुधार लेते। आज अधिकांश परिवार 'न्यूक्लियर फैमिली' यानी छोटे परिवार बन गए हैं। ऐसे में पति-पत्नी के झगड़े सुलझाने वाला कोई नहीं होता। माता-पिता और बच्चों के बीच पीढ़ीगत संवाद टूट गया है। अकेलापन और अवसाद घर कर जाता है। जब संवाद टूटता है तो गलतफहमियां बढ़ती हैं और छोटी-सी बात हिंसा तक पहुंच जाती है।

पहले मोहल्ले और गांव के लोग भी परिवार के सदस्य जैसे होते थे। यदि किसी परिवार में कलह होती थी तो पड़ोसी हस्तक्षेप करके सुलह करा देते थे। आज लोग एक-दूसरे से अलग-थलग हो गए हैं। 'निजता' के नाम पर लोग किसी के मामलों में बोलना नहीं चाहते। इस चुप्पी का नतीजा है कि छोटे विवाद हिंसक रूप ले लेते हैं। परिवारों में हिंसा का एक बड़ा कारण आर्थिक तनाव भी है। महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक असमानता ने लोगों को चिड़चिड़ा बना दिया है। पिता बेरोजगार बेटे पर गुस्सा निकालते हैं, बेटा अपमानित होकर पिता की हत्या तक कर देता है। पति-पत्नी के बीच आर्थिक जिम्मेदारियों को लेकर झगड़े होते हैं जो कभी-कभी खून-खराबे में बदल जाते हैं। शराब, ड्रग्स और अन्य नशे परिवारिक हिंसा की जड़ हैं। नशे में व्यक्ति का विवेक खत्म हो जाता है और वह अपने ही परिवार को मारने तक से नहीं हिचकिचाता। भारत में लगभग 30 प्रतिशत घरेलू हिंसा के मामलों में नशे को मुख्य कारण माना गया है। आज के समय में शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी या पैसा कमाना रह गया है।

पहले मोहल्ले और गांव के लोग भी परिवार के सदस्य जैसे होते थे। यदि किसी परिवार में कलह होती थी तो पड़ोसी हस्तक्षेप करके सुलह करा देते थे। आज लोग एक-दूसरे से अलग-थलग हो गए हैं। 'निजता' के नाम पर लोग किसी के मामलों में बोलना नहीं चाहते। इस चुप्पी का नतीजा है कि छोटे विवाद हिंसक रूप ले लेते हैं। परिवारों में हिंसा का एक बड़ा कारण आर्थिक तनाव भी है। महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक असमानता ने लोगों को चिड़चिड़ा बना दिया है। पिता बेरोजगार बेटे पर गुस्सा निकालते हैं, बेटा अपमानित होकर पिता की हत्या तक कर देता है। पति-पत्नी के बीच आर्थिक जिम्मेदारियों को लेकर झगड़े होते हैं जो कभी-कभी खून-खराबे में बदल जाते हैं। शराब, ड्रग्स और अन्य नशे परिवारिक हिंसा की जड़ हैं। नशे में व्यक्ति का विवेक खत्म हो जाता है और वह अपने ही परिवार को मारने तक से नहीं हिचकिचाता। भारत में लगभग 30 प्रतिशत घरेलू हिंसा के मामलों में नशे को मुख्य कारण माना गया है। आज के समय में शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी या पैसा कमाना रह गया है।

बच्चों को नैतिक शिक्षा, संस्कार और धैर्य सिखाने की परंपरा कमजोर हो चुकी है। सम्मान और सहनशीलता की जगह 'आत्मकेंद्रितता' बढ़ रही है। लोग रिश्तों को बोझ समझने लगे हैं। आपसी विश्वास और त्याग की भावना खत्म हो रही है। यही कारण है कि भाई-बहन, पति-पत्नी, मां-बेटे जैसे पवित्र रिश्ते भी हत्या जैसे अपराध तक पहुंच जाते हैं। मोबाइल, टीवी, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने जीवन की धारा को बदला है। युवा वर्ग आभासी Virtual दुनिया में ज्यादा जी रहा है। परिवार को समय न देकर 'फ्रस्ट्रेशन' (तनाव) में डूब जाता है।अपराध आधारित वेब सीरीज और हिंसक वीडियो गेम ने भी संवेदनाओं को कुंद कर दिया है। लोग वास्तविक जीवन में भी गुस्से और हिंसा को सामान्य मानने लगे हैं। आज मानसिक स्वास्थ्य सबसे बड़ी समस्या है। डिप्रेशन, तनाव और मनोविकृति से पीड़ित लोग अक्सर हिंसा की ओर बढ़ जाते हैं। कई बार माता-पिता अवसाद में आकर अपने ही बच्चों की हत्या कर देते हैं। युवा अवसादग्रस्त होकर माता-पिता पर हमला कर बैठते हैं। मानसिक रोगों की पहचान और इलाज की व्यवस्था की कमी के कारण ऐसी घटनाएं बढ़ रही हैं। परिवारों में संपत्ति विवाद हिंसा का बड़ा कारण है। भाई-भाई की हत्या कर देते हैं। बेटे-बेटियां मां-बाप की संपत्ति हथियाने के लिए उन्हें मौत के घाट उतार देते हैं। जमीन-जायदाद के झगड़े अक्सर खून-खराबे तक पहुंच जाते हैं। पारिवारिक हिंसा सिर्फ अपराध नहीं है, बल्कि समाज की चेतावनी भी है। यह हमें बताता है कि हम रिश्तों के मूल्य, संस्कारों और आपसी संवाद को खोते जा रहे हैं। अगर समय रहते सुधार नहीं किया गया तो परिवार जैसी संस्था ही कमजोर हो जाएगी। हमें यह समझना होगा कि पैसा, आधुनिकता और तकनीक से ज्यादा महत्वपूर्ण मानवता, प्रेम और विश्वास है। यदि रिश्तों में करुणा, धैर्य और संवाद कायम रहेगा तो न बाप बेटी को मारेगा, न बेटी बाप को, न पति पत्नी पर हाथ उठाएगा और न ही भाई-बहन, मां-बाप, बेटे-बेटी हत्या तक पहुंचेंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

श्रद्धा से श्राद्ध तक: पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता

इसीलिए हमारे दिवंगत परिजनों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में तर्पण-श्राद्ध किया जाता है। पितृ पक्ष में पितरों को जल देने की विधि को तर्पण कहा जाता है। पितृ दोष को ज्योतिष शास्त्र में अशुभ फल देने वाला माना गया है और शास्त्रों के अनुसार पितृ पक्ष में पितरों का तर्पण करने से पितृ दोष से आने वाली परेशानियां दूर होती हैं तथा पितरों का आशीर्वाद मिलता है। देव ऋण, ऋषि ऋण तथा पितृ ऋण का हिन्दू धर्म में विशेष महत्व है और पितृ पक्ष में माता-पिता के प्रति तर्पण करके श्रद्धा व्यक्त की जाती है क्योंकि पितृ ऋण से मुक्त हुए बिना जीवन निरर्थक माना जाता है। सनातन धर्म के अनुसार देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण से मुक्ति पाए बिना व्यक्ति का पूर्ण कल्याण होना असंभव है।

योगेश कुमार गोयल

भाद्रपद माह की पूर्णिमा से शुरू होकर पितृमोक्षम अमावस्या तक पितृ पक्ष हर साल प्राय: 15 दिनों का होता है। हिन्दू पंचाग के अनुसार इस बार पितृ पक्ष की शुरुआत 7 सितम्बर से हुई है और 21 सितंबर को सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितृ पक्ष का समापन होगा। हिन्दू धर्म में पितृ पक्ष को बहुत अहम माना गया है लेकिन इस दौरान शुभ और मांगलिक कार्य वर्जित रहते हैं। पितृ पक्ष में सगाई, विवाह, मुंडन, गृहप्रवेश, परिवार के लिए महत्वपूर्ण चीजों की खरीदारी, नए कपड़े खरी. दना, कोई नया कार्य शुरू करना इत्यादि कोई भी शुभ कार्य करना अच्छा नहीं माना जाता। पितृ पक्ष में लोग अपने पूर्वजों को याद कर उनकी आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध कर्म, पिंडदान और तर्पण करते हैं।

दरअसल हिन्दू धर्म में मृत्यु के पश्चात पितरों की याद में श्राद्ध किया जाता है और उनकी मृत्यु की तिथि के अनुसार ही श्राद्ध की तिथि निर्धारित की जाती है। वैसे हिन्दू धर्म के अलावा ईसाई, इस्लाम और बौद्ध धर्म में भी अपने पूर्वजों को याद रखने की प्रथा है। पश्चिमी जगत में जहां पूर्वजों की स्मृति में मोमबत्तियां जलाने की प्रथा है, वहीं ईसाई धर्म में व्यक्ति के निधन के चालीस दिनों पश्चात् सामूहिक भोज की रस्म की जाती है। इस्लाम में चालीस दिनों बाद कब्र पर फातिहा पढ़ने और बौद्ध धर्म में भी पूर्वजों की याद में कुछ ऐसे ही प्रावधान देखने को मिलते हैं। श्राद्ध का अर्थ होता है 'श्रद्धापूर्वक'। हमारे संस्कारों और पूर्वजों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने को ही श्राद्ध कहा जाता है। सरल शब्दों में कहें तो दिवंगत परि. जनों को उनकी मृत्यु तिथि पर श्रद्धापूर्वक याद किया जाना जाना ही श्राद्ध है। ब्रह्मपुराण के अनुसार उचित काल या स्थान पर पितरों के नाम जो भी वस्तु उचित विधि द्वारा श्रद्धापूर्वक ब्राह्मणों को दी जाए, वह श्राद्ध कहलाता है। पितृ पक्ष को हिन्दू धर्म में 'महालय' या 'कनागत' के नाम से भी जाना जाता है। माना जाता है कि पितृ पक्ष के दौरान पिंडदान, तर्पण कर्म और ब्राह्मण को भोजन कराने से पूर्वज प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं। पिंडदान करने के लिए हरिद्वार और गया को सर्वोत्तम माना गया है। प्राचीन हिन्दू धर्म ग्रंथों और धार्मिक परम्पराओं में पितृपक्ष के अलावा भी श्राद्ध का उल्लेख मिलता है। धर्मसिंधु में तो श्राद्ध के लिए वर्षभर की सभी 12 अमावास्याओं, 4 पुणादि तिथियों, 14 मन्वादि तिथियों, 12 संक्रांतियों, 12 वैधृति योग, 12 व्यतिपात योग, 15 पितृपक्ष, 5 अष्टका, 5 अन्वष्टका और 5 पूर्वेद्यु अर्थात् 96 कालखंड का विवरण मिलता है किन्तु पितृ पक्ष के दौरान श्राद्ध कर्म करने का महत्व सर्वाधिक माना गया है। पूर्वजों के निधन की तिथि के अनुसार पितृपक्ष के दौरान उनका श्राद्ध कर्म किया जाता है लेकिन पारंपरिक अवधारणाओं के अनुसार अगर किसी पितर की मृत्यु तिथि मालूम नहीं है तो उनका श्राद्ध अमावस्या के दिन किया जाता है, जिसे 'सर्व पितृ अमावस्या' भी कहा जाता है। जिन परिजनों की मृत्यु की तिथि ज्ञात नहीं होती, उन सभी का श्राद्ध इस दिन किया जा सकता है।

हिन्दू धर्म में मान्यता है कि पितृ पक्ष के दिनों में यमराज आत्मा को मुक्त कर देते हैं ताकि वे अपने परि. जनों के यहां जाकर तर्पण ग्रहण कर सकें। ऐसी ही मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष के दिनों में पितर नीचे पृथ्वी पर आते हैं और बिना किसी आव्हान के अपने वंशजों के घर किसी भी रूप में जाते हैं। ऐसे में यदि उन्हें तृप्त नहीं किया जाए तो उनकी आत्मा नाराज होकर अतृप्त लौट जाती है। माना गया है कि यदि पितर नाराज हो जाएं तो जिंदगी मुसीबतों से भर जाती है। इसलिए शास्त्रों में पितरों का श्राद्ध विधिपूर्वक करना जरूरी बताया गया है। मान्यता है कि यदि पितर खुशी-खुशी वापस जाते हैं तो अपने वंशजों को दिए गए उनके आशीर्वाद से घर-परिवार में सुख-समृद्धि में बढ़ोतरी होती है। जिंदगी में सफलता के लिए मेहनत, किस्मत, ईश्वरीय कृपा के साथ-साथ पूर्वजों का आशीर्वाद भी बेहद जरूरी होता है और धर्म एवं ज्योतिष शास्त्र के अनुसार पूर्वजों को सम्मान देने से वे प्रसन्न होते हैं तथा पूरे परिवार पर कृपा करते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

पंजाब की बाढ़ त्रासदी, 2047 के सपने और 2025 का पानी-पानी

वीरेश तरार

देश आजादी के अमृतकाल में है और सत्ताधारी नेतृत्व सन 2047 तक विकसित भारत का सपना दिखा रहा है। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही तस्वीर पेश कर रही है। इस वर्ष उत्तर भारत ने वह त्रासदी देखी है जिसने विकास के तमाम दावों को बहा दिया और एक सवाल खड़ा कर दिया है कि अगर पानी ही नियंत्रित नहीं किया जा सका, तो विकास की इमारत टिकेगी कैसे। पंजाब, जो देश की अन्न भंडार कहा जाता है, इस बार बाढ़ की विभीषिका में बुरी तरह टूट गया है। खेत खलिहान डूब गए, मवेशी बह गए, घर उजड़ गए और पूरा जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज नौ सितम्बर को खुद पंजाब का दौरा कर रहे हैं, लेकिन यह स्पष्ट है कि इस त्रासदी ने पंजाब की रीढ़ तोड़ दी है। यह केवल एक प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि एक गहरी चेतावनी है कि हम अपनी नदियों और बांधों की राजनीति के जाल में फंसे रहकर विकास का स्थाई मॉडल गढ़ नहीं सकते।

पंजाब में इस बार की बाढ़ ऐतिहासिक है। उन्नीसवीं और बीसवीं सदी के शुरुआती वर्षों में जब-जब यहां बाढ़ आई थी, तब भी नुकसान हुआ, लेकिन इस बार का नुकसान कहीं ज्यादा व्यापक और गहरा है। खेतों की खड़ी फसलें मिट्टी में समा गई, डेयरी और पशुपालन से जुड़े लाखों परिवार मवेशियों के मरने और चारे की कमी से तबाह हो गए। अनाज मंडियों में पहुंचने वाला उत्पादन लगभग आधा रह गया है और जो बचा है, उसमें भी नमी और सड़न का खतरा मंडरा रहा है। राहत सामग्री के ट्रक भले लगातार

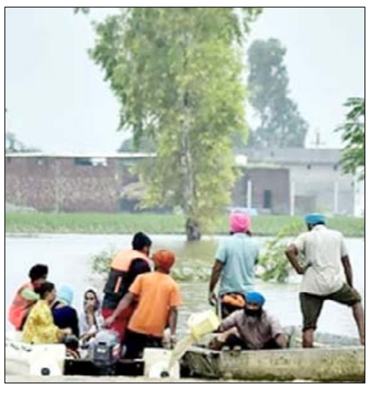

गांव-गांव पहुंच रहे हों, लेकिन यह किसी भी स्थिति में स्थाई समाधान नहीं है। पंजाब आज केवल ट्रक भर-भर कर पहुंचाई जा रही राहत सामग्री पर निर्भर होने को मजबूर है। एक कृषि प्रधान राज्य जब राहत के पैकेटों पर जिंदा रहने लगे, तो यह विकास मॉडल की सबसे बड़ी विडंबना है।

पंजाब की त्रासदी का असर केवल स्थानीय नहीं रहेगा। यहां की गेहूं-धान उत्पादन प्रणाली पर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा टिकी हुई है। अगर यह चक्र टूटता है तो आने वाले वर्षों में देश को खाद्य संकट का सामना करना पड़ सकता है। यही कारण है कि पर्यवेक्षक कह रहे हैं कि पंजाब का यह नुकसान सालों तक महसूस किया जाएगा। बाढ़ ने न केवल बुनियादी ढांचे को ध्वस्त किया है, बल्कि पंजाब के सामाजिक और आर्थिक ताने-बाने को भी हिला दिया है।

बाढ़ का प्रकोप केवल पंजाब तक सीमित नहीं रहा। हिमाचल प्रदेश में बादल फटने और भूस्खलन से सैकड़ों गांव उजड़ गए। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के मार्ग अवरुद्ध हुए और हजारों तीर्थयात्री फंसे। हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों में भी नदियों ने कहर बरपाया। लेकिन जब सारी नदियां बिहार में मिलती हैं और ऊपर से नेपाल का अतिरिक्त पानी वहां उतरता है, तो स्वाभाविक है कि बिहार सबसे बड़ी कीमत चुकाता है। बिहार की नदियों ने एक बार फिर लाखों लोगों को बेघर किया, खेतों को जलमग्न कर दिया और ग्रामीण जीवन को महीनों पीछे धकेल दिया। बिहार दरअसल पूरे उत्तर भारत की बाढ़ का अंतिम गंतव्य है। यहां जब-जब पानी बढ़ता है, तो यह केवल स्थानीय आपदा नहीं होती बल्कि पूरे उत्तरी क्षेत्र की अव्यवस्थित जल-नीति का परिणाम होती है।

यहां यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या हमारी जल-नीति सही दिशा में है। वर्ष 2021 में केंद्र सरकार ने एक नई बांध नीति बनाई थी, जिसके तहत पूरे देश के छोटे-बड़े बांधों का रख-रखाव और नियंत्रण केंद्र के हाथों में आ गया। राज्यों को केवल इसका खर्च वहन करना है। उद्देश्य था कि बाढ़ जैसी त्रासदियों से समय रहते चेतावनी मिल सके, तकनीकी खामियां दूर हों और संसाधनों का बेहतर उपयोग हो। लेकिन इस बार की त्रासदी ने दिखा दिया कि यह व्यवस्था भी कारगर साबित नहीं हुई। केंद्र की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए थी कि समय रहते राज्यों को चेताया जाता और समन्वय बैठकों के जरिए सामूहिक तैयारी की जाती। हरियाणा, जो स्वयं भाजपा शासित राज्य है, क्या उसने केंद्र के साथ ऐसी बैठकें कीं? उत्तर प्रदेश और बिहार में क्या जल प्रबंधन को लेकर कोई ठोस कदम उठाए गए? हिमाचल की त्रासदी के लिए कांग्रेस सरकार को दोष देने वाले क्या हरियाणा और उत्तर प्रदेश की सरकारों को इसी कसौटी पर नहीं कसना चाहिए? सवाल यह है कि जब बांध नीति केंद्र के अधीन है, तो क्या इस भारी जन और धन हानि की जवाबदेही भी केंद्र को नहीं लेनी चाहिए? राज्यों पर समन्वय न बैठाने का बहाना बनाना आखिर कितनी नैतिकता रखता है?

इसी क्रम में दूसरा बड़ा प्रश्न वृक्ष कटान का है। इस बार की बाढ़ और बादल फटने की घटनाओं को देखते हुए उच्चतम न्यायालय ने भी गंभीर संज्ञान लिया है। पहाड़ों में अंधाधुंध वृक्ष कटान पर प्रतिबंध के बावजूद बड़ी संख्या में लकड़ी के लठे और पेड़ों के ठूंठ बाढ़ के साथ बहते हुए मैदानों में पहुंचे। यह साफ संकेत है कि या तो प्रतिबंध का पालन नहीं हुआ, या फिर संगठित रूप से नियमों की अनदेखी की गई। वृक्ष कटान से पहाड़ कमजोर हुए, मिट्टी का क्षरण बढ़ा और परिणामस्वरूप बारिश का पानी रोकने वाले प्राकृतिक अवरोध टूट गए। यही कारण है कि वर्षा की तीव्रता पहले से कहीं अधिक विनाशकारी साबित हुई। सवाल यह है कि जब सीमावर्ती पचास किलोमीटर क्षेत्र गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी में आता है और बांध विभाग भी केंद्र सरकार के अधीन है, तो इतने व्यापक पैमाने पर वृक्ष कटान कैसे संभव हुआ? क्या यह राज्यों की विफलता थी या केंद्र की लापरवाही? जवाबदेही तय होना ही चाहिए।

यह भी सोचने का समय है कि प्रकृति की चेतावनी को किस तरह लिया जाए। लगातार बदलते मौसम चक्र, ग्लेशियरों के पिघलने की गति और मानसून की अनिश्चितता ने संकेत दे दिए हैं कि आने वाले वर्षों में पानी का संकट और गहराएगा। एक ओर बाढ़, दूसरी ओर सूखाकृयही दो ध्रुवीय स्थितियां अब हमारे सामने बार-बार आती रहेंगी। ऐसे में जरूरी है कि जल प्रबंधन केवल इंजीनियरिंग का सवाल न रहे, बल्कि उसे पर्यावरणीय संतुलन और सामाजिक न्याय की .ष्टि से भी देखा जाए।

आज जब प्रधानमंत्री पंजाब का दौरा कर रहे हैं, तब यह केवल राहत पैकेज या मुआवजे की घोषणा का सवाल नहीं होना चाहिए। यह अवसर होना चाहिए कि हम राष्ट्रीय स्तर पर जल प्रबंधन और नीतिगत सुधार की चर्चा को केंद्र में लाएं। अगर हमने आज से तैयारी नहीं की, तो 2047 के विकसित भारत का सपना केवल नारों और भाषणों में रह जाएगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'X' ने कुरेदे 1965 की जंग के जख्म, कहा: पाक की हुई थी स्ट्रैटजिक हार

पाकिस्तानी पीएम बोले थे: 60 साल पहले हमारी सेना ने दुश्मन का हमला नाकाम किया

पाकिस्तान के कश्मीर में विद्रोह भड़काने की रणनीति को भारत ने विफल किया और पाकिस्तान को अपनी रणनीति बदलने पर मजबूर होना पड़ा था

इस्लामाबाद। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स के कम्युनिटी पोस्ट ने पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ के 1965 भारत-पाक जंग से जुड़े दावों की पोल खोल दी। शहबाज ने एक्स पर लिखा कि 6 सितम्बर हमारे देश के लिए वीरता और एकता का प्रतीक है। साठ साल पहले 1965 में हमारी सेना ने जनता के साथ, दुश्मन के हमले को नाकाम किया और साबित किया कि पाकिस्तान एक मजबूत राष्ट्र है, जो अपनी रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम है। 1965 की वह अटूट भावना आज भी जीवित है। इस पर एक्स ने जवाब देते हुए लिखा: भारत और पाकिस्तान के बीच हुई 1965 का जंग पाकिस्तान के लिए एक स्ट्रैटजिक और पालिटिकल हार थी।

पाकिस्तान की कश्मीर में विद्रोह भड़काने की रणनीति को भारत ने विफल किया और पाक को अपनी रणनीति बदलने पर मजबूर होना पड़ा था। पाकिस्तानी पीएम ने ऑपरेशन सिंदूर के खिलाफ हाल संघर्ष का जिक्र करते हुए कहा कि हमारी सेना और जनता एक मजबूत दीवार की तरह एकजुट होकर बाहरी हमलों के खिलाफ खड़े हुए हैं, हमने हर बार दुश्मन के घमंड को कुचला है। शहबाज भारत पर उकसाने का आरोप लगाते हुए लिखा: पाकिस्तान शांति को बढ़ावा देता है। फिर भी, हमें भारत की लगातार उकसावे और बदलते क्षेत्रीय माहौल की हकीकत से अनजान नहीं रहना चाहिए। हम अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत और आधुनिक बनाना जारी रखेंगे। हमें पता है आतंकवाद और विदेशी गुर्गों से कैसे निपटना है। उन्होंने भारत आपरेटेड जम्मू और कश्मीर (आईओजेके) को लेकर कहा कि वहां के लोग लंबे समय से आतंकवाद को सहन कर रहे हैं। उनकी आजादी की लड़ाई को बलपूर्वक दबाया नहीं जा सकता। भारत और पाकिस्तान के बीच 1965 का युद्ध, जिसे सेकेंड कश्मीर वॉर के रूप में भी जाना जाता है। यह जंग जम्मू और कश्मीर के विवादित क्षेत्र को लेकर लड़ा गया, जो 1947 में दोनों देशों के बीच बंटवारे के बाद से तनाव का प्रमुख कारण रहा है। यह 1 अगस्त से 23 सितम्बर, 1965 तक चला।

1 कश्मीर विवाद:

1947-48 के पहले भारत-पाक युद्ध के बाद, कश्मीर का कुछ हिस्सा भारत के नियंत्रण में (जम्मू और कश्मीर) और कुछ हिस्सा पाकिस्तान के नियंत्रण में (आजाद कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान) रहा। दोनों देश पूरे क्षेत्र पर दावा करते रहे, जिसके कारण तनाव बना रहा।

2 ऑपरेशन जिब्राल्टर:

1965 में, पाकिस्तान ने कश्मीर में घुसपैठियों को भेजकर स्थानीय विद्रोह को भड़काने की कोशिश की, जिसे 'ऑपरेशन जिब्राल्टर' कहा गया। इसका मकसद कश्मीर में भारत के खिलाफ विद्रोह को उकसाना था। हालांकि, यह योजना विफल रही, क्योंकि स्थानीय कश्मीरियों ने इसका समर्थन नहीं किया और भारतीय सेना को इसकी जानकारी मिल गई।

3 ऑपरेशन ग्रैंड स्लैम:

इसके बाद, पाकिस्तान ने कश्मीर के चंब-जौरियां क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सैन्य हमला शुरू किया, जिसके जवाब में भारत ने भी सैन्य कार्रवाई की। 1965 जंग के दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तानी शेरमन टैंक को नष्ट किया। अगस्त 1965 में, पाकिस्तानी घुसपैठियों की गतिविधियों का पता चलने पर भारत ने जवाबी कार्रवाई शुरू की। 5 अगस्त को, दोनों पक्षों के बीच छिटपुट झड़पें शुरू हुईं।

1 सितम्बर को, पाकिस्तान ने चंब क्षेत्र में बड़े पैमाने पर हमला शुरू किया, जिसमें टैंक और भारी हथियारों का उपयोग किया गया। इसका मकसद जम्मू-कश्मीर को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण सड़क को काटना था। भारत ने 6 सितम्बर को पंजाब सीमा पर लाहौर की ओर जवाबी हमला शुरू किया, जिससे युद्ध पूरे पश्चिमी मोर्चे पर फैल गया। भारतीय सेना ने सियालकोट और लाहौर के पास कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रवेश किया।

नई दिल्ली। आयोवा के गवर्नर किम रेनॉल्ड्स के साथ बैठक के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर।

नॉर्थ कोरिया में अमेरिका के सीक्रेट मिशन का खुलासा

जासूसी के लिए इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस लगाना चाहते थे ट्रम्प, शुरू होते ही फेल हुआ

वॉशिंगटन। डोनाल्ड ट्रम्प के पिछले कार्यकाल में एक अमेरिका की नेवी सील टीम ने 2019 में नॉर्थ कोरिया के तट पर एक खुफिया मिशन चलाया था।

इस मिशन का मकसद नॉर्थ कोरिया के शासक किम जोंग-उन की कम्युनिकेशन व्यवस्था की जासूसी करने के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस लगाना था। यह मिशन असफल रहा और इसमें निहत्थे नॉर्थ कोरियाई लोग मारे गए। जनवरी 2019 की एक सर्द रात को अमेरिकी नेवी सील की एक टीम चुपचाप एक पनडुब्बी से निकली और नॉर्थ कोरिया के एक चट्टानी तट की ओर बढ़ी। इस टीम में वही सैनिक थे जिन्होंने ओसामा बिन लादेन को मारा था। उनका लक्ष्य किम जोंग-उन की जासूसी करना था ताकि अमेरिका को परमाणु बातचीत में मदद मिल सके। यह मिशन इतना खतरनाक था कि इसकी मंजूरी खुद तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दी थी। हालांकि, यह मिशन शुरू होते ही विफल हो गया। एसईएएल टीम ने कई महीनों तक बर्फीले पानी में इस मिशन की तैयारी की। टीम को परमाणु ऊर्जा से चलने वाली अमेरिकी पनडुब्बी से भेजा जाना था। सील टीम को लगा कि तट पर कोई नहीं है। वे गहरे पानी में, नाइट-विजन चश्मे पहनकर और गीले कपड़ों में पहुंचे।

गाजा में इजरायली सेना का हमला, 50 की मौत

गाजा। गाजा पट्टी में इजरायली सेना द्वारा कम से कम 50 फलस्तीनी मारे गए हैं। फलस्तीनी सरकारी समाचार एजेंसी वाफा ने यह जानकारी अपनी रिपोर्ट में दी है। वाफा के अनुसार मारे गए लोगों में से 46 लोग परिक्षेत्र के उत्तरी भाग के निवासी थे। गाजा नागरिक सुरक्षा प्रवक्ता महमूद बसल ने एक बयान में कहा कि रविवार सुबह से इजरायली सेना ने 50 से जयादा इमारतों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है और 100 अन्य को आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया है, जिनमें हज़ारों नागरिकों के आवास वाली ऊंची इमारतें भी शामिल हैं। बसल ने इस दिन को 18 मार्च के बाद से 'युद्ध के सबसे कठिन दिनों में से एक' बताया।

टैरिफ पर खुद अमेरिका में ही घिरे ट्रम्प

टैरिफ पर सुप्रीम सुनवाई के बीच बोले ट्रम्प के मंत्री: विपरीत फैसले का पड़ेगा खजाने पर असर

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तरफ से लगाए गए भारी टैरिफ पर कानूनी विवाद गहराता जा रहा है। अगर देश की सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखा, तो अमेरिकी सरकार को अब तक वसूले गए शुल्क का लगभग आधा हिस्सा वापस करना पड़ सकता है।

यह बयान खुद अमेरिका के वित्त मंत्री स्काट बेसेंट ने दिया है। उन्होंने एक न्यूज चैनल के कार्यक्रम में कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला हमारे खिलाफ दिया, तो हमें लगभग आधे टैरिफ की वापसी करनी होगी। यह अमेरिकी खजाने के लिए बहुत बुरा होगा...लेकिन अगर कोर्ट कहता है, तो हमें करना ही पड़ेगा। बता दें कि डोनाल्ड ट्रम्प ने राष्ट्रपति रहते हुए लगभग सभी प्रमुख व्यापारिक साझेदार देशों पर भारी टैरिफ लगाए। उन्होंने इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनामिक पावर्स एक्ट के तहत अप्रैल में राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर यह कदम उठाया। ट्रम्प का तर्क था कि व्यापार घाटा अमेरिकी विनिर्माण उद्योग को नुकसान पहुंचा रहा है और यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। लेकिन अदालतों ने इस पर सवाल उठाए। मई 2025 में न्यूयार्क में मौजूद कोर्ट आफ इंटरनेशनल ट्रेड ने इन टैरिफ को अवैध करार दिया। 29 अगस्त 2025 को यूएस कोर्ट आफ अपील्स फार द फेडरल सर्किट ने 7.4 के फैसले में कहा कि टैरिफ लगाना कांग्रेस का अधिकार है, न कि राष्ट्रपति का।

ट्रम्प का तर्क था कि व्यापार घाटा अमेरिकी विनिर्माण उद्योग को नुकसान पहुंचा रहा है

आंकड़े सचेत कर रहे...

अमेरिकी खजाना: अगर फैसला ट्रम्प के खिलाफ हुआ, तो सरकार को सैकड़ों अरब डालर वापस लौटाने होंगे, जिससे खजाना पर भारी दबाव पड़ेगा।
अमेरिकी कंपनियां: जो कंपनियां टैरिफ के कारण नुकसान झेल रही थीं, उन्हें राहत मिलेगी।
वैश्विक व्यापार: ट्रम्प के टैरिफ खत्म होने से दुनिया भर के व्यापारिक रिश्तों पर असर पड़ेगा, खासकर चीन, यूरोप और भारत जैसे देशों के साथ।
राजनीतिक प्रभाव: यह मामला ट्रम्प के 2024 चुनावी वादों और उनकी आर्थिक नीतियों की विश्वसनीयता को सीधे चुनौती देगा।

रूस के साथ सौदा करने वाले देशों पर सख्ती सही

कीव। 6 अगस्त की रात रूस ने यूक्रेन पर युद्ध का अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया। इसके बाद यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि रूस से व्यापार जारी रखने वाले देशों पर टैरिफ और अन्य सख्त प्रतिबंध लगाए जाने चाहिए। एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में जेलेंस्की से पूछा गया कि चीन में पीएम नरेंद्र मोदी, शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात को लेकर उनका क्या कहना है और क्या उन्हें लगता है कि डोनाल्ड ट्रम्प की तरफ से भारत पर टैरिफ लगाने की योजना उलटी पड़ सकती है? इस पर जेलेंस्की ने कहा कि रूस के साथ सौदे जारी रखने वाले देशों पर टैरिफ लगाना सही विचार है।

अमेरिकी राष्ट्रपति यूएस ओपन फाइनल में हूटिंग के शिकार

इस दौरान दर्शकों की तरफ से उन्हें मिलीजुली प्रतिक्रिया मिली

न्यूयार्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प यूएस ओपन में शामिल हुए। फाइनल मैच से पहले कुछ देर के लिए एक लग्जरी बाक्स से हाथ हिलाते नजर आए। इस दौरान दर्शकों की तरफ से उन्हें मिलीजुली प्रतिक्रिया मिली।

कहीं, तालियां बजाई गईं, कहीं उन्हें हूटिंग का सामना करना पड़ा। आर्थर ऐश स्टेडियम उस समय तक पूरी तरह भरा नहीं था और ट्रम्प का अभिवादन भी न तो पहले से घोषित था और न ही बहुत देर तक चला। नतीजतन, कुछ लोग इसे देख भी नहीं पाए। ट्रम्प इस बार रोलेक्स के मेहमान के तौर पर आए थे, जबकि उनके प्रशासन ने हाल ही में स्विटजरलैंड से आने वाले उत्पादों पर 39 प्रतिशत का भारी टैरिफ लगाया है। आयोजक टीवी प्रसारण पर उनकी हूटिंग को रोकने की कोशिश कर रहे थे। ट्रम्प अपने दूसरे कार्यकाल में घरेलू यात्राओं को मुख्य रूप से खेल आयोजनों तक ही सीमित रखे हुए हैं।

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक | pnb | punjab national bank ...the name you can BANK upon! (A GOVERNMENT OF INDIA UNDERTAKING)
सैम शाखा, दिल्ली
चौथी मंजिल, 7वां भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली-110066
ईमेल: zs8343@pnb.co.in

(प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना)

मैसर्स श्रीजी एग्रो फूड्स (उधारकर्ता) (साझेदार: श्री रितेश कुमार और श्री जितेश गोयल) ग्राम पिपलिया, अमरिया पीलीभीत रोड, तहसील सितारगंज, जिला उधम सिंह नगर पिन: 262405 ईमेल आईडी: shreegeeagrofoods@gmail.com
श्री रितेश कुमार पुत्र स्व. रमेश चन्द्र (साझेदार और गारंटर) वार्ड नंबर 7, सितारगंज, उधम सिंह नगर, उत्तराखंड-262405 मोबाइल नंबर: 8445194311 / 9837022705.
श्री गुरदयाल सिंह पुत्र स्व. मलकीत सिंह (गारंटर) ग्राम रामपुरा, तहसील- सितारगंज, जिला- उधम सिंह नगर- 262405.
श्री रमेश चन्द्र पुत्र स्व. गंगा राम (गारंटर) ग्राम पिपलिया नत्थू तहसील सितारगंज जिला उधम सिंह नगर 262405 मोबाइल नंबर 9897654160.
श्रीमती हरजीत कौर पत्नी स्व. गुरदयाल सिंह (गारंटर) ग्राम रामपुरा, तहसील सितारगंज, जिला- उधम सिंह नगर- 262405.
श्री जितेश गोयल पुत्र स्व. रमेश चंद्र (साझेदार और गारंटर) वार्ड नंबर 7, सितारगंज, उधम सिंह नगर, उत्तराखंड - 262405 मोबाइल नंबर: 9837054205
श्री देविंदर सिंह पुत्र स्व. कुलवंत सिंह (गारंटर) ग्राम हरदासपुर, पीलीभीत, जिला उधम सिंह नगर - 262001.
श्रीमती सुशीला गोयल पत्नी स्व. रमेश चंद्र (गारंटर) वार्ड नंबर 7, सितारगंज, उधम सिंह नगर, उत्तराखंड - 262405.
श्रीमती अमरजीत कौर पत्नी स्व. देविंदर सिंह (गारंटर) ग्राम हरदसापुर, पीलीभीत, जिला उधम सिंह नगर - 262001
महोदय/महोदया,
रजि: प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 की धारा 13(8) के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम के नियम 8(6) के अंतर्गत प्रतिभूति परिसंपत्तियों की बिक्री के संबंध में सूचना

विषय: सुरक्षित परिसंपत्तियों का मोचन

आपको एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित चल/अचल संपत्तियां सुरक्षित लेनदार के पास बंधक/भारित हैं, जिनका प्रतीकात्मक/भौतिक कब्जा पीएनबी के प्राधिकृत अधिकारी, सुरक्षित लेनदार द्वारा ले लिया गया है और इन्हें 01.04.2025 को 44,86,73,693.72 रुपये (चवालीस करोड़ चौरासी लाख तिहत्तर हजार छह सौ तिरानवे और बहत्तर पैसे मात्र) की वसूली के लिए **"जैसा है जहां है"**, **"जैसा है"** और **"जो कुछ भी है"** के आधार पर बेचा जाएगा, जिसमें ब्याज और आकस्मिक व्यय, लागत, शुल्क आदि, यदि कोई हो, घटाकर वसूली शामिल है, जब तक कि SARFAESI अधिनियम की धारा 13(2) के तहत जारी 09.04.2025 के मांग नोटिस के अनुसार पंजाब नेशनल बैंक को देय पूर्ण भुगतान नहीं कर दिया जाता। लागू की जाने वाली सुरक्षित संपत्तियों का विवरण नीचे दिया गया है:

सुरक्षा/स्वामियों/सीमाओं के नाम का विवरण

मैसर्स श्रीजी एग्रो फूड्स ग्राम पिपलिया नाथू सितारगंज - अमरिया पीलीभीत रोड, तहसील सितारगंज जिला उधम सिंह नगर पिन 262405 के फैक्टरी परिसर में स्थापित संयंत्र और मशीनरी का दृष्टिबंधक

1.) कारखाना भूमि एवं भवन, खाता संख्या 19 एवं खसरा संख्या 1, ग्राम पिपलिया नत्थू, तहसील सितारगंज, जिला उधम सिंह नगर में स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 0.2700 हेक्टेयर है और पंजीकृत विक्रय विलेख के माध्यम से श्री रितेश कुमार पुत्र श्री रमेश चन्द्र के नाम पर पंजीकृत है। एसआरओ सितारगंज में बही नंबर 1, ज़िल्द 1172, पेज 01-16, क्रम संख्या 3937, दिनांक 25.10.2017 दर्ज किया गया।
सीमाएँ:- पूर्व, सितारगंज-पीलीभीत रोड, **पश्चिम में** वरियम सिंह और अन्य की भूमि, **उत्तरी** एमबी एग्रो मिल्स, **दक्षिण** भूमि वरियाम सिंह की,
मालिकों का नाम: श्री रितेश कुमार पुत्र स्व. रमेश चंद्र
2.) फैक्टरी भूमि और भवन खाता संख्या 123 और खसरा संख्या 618/2 ग्राम-बिथा अकबर, तहसील सितारगंज, जिला उधम सिंह नगर का हिस्सा है, जिसकी माप 0.3090 हेक्टेयर है, जो श्री के नाम पर बिक्री विलेख के माध्यम से पंजीकृत है। जितेश गोयल पुत्र स्व. रमेश चंद्र ने बही नंबर 1, जिल्द 1172, पृष्ठ 147-162, क्रमांक 3948 दिनांक 27.10.2017, एसआरओ सितारगंज।
सीमाएँ: पूर्व, सितारगंज-पीलीपहाड़ी रोड, **पश्चिम,** वरियाम सिंह व अन्य की भूमि, **उत्तर,** एमबी एग्रो मिल्स, **दक्षिण,** वरियाम सिंह की भूमि।
मालिकों का नाम: श्री जितेश गोयल पुत्र श्री रमेश चंद्र।
3.) फैक्ट्री की जमीन और भवन खाता संख्या 40 और खसरा संख्या 1 का हिस्सा, ग्राम- पिपलिया नत्थू, तहसील सितारगंज, जिला उधम सिंह नगर में स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 0.3250 हेक्टेयर है, जो पंजीकृत बिक्री विलेख के माध्यम से श्री देविंदर सिंह पुत्र श्री कुलवंत सिंह के नाम पर बही संख्या 1, जिल्द 1172, पृष्ठ 163-178, क्रम संख्या 3949 दिनांक 27.10.2017 को एसआरओ सितारगंज में दर्ज है।
सीमाएँ: पूर्व, सितारगंज-पीलीपहाड़ी रोड, **पश्चिम** वरियाम सिंह और अन्य की भूमि, **उत्तर** एमबी एग्रो मिल्स, **दक्षिण** वरियाम सिंह की भूमि
मालिकों का नाम: श्री देविंदर सिंह पुत्र श्री कुलवंत सिंह
4.) फैक्ट्री की जमीन और भवन खाता संख्या 43 और खसरा संख्या 617, 621/649, 622 और 618/1 का हिस्सा, ग्राम बिथा अकबर, तहसील सितारगंज, जिला उधम सिंह नगर, जिसका क्षेत्रफल 0.3080 हेक्टेयर है, श्री गुरदयाल सिंह पुत्र श्री मलकीत सिंह के नाम पर पंजीकृत बिक्री विलेख द्वारा पंजीकृत है, जो बही संख्या 1, जिला 1172, पृष्ठ 385-400, क्रम संख्या 3936, दिनांक 25.10.2017 को उप क्षेत्रीय कार्यालय सितारगंज में दर्ज है।
आईपी एस.एन. 1 से एस.एन. 4 को मेसर्स श्रीजी एग्रो फूड्स (उधारकर्ता) के पक्ष में 14.09.2022 से शुरू होने वाली 30 साल की अवधि के लिए पट्टे पर दिया गया है। सीमाएं: पूर्व, सितारगंज-पीलीपहाड़ रोड, **पश्चिम,** वरियाम सिंह और अन्य की भूमि, **उत्तर** एमबी एग्रो मिल्स, **दक्षिण,** वरियाम सिंह की भूमि।
मालिकों का नाम: श्री गुरदयाल सिंह पुत्र श्री मलकीत सिंह
5.) खाता संख्या 702 और खसरा संख्या 24ए मिन और 29ए मिन ग्राम-रामपुरा, तहसील सितारगंज, जिला उधम सिंह नगर के हिस्से में स्थित 1.212 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाली व्यावसायिक संपत्ति, पंजीकृत बिक्री विलेख द्वारा श्री गुरदयाल सिंह पुत्र श्री मलकीत सिंह के नाम पर पंजी त है, जो बुक संख्या 1, जिला 301, पृष्ठ 301-326, क्रम संख्या 2816, दिनांक 14.07.2006 को एसआरओ सितारगंज में दर्ज है।
सीमाएँ: पूर्व में 30' चौड़ी सड़क और अन्य का घर और प्लॉट, **पश्चिम में** खुला प्लॉट और घर, **उत्तर में** 20' चौड़ी सड़क और अन्य का घर और प्लॉट, दक्षिण में: खुला प्लॉट
मालिकों का नाम: श्री गुरदयाल सिंह पुत्र श्री मलकीत
6.) खटीमा ओल्ड बाईपास रोड, प्लॉट संख्या 209 एम, वार्ड संख्या 10, रामपुरा, तहसील सितारगंज, जिला उधम सिंह नगर में स्थित व्यावसायिक संपत्ति, जिसका क्षेत्रफल 0.1350 हेक्टेयर है, पंजीकृत उपहार विलेख के माध्यम से श्री देविंदर सिंह पुत्र श्री कुलवंत सिंह के नाम पर, बही संख्या 1, जिला 1201, पृष्ठ 195-210, क्रम संख्या 52, दिनांक 03.01.2018 को उप क्षेत्रीय कार्यालय सितारगंज में दर्ज है।
सीमाएँ: पूर्व, अन्य की संपत्ति, **पश्चिम,** बिजटी रोड, **उत्तर,** अन्य की दुकान, **दक्षिण,** शावन टेंट हाउस की दुकान
मालिकों का नाम: श्री देविंदर सिंह पुत्र श्री कुलवंत सिंह
7.) आवासीय संपत्ति प्लॉट संख्या 197 मिन, ग्राम रामपुरा, तहसील सितारगंज, जिला उधम सिंह नगर में स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 92.93 वर्ग मीटर है। पंजीकृत विक्रय विलेख के माध्यम से श्री गुरदयाल सिंह पुत्र श्री मलकीत सिंह के नाम पर पंजीकृत है, जो कि बुक संख्या 1, खंड 21, पृष्ठ 53-66, क्रम संख्या 582, दिनांक 18.04.1998 को उप क्षेत्रीय कार्यालय सितारगंज में दर्ज है।
सीमाएँ: पूर्व, अन्य का घर, **पश्चिम,** बिजटी रोड, **उत्तर,** अन्य की दुकान, **दक्षिण** होटल सिटी
मालिकों का नाम: श्री गुरदयाल सिंह पुत्र श्री मलकीत सिंह
कृपया ध्यान दें कि SARFAESI अधिनियम की धारा 13(8) के अनुसार, आप इस सूचना की प्राप्ति की तिथि से 30 दिनों के भीतर अपनी संपूर्ण बकाया राशि चुकाकर उपरोक्त सुरक्षित संपत्तियों को मोचन कर सकते हैं। धारा 13 की उक्त उपधारा 8 नीचे पुन: प्रस्तुत है:
"जहाँ सुरक्षित ऋणदाता की बकाया राशि, उसके द्वारा वहन की गई सभी लागतों, प्रभारों और व्ययों सहित, सुरक्षित संपत्तियों के पट्टे, समनुदेशन या बिक्री के माध्यम से हस्तांतरण हेतु सार्वजनिक नीलामी या सार्वजनिक या निजी संधि से कोटेशन या निविदा आमंत्रित करने की सूचना के प्रकाशन की तिथि से पहले किसी भी समय सुरक्षित ऋणदाता को प्रस्तुत की जाती है,-
(i) सुरक्षित आस्तियों को सुरक्षित ऋणदाता द्वारा पट्टे, समनुदेशन या बिक्री के माध्यम से स्थानांतरित नहीं किया जाएगा, और
(ii) यदि इस उपधारा के अधीन ऐसी राशि देने से पूर्व सुरक्षित ऋणदाता द्वारा आस्तियों के पट्टे या समनुदेशन या विक्रय के माध्यम से अंतरण के लिए कोई कदम उठाया गया है, तो ऐसे सुरक्षित ऋणदाता द्वारा ऐसी सुरक्षित आस्तियों के पट्टे या समनुदेशन या विक्रय के माध्यम से अंतरण के लिए कोई और कदम नहीं उठाया जाएगा।
इसलिए आपसे अनुरोध है कि आप उपरोक्त सुरक्षित परिसंपत्तियों को 30 दिनों की अवधि के भीतर SARFAESI अधिनियम की धारा 13(8) के साथ पठित 2002 के नियम 8(6) के अनुसार उपरोक्त राशि का भुगतान करके मोचन करें, अन्यथा उपरोक्त सुरक्षित परिसंपत्तियों को नीलामी में डाल दिया जाएगा और सुरक्षित परिसंपत्तियों की बिक्री के संबंध में **प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमों के नियम 9(1) के अनुसार बिक्री नोटिस का प्रकाशन किया जाएगा।**
(सहायक महाप्रबंधक)
प्राधिकृत अधिकारी
सुरक्षित लेनदार
स्थान: दिल्ली
दिनांक: 29.08.2025

यरुशलम में बंदूकधारियों की गोलीबारी, पांच मरे, 15 घायल

यरुशलम। उत्तरी यरुशलम में सोमवार को एक बस स्टॉप पर दो हमलावरों की अंधाधुंध गोलीबारी में कम से कम पांच लोग मारे गए और 15 अन्य जख्मी हो गए। घायलों में सात की हालत गंभीर है। सीएनएन ने बताया कि एक सुरक्षा अधिकारी और एक नागरिक ने हमला होने के तुरंत बाद हमलावरों को गोली मार दी, जिससे हमला रुक गया। पुलिस ने हमलावरों की पहचान के बारे में कोई जानकारी देने से मना कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू खुद मौके पर पहुंचे और अधिकारियों से बात की। हमले के वीडियो फुटेज में सुबह के समय व्यस्त चौराहे पर स्थित एक बस स्टॉप से दर्जनों लोग भागते हुए दिखाई दे रहे हैं। घटनास्थल पर पहुंचे चिकित्सा दल ने बताया कि इलाके में अफरा-तफरी का माहौल था और कई जगह कांच बिखरा हुआ था। घायल और बेहोश लोग सड़क तथा बस स्टॉप के पास फुटपाथ पर पड़े हुए थे।

यूक्रेनी पीएम के ऑफिस पर रूस का हमला

805 ड्रोन और 17 मिसाइलें दागीं, चार लोगों की मौत, जवाब में यूक्रेन ने रूसी पाइपलाइन उड़ाई

कीव। रूस ने यूक्रेन पर रविवार को अब तक का सबसे बड़ा हवाई और ड्रोन हमला किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकारी भवन में हमले के बाद आग लग गई। इसी भवन में यूक्रेनी पीएम ऑफिस सहित कई महत्वपूर्ण ऑफिस हैं।

अधिकारियों ने बताया कि देश भर में हुए हमलों में चार लोग मारे गए, जिनमें एक बच्चा भी शामिल है। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने कीव में मुख्य सरकारी इमारत को निशाना बनाया। यह साढ़े तीन साल की जंग में पहली बार हुआ है। यूक्रेनी वायुसेना के अनुसार, रूस ने 805 ईरान-निर्मित शाहेद ड्रोन और डिकॉय लॉन्च किए। साथ ही 17 क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइलें भी दागीं। पलटवार करते हुए यूक्रेन ने रूस के दुझबा पाइपलाइन पर ड्रोन हमला किया। जिससे रूस से हंगरी और स्लोवाकिया को तेल सप्लाई होता है। दमकलकर्मियों ने इमारत पर लगी आग को बुझाया और बचाव दल ने इमारत में लोगों को रेस्क्यू कर बाहर निकाल। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा कि ऐसे समय में जब बातचीत बहुत पहले शुरू हो सकती थी, हत्याएं जानबूझकर किया गया अपराध है। यह युद्ध को लम्बा खींचने का प्रयास है। उन्होंने हमलों को रोकने के लिए दुनिया से मदद मांगी। वहीं, रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने यूक्रेन के सैन्य-औद्योगिक परिसर और परिवहन बुनियादी ढांचे पर हमले किये हैं, जिससे हथियारों और सैन्य उपकरणों के गोदामों को नुकसान पहुंचा है। बता दें कि 15 अगस्त को रूस के राष्ट्रपति पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की अलास्का में हुई मुलाकात के बाद रूस और यूक्रेन के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। यूक्रेन रूसी रिफाइनरियों को टारगेट कर रहा है तो रूस आम यूक्रेनियों को निशाना बना रहा है। यूक्रेनी पीएम यूलिया स्वायरडेंको ने रूस के इस हमले का जवाब देने के लिए और हथियारों की मांग की और वैश्विक समुदाय से अपील की कि वे रूसी हमलों के खिलाफ प्रतिक्रिया दें।

पाक में मंत्रियों समेत हजारों का डेटा लीक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में केंद्रीय मंत्रियों समेत हजारों लोगों का संवेदनशील डेटा लीक हो गया है। लीक हुआ डेटा ऑनलाइन बिक्री के लिए भी उपलब्ध है। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, ऑनलाइन बिक्री के लिए जो डेटा उपलब्ध है, उसमें मोबाइल सिम, काल लाग, राष्ट्रीय पहचान पत्र और विदेश दौरे की जानकारी आदि शामिल है। जिन लोगों के डेटा लीक हुए हैं, उनमें कई केंद्रीय मंत्री और पार्टियों के प्रवक्ता शामिल हैं।

पाकिस्तान में डेटा लीक की घटनाएं पूर्व में भी हो चुकी हैं, लेकिन इसके बावजूद पाकिस्तान की सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। यहां तक कि जिन वेबसाइट्स से डेटा लीक होने की शिकायत हुई, उनके खिलाफ भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मोबाइल लोकेशन का डेटा सिर्फ 500 रुपये में ऑनलाइन बिक रहा है। वहीं मोबाइल रिकॉर्ड का डेटा 2000 रुपये और विदेश दौरों की जानकारी पांच हजार रुपये में मिल रही है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि जिन लोगों का डेटा लीक हुआ है, उनका उत्पीड़न किया जा सकता है। डेटा लीक को लेकर पाकिस्तान की आम जनता में भारी नाराजगी है। लोगों की मांग है कि डेटा लीक के लिए लोगों की जवाबदेही तय की जाए और ये पता लगाया जाए कि इस डेटा लीक के पीछे कौन है।

पाकिस्तान के गृहमंत्री मो. हसिन नकवी ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। जांच के लिए 14 सदस्यीय टीम गठित की गई है और जांच समिति दो हफ्ते में अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी। गौरतलब है कि सोशल मीडिया और आईटी के इस युग में डेटा लीक एक बड़ी समस्या बन गया है। बीते दिनों साइबर सिक्योरिटी विशेषज्ञों ने बताया था कि 16 अरब लोगों का संवेदनशील डेटा लीक हो गया था। इसे इंटरनेट इतिहास की सबसे बड़ी डेटा चोरी बताया जा रहा है।

संवेदनशील जानकारी ऑनलाइन बिक रही, मोबाइल सिम कॉल लॉग, राष्ट्रीय पहचान पत्र व विदेश दौरे की जानकारी आदि शामिल